www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, मंगलवार, 28 मई , 2024 | वर्ष-17 | अंक -52 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

आध्यात्मिक रूप से सबल होना ही वास्तविक ... 02

■ बेबी केयर अग्निकांड के दोषी बख्शे नहीं... 03
■ संगीतमय नृत्य नाटिका अंतरंगिनी का किया ...

■ रफा में इजरायली बमबारी से 40 लोगों की मौत 07
■ अमेरिका के तीन राज्यों में बवंडर से तबाही, ...

मिर्जापुर सीट पर कांटे की टक्कर 10

सार संक्षेप

सोनिया, खड़गे ने नेहरू को पुण्यतिथि पर किया नमन

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 60वीं पुण्यतिथि पर नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती गांधी और श्री खडगे ने सुबह पंडित नेहरू के समाधि स्थल 'शांति वन' जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा 'अपने कुशल नेतृत्व तथा सशक्त निर्णय से आधुनिक भारत की नींव रखने वाले पंडित नेहरू को शत्त-शत्त नमन।'

भारतीय सेना को हाइड्रोजन ईंधन वाली पहली बस मिली

नई दिल्ली। भारतीय सेना को हाइड्रोजन ईंधन सेल प्रौद्योगिकी वाली पहली बस मिली है। हाइड्रोजन से चलने वाली यह बस हाइड्रोजन ईंधन के 30 किलो के टैंक पर 250-300 किमी का प्रभावशाली माइलेज देती है। बस में कुल 37 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। ऐसी कुल 15 बसें आ रही हैं। सेना इनमें से एक बस का परीक्षण करेगी। हाइड्रोजन ईंधन सेल तकनीक इलेक्ट्रो-रासायनिक प्रक्रिया के माध्यम से हाइड्रोजन गैस को बिजली में परिवर्तित करती है।

हाईकोर्ट ने मैदानों की बुकिंग पर लगाई रोक

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के मैदानों पर होने वाले रामलीला समारोहों के लिए बुकिंग पर रोक लगा दी है। यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक कि प्राधिकरण नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) या दिशानिर्देश नहीं बनाता। न्यायमूर्ति तारा वितस्ता गंजू ने डीडीए को पांच सप्ताह के भीतर व्यापक एसओपी तैयार करने का निर्देश दिया है। अदालत का निर्देश डीडीए को नए दिशानिर्देश तैयार होने के बाद प्रचारित करने को कहता है।

डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. कामत को एक वर्ष का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। सरकार ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (डी डी आर एंड डी) के सचिव डॉ. समीर वी कामत का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने डॉ. कामत का कार्यकाल एक जून से अगले वर्ष 31 मई तक बढ़ाने के रक्षा मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

कमजोर पड़ा भीषण चक्रवाती तूफान 'रेमल'

तूफान से कई जगहों पर तबाही, बारिश

कोलकाता, 27 मई (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवात रेमल बंगाल तट से टकरा चुका है। इसके प्रभाव से कई इलाकों में बारिश हुई। तेज हवाओं के कारण कई इलाकों में पेड़ भी उखड़े। मौसम विभाग के मुताबिक चक्रवाती तूफान के लैंडफॉल के समय हवा 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली और इसी दौरान रेमल पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप और बांग्लादेश के खेपुपाड़ा के बीच समुद्र तट से टकराया। मौसम विभाग के मुताबिक अब चक्रवाती तूफान कमजोर पड़ चुका है। केंद्र और राज्य सरकारें लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

135
किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली

मानसून से पहले के मौसम में बंगाल की खाड़ी में आए इस पहले चक्रवात के बारे में मौसम विभाग ने बताया कि रेमल के तट से टकराने के दौरान समुद्र में काफी ऊंची लहरें उठीं। चक्रवात के टकराने के साथ ही बंगाल और उत्तरी ओडिशा के कई जिलों, असम और मेघालय में भारी बारिश की हुई। मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में 28 मई को भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है।

प. बंगाल में चार लोगों की मौत

रेमल तूफान से पश्चिम बंगाल में चार लोगों की मृत्यु हो गई। एक व्यक्ति की कोलकाता में दीवार गिरने के कारण मौत हुई और एक व्यक्ति की मृत्यु दक्षिण-24-परगना में पेड़ गिरने के कारण हो गई। दो लोगों की मौत पूर्व बर्धमान में हुई है। सामने आया है कि बिजली गिरने से दोनों की मौत हुई है. वहीं, कैनिंग में पेड़ गिरने से घायल एक व्यक्ति को इलाज के लिए एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

असम के कई हिस्सों में बारिश

चक्रवात रेमल के कारण सोमवार को असम में अत्यधिक बारिश हुई। असम के कई जिलों में हाई अलर्ट भी जारी किया गया था। प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया था। बता दें कि गुवाहाटी सहित असम के कई हिस्सों में रविवार देर शाम से भारी बारिश हुई। इस कारण राज्य में पारा का स्तर नीचे आ गया।

तेलंगाना में भारी बारिश व आंधी से 13 की गई जान

हैदराबाद। तेलंगाना के कई इलाकों में रविवार रात आए तेज आंधी-तूफान व भारी बारिश की चपेट में आकर 13 लोगों की मौत हो गई। राज्य की राजधानी हैदराबाद समेत कई जिलों में तेज आंधी के साथ भारी बारिश ने कहर बरपाया। बंगाल की खाड़ी में उठे भीषण चक्रवाती तूफान रेमल के कारण आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश में 13 लोगों की मौत हो गई। तेज हवाओं से पेड़ उखड़ गए, बिजली और संचार टावर क्षतिग्रस्त हो गए और यातायात व बिजली आपूर्ति बाधित हुई। अकेले नगरकुर्नूल जिले में सात मौतें हुईं। हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों से चार और मेडक से दो लोगों की मौत की खबर है।

बांग्लादेश में चक्रवात ने ली सात की जान

ढाका। बांग्लादेश में चक्रवात रेमल की तबाही के कारण सात लोगों की मौत हो गई। देश के दक्षिण और दक्षिणपूर्वी पांच तटीय जिलों से मौतों की सूचना मिली है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने रविवार रात बताया कि भीषण चक्रवात के कारण दो लोगों के लापता होने की भी सूचना है। बांग्लादेश मौसम विज्ञान विभाग (बीएमडी) में चक्रवात चेतावनी केंद्र के उप निदेशक मोहम्मद शमीम अहसन ने शिन्हुआ को बताया कि रविवार रात रात 8 बजे तट पर आए तूफान के बाद दक्षिणी बांग्लादेश और भारत के पश्चिम बंगाल के तटों पर तेज हवाएं चलीं और तूफान आया। चक्रवात ने लगभग एक दर्जन तटीय जिलों में फसलों को नुकसान पहुंचाया।

विज्ञापन मामले में भाजपा को झटका

कटुता बढ़ाने की छूट नहीं दे सकते : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट से भी भाजपा को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने विज्ञापन मामले में दी गई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। दरअसल, अदालत ने आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन में तृणमूल कांग्रेस और उसके कार्यकर्ताओं के खिलाफ विज्ञापन जारी करने से रोकने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली भाजपा की याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि इस तरह के विज्ञापन अपमानित करने वाले हैं। आप कह सकते हैं कि आप सबसे अच्छे हैं लेकिन दूसरों के बारे में इस तरह की बातें नहीं कर सकते। हम आपको इस तरह की कटुता बढ़ाने की छूट नहीं दे सकते। यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा की याचिका खारिज कर दी।

तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जारी किया था विज्ञापन

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, 'प्रथम दृष्टया विज्ञापन अपमानजनक है।' भाजपा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पटवालिया ने पीठ द्वारा इस मामले पर विचार करने से इनकार करने के बाद मामले को वापस लेने की अनुमति मांगी।

केजरीवाल ने जमानत बढ़ाने की लगाई गुहार

उच्चतम न्यायालय के समक्ष दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक याचिका दायर कर अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए अपनी अंतरिम जमानत अवधि एक जून से सात दिन आगे बढ़ाने की गुहार लगाई है। दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी श्री केजरीवाल ने अपनी याचिका में दावा किया है कि गिरफ्तारी के बाद उनका वजन सात किलोग्राम कम हो गया है। उनका कीटोन लेवल बहुत ज्यादा है, जो किसी गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है।

मैं युवाओं की आकांक्षाओं को समझता हूं : मोदी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान 1 जून को होना है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों तक अपने सोच पहुंचाने के लिए कई साक्षात्कार दे रहे हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने युवाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मैं युवाओं की आकांक्षाओं को समझता हूं। उन्होंने कहा कि जो पुरानी सोच है कि वह घर में अपने पहले पांच थे तो अब 7 में जाएंगे, सात थे तो नौ में जाएंगे, ऐसा नहीं है। वह पांच से भी सीधा 100 पर जाना चाहता है। आज का युवा हर क्षेत्र में बड़ा जंप लगाना चाहता है। हमें वह लॉन्चिंग पैड क्रिएट करना चाहिए, ताकि हमारे यूथ की आकांक्षा को हम पूरा कर सकें। इसलिए, हमें यूथ को समझना चाहिए। पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं परीक्षा पर चर्चा करता हूं और मैंने देखा है कि मुझे लाखों युवकों से ऐसे बात करने का मौका मिलता है जो परीक्षा पर चर्चा तो करते हैं। लेकिन, वह मेरे साथ 10 साल के बाद की बात भी करते हैं। मतलब वह एक नई जनरेशन है। अगर सरकार और सरकार की लीडरशिप इस नई जनरेशन की आकांक्षा को समझने में विफल हो गई तो बहुत बड़ी गैप हो जाएगी। आपने देखा होगा कोविड में मैं बार-बार चिंतित था कि मेरे यह फर्स्ट टाइम वोटर जो अभी हैं, वह कोविड के समय में 14-15 साल के थे, तो मैं सोचता था कि अगर यह चार दीवारों में फंसे रहेंगे तो इनका बचपन मर जाएगा।

■ दस साल आगे की सोचते हैं युवा
■ मैंने लाखों युवकों से बात की है

मोदी फिर से नहीं बन पाएंगे पीएम : राहुल

कांग्रेस नेता बोले, राजग लोकसभा चुनाव हारने के लिए पूरी तरह तैयार

पटना 27 मई (देशबन्धु) कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद श्री नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री (पीएम) नहीं बनने जा रहे हैं और तब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उनसे अडानी के साथ लेनदेन के बारे में पूछताछ करेगा।

श्री गांधी ने सोमवार को पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र के बख्तियारपुर में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि श्री मोदी दोबारा पीएम नहीं बनेंगे क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) लोकसभा चुनाव हारने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद ईडी श्री मोदी से अडानी के साथ उनके लेनदेन के बारे में पूछताछ करेगी।

■ राहुल ने बिहार के बख्तियारपुर में की जनसभा
■ मोदी-अडानी संबंधों पर पूछताछ करेगी ईडी

कांग्रेस नेता ने कहा, हाल के साक्षात्कारों की एक श्रृंखला में श्री मोदी ने दावा किया था कि वह एक जैविक इकाई नहीं बल्कि ईश्वर के दूत हैं और उनके द्वारा सभी निर्णय ईश्वर की प्रेरणा से लिए जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद अडानी के साथ उनके लेन-देन के बारे में ईडी की पूछताछ से बचने के लिए श्री मोदी कह रहे हैं, मुझे नहीं पता क्योंकि निर्णय भगवान की इच्छा के अनुसार लिया गया था, न कि मेरी इच्छा के अनुसार।

इंडिया गठबंधन ने 1 जून को बुलाई बैठक

देश में लोकसभा चुनाव अब अपने अंतिम दौर में पहुंच रहा है। 1 जून को सातवें व अतिम चरण के लिए 57 लोकसभा सीटो पर मतदान कराया जाएगा और 4 जून को नतीजे आ जाएंगे। इस बीच इंडिया गठबंधन ने ठीक चुनाव वाले दिन यानी शनिवार 1 जून को सहयोगी दलों की दिल्ली में एक अहम बैठक बुलाकर कौतुहल बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इस बैठक में संभावित चुनाव नतीजों को लेकर चर्चा हो सकती है। बता दें कि यह बैठक इस लिए भी अहम है कि 2 जून को आप संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत की अवधि खत्म हो रही है। यह बैठक उनके जेल जाने से ठीक एक दिन पहले हो रही है। सूत्रों की माने तो इस बैठक में लोकसभा चुनाव गठबंधन के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए उसके भविष्य के कदमों को लेकर बुलाई गई है।

राजकोट अग्निकांड

नगर निगम को हाईकोर्ट की फटकार

अहमदाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। राजकोट गेमिंग जोन अग्निकांड का स्वत- संज्ञान लेते हुए सोमवार को गुजरात हाईकोर्ट ने राजकोट नगर निगम को जमकर फटकार लगाई। साढ़े चार घंटे चली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने निगम के अधिकारियों से कहा कि तीन से भी अधिक समय से यहां अवैध रूप से गेम जोन का संचालन हो रहा था, लेकिन आप लोग सोए थे या अंधे हो गए थे। हाईकोर्ट ने घटना के लिए राजकोट नगर निगम व आयुक्त को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि इस लापरवाही के लिए इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि नगर निगम, पुलिस और सड़क एवं भवन विभाग के अधिकारियों की निगरानी में गेम जोन चलता था। यह 2021 में चालू हुआ और तीन साल के बाद भी आवश्यक मानकों को पूरा नहीं कर रहा था। कोर्ट ने कहा कि गेम जोन के पास फायर एनओसी भी नहीं था। सवाल यह उठता है कि निगम की नाक के नीचे यह अवैध रूप से कैसे चलता रहा। कोर्ट ने मामले में पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बिना थाने की इजाजत के गेम जोन कैसे चल रहा था। पुलिस वालों ने अपनी आंखें क्यों बंद की हुई थी। न्यायाधीश ने कहा, अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण ऐसी घटनाएं हो रही हैं। कोर्ट ने कहा, यह दुर्घटना नहीं, मानव निर्मित घटना है। शासन-प्रशासन को बताना चाहिए कि उनकी लापरवाही से मासूमों की जान कब तक जाती रहेगी। कोर्ट ने कहा कि इस घटना के लिए नगर आयुक्त जिम्मेदार हैं, लेकिन इस स्तर पर हम कोई आदेश नहीं देना चाहते। हम उन्हें एक मौका देना चाहते हैं। न्यायाधीश ने कहा कि आयुक्त सहित निगम के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

■ कहा-तीन साल से क्या कर रहे थे आप

जम्मू-कश्मीर में जल्द होंगे विधानसभा चुनाव : आयोग

नई दिल्ली, 27 मई (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर में इस बार लोकसभा चुनाव के दौरान रिकार्ड मतदान दर्ज किया गया। चुनाव आयोग ने सोमवार को दावा किया कि इस बार यहां लोकसभा चुनाव में पिछले 35 साल में सर्वाधिक मतदान हुआ। आयोग ने कहा कि 2019 के आम चुनाव के मुकाबले इस बार के लोकसभा चुनाव में यहां मतदान में 30 फीसदी की भारी वृद्धि हुई है। बताया गया कि पांच लोकसभा क्षेत्र वाले पूरे केंद्रशासित प्रदेश के मतदान केंद्रों पर संयुक्त मतदान प्रतिशत 58.46 फीसदी रहा। जम्मू-कश्मीर में बेहतर मतदान से उत्साहित मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहाकि यह सक्रिय भागीदारी जल्द ही होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एक बहुत बडी सकारात्मक पहल है। ताकि केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया जारी रहे। शनिवार को भी मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा था कि बहुत जल्द चुनाव आयोग केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करेगा। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि अक्टूबर तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं।

■ लोकसभा चुनाव में पिछले 35 साल में सर्वाधिक मतदान का दावा
■ पिछले चुनाव के मुकाबले मतदान में 30 फीसदी की वृद्धि हुई

31 को एसआईटी के सामने पेश होंगे प्रज्वल

बेंगुलरु, 27 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की हासन लोकसभा सीट से सासंद और जेडी-एस से निष्कासित नेता प्रज्वल रेवन्ना पर लगे यौन शोषण के आरोपों के बाद कर्नाटक की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। बता दें कि 27 अप्रैल को रेवन्ना विदेश चले गए थे। ठीक एक महीने बाद प्रज्वल रेवन्ना का कहना है कि वह 31 मई को सुबह 10 बजे मामले की जांच कर रही एसआईटी के सामने पेश होंगे। रेवन्ना ने कहा 'मैं 31 मई की सुबह 10 बजे व्यक्तिगत रूप से एसआटी के सामने पेश हो जाऊंगा। मैं जांच में एसआईटी की मदद करूंगा और खुद पर लगे आरोपों का जवाब दूंगा। मुझे अदालत पर पूरा भरोसा है।' उन्हें भगवान, अपने समर्थकों और अपने परिवार की दुआओं पर पूरा भरोसा है।

बोले, मुझ पर लगे आरोप झूठे

आदेश

बदलते कश्मीर में पत्थरबाजों के परिजनों पर गाज

पत्थरबाजों के परिजनों को भी नहीं मिलेगी नौकरी

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 27 मई(देशबन्धु)। कश्मीर में अतीत का हिस्सा बन चुके पत्थरबाज एक बार फिर चर्चा में हैं। दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सख्त संदेश देते हुए कहा है कि जम्मू कश्मीर में किसी भी आतंकी और पत्थरबाज के परिवार के किसी सदस्य को भी अब सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। हालांकि यह आदेश कोई नया नहीं है बल्कि अगस्त 2021 में ही सरकार ने पत्थरबाजों व आतंकियों को सरकारी नौकरियों से वंचित करने के अतिरिक्त उनकी विदेश यात्राओं पर पाबंदी लागू करने के इरादों से उन्हें पासपोर्ट जारी न करने के निर्देश दिए थे।

अब दोनों के परिजनों को भी इन सुविधाओं से वंचित कर दिया गया है। अमति शाह ने कहा है कि कश्मीर में, हमने निर्णय लिया है कि यदि कोई आतंकी संगठन में शामिल होता है, तो उसके परिवार के सदस्यों को कोई सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। इसी तरह अगर कोई पथराव करेगा तो उसके परिवार के सदस्यों को भी सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी।

उन्होंने कहा कि कुछ मानवाधिकार कार्यकर्ता फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए लेकिन अंत में सरकार की जीत हुई। गृह मंत्री ने कहा कि अगर किसी परिवार का कोई व्यक्ति आगे आता है और अधिकारियों को सूचित करता है कि उसका करीबी रिश्तेदार आतंकवादी संगठन में शामिल हो गया है तो ऐसे परिवार को राहत दी जाएगी। यह है तो चौंकाने वाला पर है सत्य कि प्रदेश में देश के खिलाफ षड्यंत्र रचने वालों पर नकेल कसने के लिए सरकार ने अगस्त 2021 में ही एक आदेश जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि देश के खिलाफ नारेबाजी और पत्थरबाजी करने वालों को सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी। इतना ही नहीं ऐसे लोग पासपोर्ट सेवा का भी लाभ नहीं उठा सकेंगे। सीआईडी ने सभी इकाइयों को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया था। तब, साथ संलग्न आर्डर को देखें, जम्मू कश्मीर पुलिस के सीआइडी विंग ने अपने सभी क्षेत्रीय स्टाफ को निर्देश दिया था कि वे ऐसे तत्वों को सुरक्षा मंजूरी न दें। सीआइडी की विशेष शाखा कश्मीर के तत्कालीन एसएसपी ने अपने अधीनस्थ सभी अधिकारियों और कर्मियों को इस संबंध में एक लिखित आदेश जारी किया था।

■ 2021 में पत्थरबाजों को नौकरी न देने का निर्देश निकाला था

देश

उवाच

मध्य प्रदेश में अराजकता फैल रही है, कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई। आदिवासियों और दलितों पर अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे। सीधी में बच्चियों के साथ हुई घटना निंदनीय है।

-उमंग सिंघार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	43.0	30.0
मुंबई	31.0	30.0
कोलकाता	26.0	25.0
चेन्नई	39.0	30.0

आध्यात्मिक रूप से सबल होना ही वास्तविक सशक्तिकरण : मुर्मू

- राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित
- जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों को मुर्मू ने बताया बेहद महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि लोगों का आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही वास्तविक सशक्तिकरण है मुर्मू ने सोमवार को यहां ब्रह्माकुमारीज द्वारा 'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व इतिहास के स्वर्णिम अध्याय और राष्ट्रों का इतिहास सदैव आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित रहे हैं। विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि आध्यात्मिक मूल्यों की उपेक्षा करके केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंतत: विनाशकारी सिद्ध हुआ है।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ मानसिकता के आधार पर ही समग्र कल्याण संभव है। एक सच्चा स्वस्थ व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों आयामों को पूरा करता है। ऐसे व्यक्ति ही एक स्वस्थ समाज, राष्ट्र एवं विश्व समुदाय का निर्माण करते हैं। मुर्मू ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही वास्तविक सशक्तिकरण है। जब किसी धर्म या संप्रदाय के अनुयायी अध्यात्म के मार्ग से भटक जाते हैं तो वे कट्टरता का शिकार

लोक कल्याण की भावना के साथ काम करना, आंतरिक आध्यात्मिकता की सामाजिक अभिव्यक्ति : द्रौपदी मुर्मू

हो जाते हैं और अस्वस्थ मानसिकता से ग्रस्त हो जाते हैं। आध्यात्मिक मूल्य सभी धर्मों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ते हैं राष्ट्रपति ने कहा कि स्वार्थ से ऊपर उठकर लोक कल्याण की भावना के साथ काम करना, आंतरिक आध्यात्मिकता की सामाजिक अभिव्यक्ति है। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि ब्रह्माकुमारी संस्थान महिलाओं द्वारा संचालित संभवत: दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक संस्थान है। उन्होंने कहा कि इस संगठन में ब्रह्माकुमारियां आगे रहती हैं और उनके सहयोगी ब्रह्माकुमार पृष्ठभूमि में काम करते हैं। मुर्मू ने कहा कि ऐसे अनूठे सामंजस्य के साथ यह संस्थान निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसा करके इसने विश्व समुदाय के सामने आध्यात्मिक प्रगति और महिला सशक्तीकरण का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

जनता की भलाई के लिए दान करना सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक मूल्यों में से एक : राष्ट्रपति

दुनिया के कई हिस्सों में भय, आतंक और युद्ध को बढ़ावा देने वाली ताकतें बहुत सक्रिय हैं। ऐसे माहौल में ब्रह्माकुमारी संस्था ने 100 से अधिक देशों में कई केंद्रों के माध्यम से मानवता के सशक्तिकरण के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया है। आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देकर विश्व बंधुत्व को मजबूत करने का यह एक अमूल्य प्रयास है। मुर्मु ने कहा कि यह सराहना का विषय है कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान संभवत: महिलाओं द्वारा संचालित दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक संस्थान है। उन्होंने कहा कि इस संगठन में ब्रह्माकुमारियां आगे रहती हैं और उनके सहयोगी ब्रह्माकुमार पृष्ठभूमि में काम करते हैं। ऐसे अनूठे सामंजस्य के साथ यह संस्था निरंतर आगे बढ़ रही है। ऐसा करके उसने विश्व समुदाय के समक्ष आध्यात्मिक प्रगति एवं महिला सशक्तिकरण का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

केरल में पानी निकासी विवाद को लेकर व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या

कन्नूर, 27 मई (एजेंसियां)। केरल में कन्नूर जिले के थुलिचेरी में सीवेज के पानी की निकासी को लेकर हुए विवाद के बाद कुछ लोगों ने 61 वर्षीय व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना रविवार की रात करीब आठ बजे नांबियारमोट्टा में उस समय हुई जब ऑटो चालक देवदास

ऑटोरिक्शा की सफाई करते हुए पड़ोसी अजय कुमार के परिसर का उपयोग कर रहा था। अजय और अन्य पड़ोसियों ने इस पर आपत्ति जतायी। जिससे क्रोधित होकर देवदास समेत चार लोगों ने डंडों तथा हेलमेट से अजय पर हमला किया और उसे सड़क पर घसीटा।

उन्होंने बताया कि आसपास के लोग किसी तरह अजय को छुड़ाकर नजदीकी अस्पताल ले गये , जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हमले के दौरान बीच-बचाव के प्रयास में एक अन्य व्यक्ति प्रवीण कुमार घायल हो गया, जिसे कन्नूर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस सिलसिले में देवदास और उसके दो बेटों संजय दास और सूर्य दास तथा एक प्रवासी श्रमिक को गिरफ्तार किया है।

धर्म के आधार पर इस देश में नहीं आने देंगे आरक्षण : शाह

लखनऊ/कुशीनगर, 27 मई (देशबन्धु)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का प्रचार करने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में पहुंचे और यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं आने देंगे। यहां उदित नारायण डिग्री कालेज पडरौना के मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 6 चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। मेरे पास 5 चरण का आंकड़ा है, पांच चरण में मोदी 310 सीटें पार कर चुके हैं। छठा चरण हो चुका है। सातवां होने वाला है, जिसमें आप लोगों को 400 पार कराना है। उन्होंने कहा कि 4 जून को राहुल बाबा की पार्टी 40 भी पार नहीं कर पाएगी और अखिलेश बाबू 4 भी पार नहीं कर पाएंगे। देश की जनता ने तय किया है कि अगले 5 साल नरेन्द्र मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे। शाह ने विपक्ष पर हमलावर होते हुए कहा कि 4 जून को मोदी की या

- चुनावी जनसभा में इंडिया गठबंधन पर बोला हमला

भाजपा की विजय निश्चित है। आप 4 जून की दोपहर को देख लेना कि राहुल बाबा के लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और कहेंगे कि खड़गे के कारण हम हारे हैं। हार का ठीकरा भी खड़गे साहब पर फूटेगा। उन्होंने कहा कि मैं आज बहन मायावती और अखिलेश यादव से पूछना चाहता हूं कि कुशीनगर चीनी का कटोरा नाम से प्रसिद्ध था।

देवरिया में कल जनसभा करेंगे अमित शाह

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा देश के गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा के अंतिम चरण के चुनाव में उत्तर प्रदेश के देवरिया में 29 मई को एक जनसभा को सम्बोधित करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि देश के गृह मंत्री श्री शाह देवरिया सदर लोकसभा से पार्टी प्रत्याशी शशांक मणि त्रिपाठी के पक्ष में चीनी मिल मैदान में एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि श्री शाह संगठन के मर्मज्ञ हैं और संगठन के कार्यकर्ताओं और जनता में उत्साह भरने के लिए आ रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता और रैली को सफल बनाने के लग गये है और जिला प्रशासन भी श्री शाह की रैली के सुरक्षा हेतु अपनी कार्य योजना को तैयार कर रहा है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि सभी लोग अपने अपने प्रभार वाले क्षेत्रों से अधिक से अधिक संख्या में लोगों को लाएं।

सार संक्षेप

सारण में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

छपरा। बिहार में सारण जिले के मुफस्सिल और दरियापुर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के उमधा फोरलेन के समीप ऑटोरिक्शा के पलटने से रिविलगंज थाना क्षेत्र के औली गांव निवासी ऑटो रिक्शा चालक आत्माराम महतो (60) की मौत हो गयी। वहीं दूसरी घटना में जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र के दिघवारा -भेल्दी मुख्य मार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

तेलंगाना में विधान परिषद उपचुनाव संपन्न

हैदराबाद। तेलंगाना में वारंगल-खम्मम-नलगोंडा स्नातक विधान परिषद सदस्य उपचुनाव के लिए मतदान सोमवार को शाम चार बजे शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया। चुनाव विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार, जो मतदाता चार बजे से पहले कतार में थे, उन्हें चुनाव अधिकारियों ने मताधिकार का प्रयोग करने की अनुमति दी है। मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ और शाम चार बजे समाप्त हुआ। विज्ञप्ति के अनुसार, 34 विधानसभा क्षेत्रों में फैले इस निर्वाचन क्षेत्र के कुल 4,63,839 स्नातक मतदाताओं ने 605 मतदान केंद्रों पर मतदान किया। चुनावी मैदान में 52 उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमायी है। इस उपचुनाव के परिणाम पांच जून को आएंगे।

आंध्र में सड़क दुर्घटनाओं में आठ लोगों की मौत

तिरूपति। आंध्र प्रदेश में सोमवार तड़के दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दुर्घटना उस समय हुई जब नेल्लोर से वेल्लोर जा रही कार तिरूपति जिले के एम कोंगरावारीपल्ली में पुथलपट्टू-नायडूपेटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार सड़क डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में में चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

नागपुर व रामटेक की मतगणना की तैयारियां शुरू

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर और रामटेक लोकसभा सीट के लिए हुए चुनाव की मतगणना की तैयारियों और सुरक्षा के लिहाज से जिला प्रशासन सतर्क है। इन सीटों पर लोकसभा चुनाव के पहले चरण 19 अप्रैल को मतदान हुआ था। जिला प्रशासन ने कलमना मार्केट में बिना किसी व्यवधान के मतगणना कार्य को व्यवस्थित एवं संपन्न कराने पर जोर दिया।

कर्नाटक में चन्नागिरी थाने पर हमले के आरोप में 25 गिरफ्तार

बेंगलुरू, 27 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में दावणगेरे जिले के चन्नागिरी थाने पर हिंसक भीड़ के हमले के सिलसिले में 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार तड़के थाने में कथित हिरासत में एक व्यक्ति की मौत के बाद हुए हमले में कम से कम 11 पुलिसकर्मी घायल हो गये थे और थाना समेत कई वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 30 वर्षीय आदिल को जुए में कथित संलिप्तता के लिए 24 मई को हिरासत में लिया गया था। थाना पहुंचते ही आदिल की तबीयत तेजी से बिगड़ी और बाद में उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसके रिश्तेदारों सहित लोगों की भीड ने थाने पर हमला कर दिया। पुलिस ने मिर्गी के दौरों का हवाला देते हुए इस बात से इनकार किया है कि आदिल की मौत हिरासत में हुई कार्रवाई के कारण हुई। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को मामले की जांच का काम सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार 25 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 353 (लोक सेवक को कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल) और 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है। संदिग्धों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सबूत के तौर पर सीसीटीवी फुटेज और वीडियो क्लिप के आधार पर आगे की जांच के लिए पांच पुलिस टीमें गठित की गई हैं। दावणगेरे के पुलिस अधीक्षक उमा प्रशांत ने कहा कि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिवार को सौंप दिया जायेगा। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने पुलिस की लापरवाही स्वीकार करते हुए पुलिस उपाधीक्षक और चन्नागिरी पुलिस थाना निरीक्षक को निलंबित कर दिया है।

देश में एक फिटनेस संस्कृति विकसित करने की है आवश्यकता : जगदीप धनखड़

- कर्नाटक के बेलगावी में एनआईटीएम के स्थापना दिवस समारोह को किया संबोधित

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पंचायत स्तर पर औषधीय पौधों को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि कॉर्पोरेट नेताओं से कंपनी सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर के माध्यम से अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने चाहिए।

धनखड़ ने कर्नाटक के बेलगावी में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद -नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन (एनआईटीएम) के 18वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश में एक फिटनेस संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय फिट और स्वस्थ रहे, और भारत के विकसित के अभियान में

पंचायत स्तर पर औषधीय पौधों को दिया जाना चाहिए बढ़ावा : धनखड़

सकारात्मक योगदान देने में सक्षम हो सके। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पंचायत स्तर पर औषधीय पौधों को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा कि आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और योग को शामिल करते हुए भारत की पारंपरिक चिकित्सा का समृद्ध भंडार पूर्वजों के गहन ज्ञान का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह विज्ञान, दर्शन और आध्यात्मिकता का एक आदर्श मिश्रण हैं और मन, शरीर और आत्मा और प्रकृति के बीच संतुलन और सामंजस्य पर जोर देते हैं।

भावी पीढ़ियों के लिए जैव विविधता की सुरक्षा का किया आह्वान

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भावी पीढ़ियों के लिए जैव विविधता और पारंपरिक ज्ञान की सुरक्षा करने की आवश्यकता पर बल देते हुए धनखड़ ने कहा कि देश को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के कार्य में हर गांव को शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं पंचायत स्तर पर भी आग्रह करूंगा कि हमें औषधीय पौधों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कॉर्पोरेट और सार्वजनिक नेताओं से अनुसंधान और विकास का सहयोग करने के लिए हर संभव प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अनुसंधान, विकास, नवाचार और स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों को अपने सीएसआर का प्रयोग करना चाहिए।

कुपवाड़ा में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

श्रीनगर, 27 मई (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ करते हुए भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि एक विशेष सूचना मिलने के बाद सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान टीम ने आवारा जंगल में आतंकवादियों के ठिकाने का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने कहा कि यह ठिकाना आवरा के घने वन क्षेत्र में स्थित था और तलाशी के दौरान, हथियारों, गोला-बारूद, उपकरण और अन्य युद्ध जैसे सामानों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया।

- बड़ी मात्रा में गोला बारुद बरामद

परमेश्वर को पासपोर्ट रद्द करने में कानूनी प्रक्रियाओं से अवगत होना चाहिए : कुमारस्वामी

बेंगलुरू, 27 मई (एजेंसियां)। जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा है कि राज्य के गृह मंत्री जी.परमेश्वर को राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं से अवगत होना चाहिए। कुमारस्वामी का यह बयान यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने के चल रहे प्रयासों के बीच आया है। कुमारस्वामी ने कहा कि क्या गृह मंत्री प्रोटोकॉल से अवगत हैं। कानूनी प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। केवल 24 घंटे में तुरंत रद्द करना संभव नहीं है। इसकी एक कानूनी प्रक्रिया है। प्रज्वल का पासपोर्ट रद्द करने संबंधी मामले में केंद्र सरकार के तौर-तरीके को लेकर डॉ. परमेश्वर की आलोचना का जवाब देते हुए उन्होंने जोर दिया कि उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन महत्वपूर्ण है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने गत 1 मई और 23 मई को मोदी को पत्र लिखकर रेवन्ना का पासपोर्ट रद्द करने के लिए त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया था। उन्होंने प्रज्वल के देश से भागने को 'शर्मनाक' बताया और उसे न्याय के कटघरे में लाने के लिए उनके राजनयिक विशेषाधिकारों को रद्द करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है।

'भाग नहीं रहा जांच में करूंगा सहयोग'

बेंगलुरु। कर्नाटक में बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ कथित दुराचार के मामले में नामित जनता दल एस के सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने सोमवार को सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट के जरिए सामने आकर कहा कि वह भागे नहीं हैं और वह अपने खिलाफ आरोपों की जांच का सामना करेंगे। हासन लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं और कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के दौरान कथित रूप से एक सेक्स सीडी पर राज्य सरकार द्वारा जांच की घोषणा के बाद करीब एक महीने से परिदृश्य से ओझल हो गए थे। उन्होंने वीडियो पोस्ट में कहा कि वह 31 मई को विशेष जांच दल के सामने हाजिर होंगे।

एआईएमआईएम मालेगांव अध्यक्ष पर हमले के पीछे साजिश : ओवैसी

हैदराबाद, 27 मई (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के नासिक जिले में उनकी पार्टी के मालेगांव के अध्यक्ष और पूर्व मेयर अब्दुल मलिक पर हुए साजिश के तहत जानलेवा हमले किया गया है।

आवैसी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया, हम अब्दुल मलिक के परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। मलिक को रविवार रात तीन गोलियां मारी गईं। उन्हें इलाज के लिए नासिक ले जाया गया है। ओवैसी ने कहा कि उन्होंने उनके भाई डॉ. खालिद से फोन पर बात की। ओवैसी ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राज्य के पुलिस महानिदेशक को तत्काल कदम उठाने चाहिए।

मध्य प्रदेश एक दर्जन से अधिक स्थानों पर तीव्र लू के आसार

भोपाल, 27 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में कई दिनों से भीषण गर्मी व चल रही लू व उमस के बीच अगले चौबीस घंटों के दौरान कई स्थानों पर लू और कई स्थानों तीव्र लू के आसार हैं। मध्यप्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्से में आने वाले अनेक स्थानों पर कहीं लू और कहीं तीव्र लू के प्रभाव के कारण लोगों के जनजीवन पर विपरीत असर देखने को मिला है। दोपहर के समय सड़कों पर आवागमन की कमी के साथ ही बाजारों में सन्नाट पसारा रहता है। राज्य के कई स्थानों पर आज अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया। भोपाल मौसम विज्ञान के वैज्ञानिकों ने रेड जोन के माध्यम से चेतवानी दी है कि प्रदेश के राजगढ़ सहित मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, सागर, छतरपुर,

टीकमगढ़ जिले में तीव्र लू के साथ ही कुछ स्थानों हल्की वर्षा की संभावना है। इसके साथ ही शाजापुर, विदिशा, रायसेन, सिहोर, खंडवा, खरगोन, अलिराजपुर, झाबुआ, धार, देवास, आगरमालवा, दमोह और राजधानी भोपाल में कहीं-कहीं लू चलने के आसार है। इसी तरह वैज्ञानिकों ने बुरहानपुर, बड़वानी, रीवा, मऊगंज, सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पन्ना, मैहर व उमरिया जिले को यलो जोन में रखा है। इन स्थानों पर कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है। प्रदेश के इंदौर, रतलाम, उज्जैन, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा जिले में कहीं-कहीं हल्की वर्षा की संभावना है।

राजनीति *गुजरात के राजकोट गेम जोन हादसे पर राजनीति हुई तेज*

कांग्रेस की भाजपा नेताओं व बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

राजकोट, 27 मई (एजेंसियां)। गुजरात सरकार ने राजकोट में 'गेम जोन' में आग लगने के मामले में सात अधिकारियों को निलंबित करने के सोमवार को आदेश जारी किए। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने रविवार को राजकोट गेम जोन दुर्घटना स्थल पर जाकर निरीक्षण किया था और इस गंभीर घटना के लिए।

जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उसके बाद राज्य सरकार ने सात अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए हैं। 25 मई को इस अग्निकांड के बाद जमकर राजनीति भी हो रही है। गुजरात कांग्रेस ने नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों और भाजपा के पदाधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि इस मामले में सिर्फ कनिष्ठ

- गेमिंग जोन में आग लगने से 28 लोगों की गई थी जान

अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। गोहिल ने कहा कि इससे पहले राजकोट के महापौर, कलेक्टर और नगर आयुक्त समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों ने गेमिंग जोन का दौरा किया था। अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें भी डालीं थीं। ऐसे में सरकार सिर्फ कनिष्ठ अधिकारियों पर ही क्यों कार्रवाई कर रही है इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा फेसबुक पर शेयर की गईं तस्वीरों को भी साझा किया। इनमें से कुछ तस्वीरों में नगर निगम के पूर्व महापौर प्रदीप दवे समेत भाजपा के कुछ पदाधिकारियों को देखा जा सकता है। गोहिल ने दावा किया कि कुछ तस्वीरों में भाजपा के पूर्व विधायक अरविंद रेयानी और कुछ अन्य भाजपा नेताओं को भी देखा गया है। 25 मई का दिन गुजरात के लिए काला दिन साबित हुआ, जब राजकोट का टीआरपी गेमिंग जोन धू-धू कर जल उठा। कांग्रेस नेता ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि इस मामले में कनिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने दावा किया कि वरिष्ठ अधिकारियों और भाजपा के पदाधिकारियों पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि आखिर कैसे इतने बड़े गेमिंग जोन को अवैध रूप से चलाया जा रहा था। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि गुजरात उच्च न्यायालय ने सरकार से बार-बार ऐसे स्थानों पर अग्नि सुरक्षा मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कहा था। उल्लेखनीय है कि राजकोट तालुका क्षेत्र में टीआरपी गेम जोन में शनिवार को लगी आग में झुलसने से मरने वालों की संख्या 28 हो गई तथा तीन अन्य झुलसे गए थे। झुलसे लोगों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। टीआरपी गेम जान के संचालक छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। हादसे के कारणों की जांच को गठित विशेष जांच दल के अध्यक्ष अपर पुलिस महानिदेशक सुभाष त्रिवेदी और अन्य सदस्य भी शनिवार देर रात राजकोट पहुंच गए थे।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पिता ने बेटे से कहा : लड़की वालों के सामने बड़ी-बड़ी बातें करना, लड़की वालों के आते ही बेटे ने पिता से कहा : पापा चाबी देना वो ट्रेन धूप में खड़ी है, उसे अंदर कर दूं...

बेबी केयर अग्निकांड के दोषी बख्शे नहीं जाएंगे : आप

नई दिल्ली, 27 मई (देशबन्धु)। दिल्ली सचिवालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि बीते शनिवार 25 मई 2024 को दिल्ली के विवेक विहार में स्थित एक बेबी केयर सेंटर में लगभग रात 11:30 बजे भीषण आग लगने का हादसा हुआ, जिसमें कई मासूम बच्चों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारियों द्वारा मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने बताया कि अगले दिन 26 मई की सुबह मीडिया के माध्यम से मुझे यह जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि यह जानकारी मिलने के पश्चात मैंने स्वास्थ्य सचिव को कई बारी फोन किया, कई मैसेज भी किए परंतु ना तो उनसे मेरा संपर्क हो पाया और ना ही उनकी ओर से मैसेज का कोई जवाब आया तो मैं अकेले ही घटनास्थल पर मामले की जानकारी लेने पहुंचा। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए मैंने तुरंत प्रभाव से स्वास्थ्य विभाग की एक आपातकाल बैठक बुलाई, जिसमें डीजीएचएस और स्पेशल सेक्रेट्री हेल्थ आदि बड़े अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि बैठक के दौरान अधिकारियों ने इस नर्सिंग होम से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने बताया कि नर्सिंग होम को 2021 से लेकर 2024 तक चलाने के लिए रजिस्ट्रेशन की अनुमति मिली हुई थी और मार्च 2024 में वह समय अंतराल समाप्त हो गया था। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि फरवरी 2024 में इस नर्सिंग होम की ओर से रजिस्ट्रेशन के नवीनीकरण के लिए आवेदन दिया गया था, परंतु पर्याप्त कागजात ने होने के कारण उनके रजिस्ट्रेशन का नवीनीकरण नहीं किया गया था। अस्पताल प्रशासन को दस्तावेजों में आई कमी पूरी करने के लिए बोला गया था। इस नर्सिंग होम से जुड़ी एक अहम जानकारी पत्रकारों के साथ साझा करते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि इस नर्सिंग होम के जो मालिक हैं वह इसी प्रकार का एक और नर्सिंग होम पश्चिम पुरी में भी चलाते हैं। उन्होंने बताया कि इस घटना से पहले भी इस नर्सिंग होम के मालिक के ऊपर स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो अलग-अलग मामलों में दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट और तीस हजारी कोर्ट में मुकदमे चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग होम के मालिक पर एक मामला औचक निरीक्षण के दौरान कुछ कमियां पाई गई थी उस संबंध में चल रहा है। इसी प्रकार से इस अस्पताल के मालिक को बिना रजिस्ट्रेशन के एक अस्पताल चलाते हुए पकड़ा गया था, दूसरा मुकदमा उस मामले में चल रहा है और उम्मीद है कि जल्द ही इन मामलों में इस नर्सिंग होम के मालिक के खिलाफ अदालत का फैसला आएगा और उसे कड़ी सजा सुनाई जाएगी।

■ नर्सिंग होम के मालिक पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो अलग-अलग मामलों में मुकदमे चल रहे हैं : सौरभ भारद्वाज

■ स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के विवेक विहार में हुए हादसे पर जताया दुख

नर्सिंग होम के तल में ऑक्सीजन रिफिलिंग के काम की भी हो रही जांच

शनिवार को घटित हुई आग की इस घटना के संबंध में बेहद ही चौकाने वाली बात कहते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि एक अंदेशा जताया जा रहा है, कि नर्सिंग होम के सबसे नीचे वाले तल में ऑक्सीजन के रिफिलिंग का काम चल रहा था। उन्होंने कहा कि हम इसकी भी जांच कर रहे हैं, कि यदि वहां पर इस प्रकार का कोई काम चल रहा था तो क्या अस्पताल प्रशासन के पास उसका लाइसेंस है और यदि नहीं है तो फिर किस आधार पर यह काम अस्पताल में चल रहा था और किसके द्वारा यह काम किया जा रहा था, इसकी जांच की जा रही है ढ्ढ उन्होंने कहा क्योंकि ऑक्सीजन से आग बहुत जल्दी बढ़ती है तो इसलिए हर जगह ऑक्सीजन रिफिलिंग के काम को नहीं किया जा सकता, इसके कुछ प्रावधान होते हैं, इसके लिए सरकार से अनुमति लेनी होती है। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि एक नियम है कि 9 मी से कम ऊंचाई वाले अस्पताल को फायर एनओसी की आवश्यकता नहीं होती है। यही कारण है कि इस अस्पताल ने भी फायर एनओसी नहीं ली हुई थी। इस घटना को देखते हुए हमने यह निर्देश दिए हैं, कि सभी अस्पताल चाहे वह एक मंजिला हो या दो मंजिला हो सभी को आग से निपटने के सभी सुरक्षा इंतजाम अपने अस्पतालों में रखने होंगे। उन्होंने कहा कि इस बात को सुनिश्चित किया जाएगा, कि सभी अस्पतालों में वाटर स्प्रिंकलर सिस्टम और ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्टर लगाए जाएं ताकि इस प्रकार की किसी भी घटना का अंदेशा होने पर तुरंत वॉटर स्प्रिंकलर सिस्टम द्वारा आग को बुझाया जा सके और किसी भी बड़ी दुर्घटना को होने से रोका जा सके।

अस्पतालों में बढ़ती गर्मी को देखते हुए मरीजों के लिए बेड आरक्षित

दिल्ली में बढ़ती गर्मी को देखते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा दिल्ली में गर्मी बहुत अधिक बढ़ती जा रही है, इस स्थिति को देखते हुए सभी अस्पतालों को एक एडवाइजरी पहले ही जारी की गई थी, उसी के साथ-साथ एक नई एडवाइजरी सभी अस्पतालों को जारी की जा रही है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए दिल्ली सरकार के सभी 26 अस्पतालों में दो-दो बेड और लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में पांच बेड हीट वेव से पीड़ित मरीजों के लिए आरक्षित किए गए हैं।

संगीतमय नृत्य नाटिका अंतरंगिनी का किया गया मंचन

नई दिल्ली, 27 मई (देशबन्धु)। रूबरू थिएटर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत संगीतमय नृत्य नाटिका 'अंतरंगिनी' ने राधा और कृष्ण के बीच रहस्यमय प्रेम के अनछुए पहलुओं को दर्शकों के सामने उजागर किया। अंतरंगिनी का मंचन रविवार 26 मई को नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित श्रीराम सेंटर में हुआ। इसके माध्यम से निर्देशक काजल सूरी और लेखिका डॉ. नीलम वर्मा ने राधा कृष्ण के शाश्वत प्रेम को एक अलग नजरिये से प्रस्तुत किया है। महाभारत के विनाशकारी युद्ध के बाद कृष्ण आखिरी बार अपनी अंतरांगिनी राधा से मिलने लौटे। आखिर किस बात ने कृष्ण को एक बार फिर राधा के पास आने के लिए मजबूर किया, राधा अपने कृष्ण से एक बार फिर मिलने के लिए क्यों बेचैन थी, नाटक के माध्यम से राधा कृष्ण के पुनर्मिलन के उद्देश्य और प्रासंगिकता पर विशेष फोकस किया गया। बकौल डॉ. नीलम वर्मा, इस नाटक से पता चलता है कि राधा न केवल कृष्ण की सच्ची प्रेमिका थीं, बल्कि उनकी प्रेरणा-अंतरंगिनी भी थीं। कार्यक्रम में विशेष अतिथि रूप में पद्मश्री शीला झुनझुनवाला, प्रसिद्ध गजल और गीतकार डॉ. लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, लेखिका ममता किरण उपस्थित रहीं। इस अवसर पर नाटककार आलोचक और लेखक प्रताप सहगल, लेखिका डॉ. शशि सहगल, गीत और गजलकार नरेश शांडिल्य, वाराणसी हवाई अड्डे के पूर्व निदेशक और लेखिका आर्यमा सान्याल, नौटंकी आर्टिस्ट पद्मश्री पंडित रामदयाल शर्मा, साहित्यकार माधुरी सुबोध, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक और दिल्ली बागवानी विभाग के प्रमुख अजय कुमार कौशिक, सर्वभाषा प्रकाशन के प्रमुख केशव मोहन पांडे, लेखिका अनिता वर्मा और प्रसिद्ध सर्जन डॉ.आशीष भनोट मौजूद रहे।

■ राधा कृष्ण के रहस्यमय प्रेम के अनछुए पहलुओं को किया गया उजागर

सार संक्षेप

माहवारी के दौरान हाइजीन को बढ़ावा देने का प्रयास

नई दिल्ली। माहवारी के दौरान हाइजीन को बढ़ावा देने के प्रयास में मैन्स्ट्रुअल हाइजीन से जुड़े नए ब्राण्ड कॉम्फीन ने विश्व माहवारी हाइजीन दिवस के मौके पर अपने आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की। ब्लू ओशन लैब्स द्वारा समर्थित कॉम्फीन कैरीयोरकॉन्फिडेंस की अवधारणा के साथ हर महिला को आत्मविश्वास के साथ सशक्त बनाते हुए इनोवेशन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक बनने जा रहा है। कॉम्फीन के सह-संस्थापक सिद्धार्थ भवसर ने कहा कि कॉम्फीन मैन्स्ट्रुअल केयर टेक्नोलॉजी एक बड़ी प्रगति है। यह गहन अनुसंधान और विकास के बाद आधुनिक मैन्स्ट्रुअल हाइजीन प्रोडक्ट लेकर आया है। हम कॉम्फीन रेंज की सुरक्षा, प्रभाविता और उत्कृष्टता को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मॉलीक्युलर संरचना के अनुकूलन से लेकर आधुनिक निर्माण प्रक्रियाओं तक, हर चरण में महिलाओं के लिए हाइजीन को सर्वोच्च स्तर तक ले जाने का प्रयास किया गया है। कॉम्फीन के सह-संस्थापक मंजीत विशाल ने कहा कि माहवारी के दौरान हाइजीन आज भी एक संवेदनशील मुद्दा है जो हर स्थान की महिलाओं और लड़कियों के सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। यही कारण है कि विश्व माहवारी हाइजीन दिवस के मौके पर हम एक अग्रणी शक्ति के रूप में कॉम्फीन का लॉन्च करने जा रहे हैं। कॉम्फीन द्वारा पेश की गई सैनिटरी पैड्स की रेंज माहवारी के दौरान महिलाओं को विशेष आराम प्रदान करेगी। इस रेंज में मेन-स्ट्रीम पैड्स के साथ-साथ ग्राफीन-इन्फ्यूज्ड सैनिटरी पैड भी शामिल हैं, जिनका लॉन्च जल्द किया जाएगा। सैनिटरी पैड्स में नोबेल पुरस्कार विजेता टेक्नोलॉजी, ग्राफीन के इस्तेमाल की शुरुआत कर, ब्राण्ड मैन्स्ट्रुअल वैलनैस में बड़ा बदलाव लाने के लिए तैयार है। ये आधुनिक पैड एक अनूठी खोज के साथ पेश किए गए हैं जो माहवारी के दौरान ऐंठन की परेशानी को कम करते

भारतीयों के लिए विदेश में घर खरीदने का मौका

नई दिल्ली। ग्रीस में सपनों के हॉलिडे होम का मालिक होने के साथ-साथ स्थायी निवास और गोल्डन वीज़ा प्राप्त करना, आने वाले 31 अगस्त, 2024 से सभी के लिए और अधिक महंगा हो जाएगा। ग्रीक सरकार सितंबर में नए कानून लागू करने वाली है, जिसके बाद वैश्विक नागरिकों के लिए ग्रीस में रियल एस्टेट प्रॉपर्टी खरीदने के लिए निवेश की आवश्यक रकम दोगुनी हो जाएगी। इस बारे में बात करते हुए लेप्टोस एस्टेट्स के ग्रुप मार्केटिंग डायरेक्टर संजय सचदेव ने कहा कि उम्मीद तो यही की जा रही है कि जैसे-जैसे समय-सीमा नजदीक आएगी, कीमतों में भी बढ़ोतरी होगी, जिससे भारतीय निवेशकों के लिए ग्रीस में घर खरीदने का सपना पूरा कर पाना धीरे-धीरे मुश्किल हो जाएगा। ज्यादा पूंजी वाले व्यक्तियों और निवेशकों से हमारी यही गुजारिश है कि, वे ग्रीस में स्थायी निवास हासिल करने के इस खास मौके को हाथ से जाने न दें क्योंकि ऐसा मौका जीवन में बार-बार नहीं मिलता है। साथ ही, हम चाहते हैं कि वे कम-से-कम यूरो 250,000 की लागत पर अपने निवेश पर बेहद शानदार रिटर्न पाने के अवसर का आनंद लें।

देश के शहरीकरण ने बढ़ाई 60 फीसदी गर्मी

नई दिल्ली, 27 मई (देशबन्धु)। अंधाधुंध शहरीकरण ने भारतीय शहरों में गर्मी को 60 फीसदी तक बढ़ा दिया हैं। पूर्वी भारत के टीयर-2 शहर इससे सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं। इसके अकेले ओडिशा में शहरीकरण ने गर्मी बढाने में 90 फीसदी का योगदान दिया है। यह बात आईआईटी भूवनेश्वर में हुए एक शोध में सामने आया है। शोधकर्ता सौम्या सत्यकांत सेठी और वी विनोज के अध्ययन के नतीजे अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचर सिटीज में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओ ने पिछले दो दशकों में 141 प्रमुख शहरों में बढ़ते तापमान पर शहरीकरण और स्थानीय जलवायु में आ रहे बदलावों के प्रभावों का अध्ययन किया। इन शहरों में बढ़ते तापमान के रूझान को जानने के लिए 2003 से 2020 तक के बीच नासा के उपग्रह से प्राप्त आंकड़ों की मदद ली है। इनकी मदद सें शोधकर्ताओ ने शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते तापमान की वजह क्षेत्रीय तौर पर जलवायु में आ रहे बदलाव हैं, वहीं शहरों में इसके लिए जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण दोनो ही जिम्मेदार है। अध्ययन में अनुमान व्यक्त किया गया है कि 2050 तक दुनिया की 68 फीसदी आबादी शहरो में रह रही होगी। तब तक भीषण गर्मी का खतरा और बढ़ जाएगा। सामाजिक उन्नति का संकेत माने जाने के बावजूद तेजी से होते अनियोजित शहरीकरण ने दुनिया के कई हिस्सों में पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है।

■ भारत के टीयर-2 शहर सर्वाधिक प्रभावित

विभव ने केजरीवाल के निर्देशों पर की कार्रवाई : वीरेन्द्र

नई दिल्ली, 27 मई (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार की जमानत आवेदन की अस्वीकृति का स्वागत किया है और कहा है कि वह दिन दूर नहीं जब स्पष्ट होगा कि विभव कुमार ने बेहद क्रूरता से एमपी स्वाति मालीवाल को क्यों पीटा। सचदेवा ने कहा है कि अब तक पुलिस जांच से स्पष्ट है कि विभाव कुमार को एमपी मालीवाल को पीटने का कोई व्यक्तिगत कारण नहीं था और स्पष्ट रूप से उसने मुख्यमंत्री के निर्देशों पर कार्रवाई की है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि यह बहुत स्पष्ट है कि अरविंद केजरीवाल और उनका परिवार दोनों उस समय घर पर मौजूद थे जब विभव कुमार महिला एमपी स्वाति मालीवाल को पीट रहे थे। केजरीवाल दम्पति ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी क्योंकि विभव कुमार सांसद श्रीमती मालीवाल पर अपनी राज्यसभा सीट से इस्तीफा देने के लिए दबाव बना रहा था। पीटा जाने का दो मे से एक कारण था या तो विभव केजरीवाल के निर्देशों पर मालीवाल को इस्तीफा लेना चाहता था या फिर केजरीवाल परिवार के निर्देशों पर वह चाहता था कि श्रीमती मालीवाल सीएम हाउस से दूर रहे। पुलिस जांच जल्द ही मामले के पीछे की सच्चाई को उजागर करेगी। केजरीवाल के सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम जमानत सात दिन बढ़ाने के लिए याचिका दायर पर सचदेवा ने केजरीवाल से सवाल किया कि यदि उनको अपने स्वास्थ्य का इतना ही ध्यान था तो उन्होंने इंडी गठबंधन या आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार दिल्ली में क्यों किया। अभी फिलहाल पंजाब में 3 दिवसीय चुनाव प्रचार करने चले गए हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल का स्वास्थ्य चुनाव प्रचार के दौरान सही था, जब जेल जाने का समय आया तो उनका स्वास्थ्य खराब हो गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चुनाव प्रचार करके अब अरविंद केजरीवाल पंजाब गए हैं और वहां वह कोई नौटंकी कर सकते हैं। वह पंजाब के किसी अस्पताल में भर्ती भी हो सकते हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले दो तीन दिन में अब संभव है केजरीवाल पंजाब में किसी मंच पर या रोड शो वाहन में बोलते बोलते गिर जायें और हमे बताया जाए कि उनका शुगर लेवल बहुत गिर गया है या उनकी कीटोन बिगड़ गई है। सचदेवा ने कहा की देश की जनता अब केजरीवाल की नौटंकीबाज़ी को भली भांति समझ चुकी है और जनता पंजाब में भी विकसित राष्ट्र बनाने के लिए वोट डालेगी। उन्होंने कहा कि खुद की सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था को वर्ल्ड क्लास बताने वाले केजरीवाल आज तक कभी अपनी तबियत खराब होने पर दिल्ली के किसी सरकारी अस्पताल में नहीं गए हैं, जनता अब यह सब देख रही है। सचदेवा ने कहा कि अंतरिम जमानत को बढ़ाने के लिए केजरीवाल चाहे जितने भी बहाने बना लें लेकिन उन्हें जेल जाना ही होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के खजाने और दिल्लीवासियों को लूटने वाले अब बचने वाले नहीं है।

■ विभव कुमार की जमानत आवेदन की अस्वीकृति का किया स्वागत

केजरीवाल की अंतरिम जमानत बढ़ाने की नई याचिका नौटंकी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने स्वास्थ्य खराब होने का हवाला देते हुए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम जमानत सात दिन बढ़ाने के लिए जो याचिका दायर की है, उसे भारतीय जनता पार्टी ने नौटंकी करार दिया है। सोमवार को मीडिया से बातचीत में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल द्वारा स्वास्थ्य खराब होने का हवाला देकर सात दिन की अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग महज नौटंकी है। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल का स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक रहा है, लेकिन जब जेल जाने का वक्त आया है तो उनका स्वास्थ्य खराब होने लगा है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सिर्फ बहानों और झूठ की दुकान चलाते हैं। इसलिए अब वह अपनी अंतरिम जमानत बढ़ाने के लिए नए बहाने बना रहे हैं।

ईवीएम की सुरक्षा के लिए किए पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली, 27 मई (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली के सात संसदीय क्षेत्रों के स्ट्रांग रूम में रखे गए ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा के लिए काफी मजबूत इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी.कृष्णमूर्ति ने सोमवार को इस बाबत जानकारी देते हुए बताया कि ईवीएम और वीवीपैट के लिए दो स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है।

कृष्णमूर्ति ने बताया कि निर्वाचन आयोग सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार मतदान वाले ईवीएम और वीवीपीएटी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। इसमें चौबीसों घंटे दो स्तरीय सुरक्षा की तैनाती और सबसे भीतरी परिधि में केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) द्वारा और सबसे बाहरी परिधि में राज्य सशस्त्र पुलिस द्वारा पहरा दिया जाएगा। साथ ही स्ट्रांग रूम और गलियारों के सीलबंद दरवाजों पर निरंतर 24×7 घंटे सीसीटीवी कैमरा कवरेज से निगरानी की जा रही है। स्ट्रांग रूम के लिए एकल प्रवेश/निकास द्वार बताए गए हैं। स्ट्रांग रूम खोलने और बंद करने के दौरान वीडियोग्राफी अनिवार्य की गई है। वीडियोग्राफी के तहत अधिकृत अधिकारियों (सामान्य पर्यवेक्षकों, डीईओ, या डीसीपी) की यात्राओं की रिकॉर्डिंग के लिए एक लॉगबुक का रखरखाव, स्ट्रांग रूम के निकट एक परिचालन नियंत्रण कक्ष, वीआईपी और अधिकारियों सहित किसी भी वाहन का प्रवेश वर्जित के साथ-साथ डबल लॉक सिस्टम किया गया है। सीईओ ने बताया कि चुनाव लडने वाले उम्मीदवारों के एजेंटों/प्रतिनिधियों को सीसीटीवी मॉनिटर के माध्यम से इन स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से निगरानी करने की अनुमति है। स्ट्रांग रूम स्थान पर उनके रहने की आरामदायक व्यवस्था की गई है।

■ उम्मीदवार भी स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था पर रख सकते हैं नजर

प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए भंडारण स्थान

- चांदनी चौक एसकेवी, भारत नगर
- उत्तर-पूर्वी दिल्ली आईटीआई, नंदनगरी
- पूर्वी दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल गांव, खेल परिसर
- नई दिल्ली अटल आदर्श बालिका विद्यालय, गोल मार्केट
- उत्तर-पश्चिम दिल्ली डीटीयू, शाहबाद, दौलतपुर
- पश्चिमी दिल्ली एनएसयूटी, द्वारका
- दक्षिण दिल्ली जीजाबाई महिला आईटीआई, सिरी फोर्ट

आयुर्वेद अनुसंधान व उद्योग को बढ़ावा देने को सीसीआरएएस की एक सहयोगात्मक पहल

■ डॉ. कला अय्यर

नई दिल्ली, 27 मई (देशबन्धु)। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस) मंगलवार को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयुर्ज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार में औषध अनुसंधान (प्रगति-2024) कार्यक्रम की मेजबानी कर रही है। सीसीआरएएस, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है। यह संवादात्मक बैठक सीसीआरएएस और आयुर्वेद औषध उद्योग के बीच अनुसंधान के अवसरों की खोज करने और सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा करेंगे। वे आयुर्वेद के विकास में उद्योग की भूमिका पर अपना मुख्य भाषण देंगे। इसके अलावा इस कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव कविता गर्ग और सलाहकार डॉ.कौस्तुभा उपाध्याय भी हिस्सा लेंगी। सीसीआरएएस के महानिदेशक प्रोफेसर वैद्य रबीनारायण आचार्य सीसीआरएएस की ओर से संवादात्मक बैठक का नेतृत्व करेंगे। इस बैठक में अनुसंधान-आधारित, गुणवत्ता, सुरक्षित और प्रभावी आयुर्वेद उत्पादों के महत्व पर जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य आयुर्वेद सूत्रीकरण (फॉर्मूलेशन) और तकनीकी नवाचारों के निर्माण में शामिल शोधकर्ताओं और औद्योगिक भागीदारों को शामिल कर औषधि और उपकरण विकास में आयुर्वेद हितधारकों की क्षमता में अधिक से अधिक बढ़ोतरी करना है। इस कार्यक्रम में चार विशेष तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

■ केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् करेगी प्रगति-2024 कार्यक्रम आयोजित

देश की 35 दवा कंपनियों के प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

इस कार्यक्रम में देश की 35 दवा कंपनियों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसमें हिमालय, इमामी, बैद्यनाथ, डाबर, आईएमपीसीएल, आर्य वैद्य शाला, औषधि और आईएमपीसीओपीएस जैसी प्रसिद्ध कंपनियों के सीईओ भी हिस्सा लेंगे। इसके अतिरिक्त इस संवादात्मक बैठक में शामिल होने के लिए सीआईआई, आयुष निर्यात संवर्द्धन परिषद्, पीसीआईएमएच और एनआरडीसी के आमंत्रित विशेषज्ञों ने अपना पंजीकरण कराया है।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ: निविदा सूचना संख्या 103/2023-2024 दिनांक 20.03.2024 क्र.सं. 13
निविदा संख्या 77239072RGC खुलने की तिथि 21.05.2024
उपरोक्त संदर्भित निविदा की खुलने की तिथि 21.05.2024 से बढ़ाकर 06.06.2024 कर दी गई है। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।
शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है।
दिनांक: 27.05.2024 1580/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मर्दों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	निविदा सं०	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	18241251	थर्मल टिकट रोल्स ऑफ़ 500 इच फॉर अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम	185930 रोल्स	19-06-24
02	09243032	एनेमल सिंथेटिक, एक्सटेरियर, फिनिशिंग, वाइट	39023 लीटर	24-06-24
03	01241839	ट्रांस्वर्स बॉन्ड 40 एम एम x 6 एम एम	7043 नग	24-06-24
04	09242597	वियर प्लेट फॉर योक पिन सपोर्ट	22064 नग	01-07-24

निविदा शर्तें -1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस स. 18/2024-2025 दिनांक 27.05.2024 1585/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

होलंबी कलां में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स टर्मिनल का निर्माण

रूचि की अभिव्यक्ति

दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे के होलम्बी कलां रेलवे स्टेशन के पास पूर्णतः रेलवे भूमि पर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स टर्मिनल को विकसित करने के लिए इच्छुक कंसल्टेंसी संस्थाओं से रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करता है जिसमें व्यवहार्यता तलाशना, डीपीआर की तैयारी और रिटर्न की दर (ROR) की गणना शामिल है। रुचि की विस्तृत अभिव्यक्ति www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है

मुख्य विशेषताएं :

➢ इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य है:
- औद्योगिक केंद्रों और आसपास के उद्योगों को रेलवे से जोड़ना।
- वेयरहाउसिंग, पैकेजिंग, प्रसंस्करण सुविधाएं आदि प्रदान करना।
- आस-पास के उद्योगों से कार्गो आकर्षित करना।
- कार्गो हैंडलिंग क्षमता बढ़ाना और लोजिस्टिक्स लागत में कटौती करना।
- थोक और तैयार कार्गो, खराब होने वाली वस्तुओं, समय के प्रति संवेदनशील कार्गो आदि के परिवहन को सक्षम करने और टर्न राउंड टाइम को कम करने के लिए।

➢ यह मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स टर्मिनल निम्न के निकट होगा:
- नरेला औद्योगिक क्षेत्र
- नरेला मंडी
- बवाना औद्योगिक क्षेत्र
- भोरगढ़ औद्योगिक क्षेत्र
- कुंडली औद्योगिक क्षेत्र

➢ इसे निर्माणाधीन अर्बन एक्सटेंशन रोड (UER II) से जोड़ने का प्रस्ताव है।
➢ यह UER II और NH-44 के माध्यम से KMP एक्सप्रेसवे से जुड़ा होगा।

इच्छुक कंसल्टेंसी संस्थाये कृपया अपनी रूचि की अभिव्यक्ति प्रस्ताव 15:00 बजे तक 20.06.2024 वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक कार्यालय, मं.रे.प्र. कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110055 पर भेज सकते हैं या ई-मेल आईडी srdomcdli@gmail.com पर भेज सकते हैं:, संपर्क विवरण :- पी एंड टी- 011-23743352, मो.-9717631901, 9717634799

आज़ादी का अमृत महोत्सव | उत्तर रेलवे | आपकी सुविधा - हमारा ध्येय | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | 1573/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

मयंक राजपूत राजनगर एक्सटेंशन स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर बतौर मुंशी कार्य करते हैं। मयंक सोमवार को बैंक में रुपए जमा करने जा रहे थे। जैसे ही वह राजनगर में सर्विस रोड पर पहुंचे तो पीछे से बाइक सवार दो बदमाश उनकी जेब से मोबाइल निकालने लगे। इसके बाद ओवरटेक करके उन्होंने स्कूटी साइड लगवा ली। एक बदमाश ने तमंचा तानकर स्कूटी की डिग्गी खोलकर नकदी से भरा बैग निकाल लिया और भाग गए। दोनों ने हेलमेट लगाए हुए थे : **अभिषेक श्रीवास्तव, एसीपी कविनगर**

प्राधिकरण सीईओ ने की विभाग वार विकास कार्यों की समीक्षा

नोएडा, 27 मई (देशबन्धु)। प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने सोमवार को जन स्वास्थ्य, जल सीवर वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की। इस मौके पर एसीईओ संजय खत्री, वंदना त्रिपाठी, सतीश पाल, जल विभाग के महाप्रबंधक और उप महाप्रबंधक सिविल के अलावा तमाम अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर 'नोएडा वन' ऐप का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित प्राप्त होने वाली समस्याओं के निपटारे के लिए की जाने वाली कार्रवाई की समीक्षा की। ऐप में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निवारण तत्काल करने के लिए कहा गया। साथ ही लापरवाही बरतने वाले स्टॉफ के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सर्किल ने दो महीने में क्या काम किए इसकी रिपोर्ट तीन दिन में देने के लिए कहा।

जन स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि सफाई के बाद भी सेक्टर-96 नाले से बदबू आ रही है। ऐसे में जिन सोसाइटी का सीवर उक्त नाले में आ रहा है। उनको जल विभाग के जरिए नोटिस जारी किया जाए। सेक्टर-62 के नाले में खोड़ा से अपशिष्ट आ रहा है। इसके लिए खोड़ा नगर पालिका से बातचीत करने के लिए कहा गया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि नालों को कवर करने के लिए स्लैब अव्यवस्थित रूप से रखे हुए हैं। अत्यधिक गंदे हैं। जिनको साफ व्यवस्थित किया जाए। जहां जहां भी लोगों के द्वारा गंदगी फैलाई जा रही है वहां बोर्ड लगाया जाए। गांव निठारी, सेक्टर-31 के समीप नाला चोक और ओवरफ्लो पाया गया। जिसे साफ किया जाए। सड़क पर अनावश्यक रूप से खड़े बस, ट्रक के टायरों को लॉक किया जाए। सेक्टर-49 में लेबर चौक पर श्रमिकों के लिए शेल्टर का निर्माण किया जाए। साथ ही वॉटर कूलर लगाए जाए। टॉयलेट्स में पानी की अनुपलब्धता की शिकायतें मिल रही है। जिनको ठीक किया जाए।

अधिकारियों को दिए निर्देश

समय से समस्याओं का निपटारा नहीं करने पर होगी दंडात्मक कार्रवाई : **लोकेश एम, सीईओ**

परियोजना में आ रहे विचलन के परीक्षण के लिए समिति गठित

बैठक के दौरान विभिन्न सिविल परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया इसमें सेक्टर-151ए में निर्माणाधीन गोल्फ कोर्स परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न संशोधन, इंटीरियर डिजाइन में संशोधन आदि के कारण परियोजना की लागत में आने वाले विचलन का प्रस्ताव रखा गया। सेक्टर-96 में निर्माणाधीन प्रशासनिक भवन का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिसमें मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने संशोधनों कराते हुए कहा रिकार्ड रूम संबंधित विभाग के साथ बनाए जाए। सीईओ का चैम्बर आम जनमानस के लिए आसानी से पहुंच योग्य बनाया जाए।

सीसीटीवी कैमरा इंटीग्रेशन के लिए खाद्य एवं सुरक्षा विभाग ने बढ़ाए कदम

अस्पतालों के कैमरे भी निगम के कंट्रोल सेंटर से जुड़े

गाजियाबाद, 27 मई (देशबन्धु)। गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत लगातार कैमरा इंटीग्रेशन का कार्य रफ्तार से चल रहा है नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा टीम को कार्य की रफ्तार बढ़ाने के निर्देश दिए हैं शहर में सेफ सिटी योजना को लेकर जागरूकता दिखाई दे रही है, शहर के अधिकांश अस्पतालों, चिकित्सालय, छोटे तथा बड़े मेडिकल क्लिनिक, मेडिकल स्टोर, डायग्नोस्टिक सेंटर व अन्य के द्वारा भी अपने बाहर के कैमरे को निगम के सेंटर से जोड़ा जा रहा है इसी क्रम में होटल रेस्टोरेंट ढाबा को भी जोड़ने की तैयारी चल रही है।

सेफ सिटी योजना के अंतर्गत शहर वासियों को सुरक्षा देने के लिए कैमरा इंटीग्रेशन का कार्य जोरों से चल रहा है शासन की इस योजना से जन-जन को लाभ प्राप्त होगा गाजियाबाद नगर निगम टीम द्वारा रफ्तार से कार्य किया जा रहा है लगभग 750 से अधिक कैमरा को निगम के आई ट्रिपल सी सेंटर से जोड़ दिया गया है, मैक्स, संतोष, यशोदा व अन्य बड़े हॉस्पिटल गाजियाबाद नगर निगम की इस योजना में अपना सहयोग कर रहे हैं, अपने बाहर के कैमरे का नियम अनुसार कंट्रोल निगम को दिया गया है, गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत अन्य आने वाले अस्पतालों को भी जोड़ने की तैयारी की जा रही है सभी को योजना के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कैमरा इंटीग्रेशन में मिल रहा जन सहयोग, टीम कार्यों की बढ़ाए रफ्तार : **नगर आयुक्त**

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार जहां गाजियाबाद नगर निगम की टीम जन-जन को सिर्फ सिटी योजना के बारे में जागरूक कर रही है वही खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के द्वारा भी निगम का सहयोग किया जा रहा है शहर के सभी होटल रेस्टोरेंट ढाबा के सीसीटीवी कैमरा को भी जोड़ने के लिए बैठक की जा रही है, नगर आयुक्त द्वारा जन सहयोग के बढ़ते कदम देखते हुए निगम की प्रभारी टीम को कार्य करने के लिए मोटिवेट किया गया है।

सार संक्षेप

गुजरात हादसे के बाद नोएडा में अलर्ट

नोएडा। गुजरात के राजकोट हादसे 27 लोगों की मौत के बाद नोएडा में जिला प्रशासन और पुलिस विभाग अलर्ट पर है। सोमवार को अग्निशमन, बिजली, जीएसटी और मनोरंजन विभाग की ज्वाइंट टीम ने दो दिन तक अभियान चलाया। इस दौरान नोएडा ग्रेटरनोएडा के गेम जोन में सुरक्षा के मानकों साथ आग से निपटने के पूरे इंतजाम चेक किए। सीएफओ प्रदीप कुमार के देखरेख में शहर के सभी गेमिंग जोन में सुरक्षा व फायर सेफ्टी को चेक किया। दरअसल इन दिनों मॉल्स में लोगों और बच्चो की गेम जोन में काफी भीड़ रहती है। इसके अलावा बॉलिंग ऐली, 7डी, वीआर गेम, एडवेंचर पार्क, ई-कार आदि के जोन में भी काफी भीड़ थी। प्रदीप कुमार ने बताया कि गेम जोन में कुछ कमियां पाई गई। जैसे भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि ये कदम इसलिए उठाया गया कि राजकोट में गेम जोन में लगी आग में जो लोगों की मौत हुई है, वैसी पुर्नावृत्ति यहां ना हो। उन्होंने कहा कि अगर कुछ कमियां पाई जाती हैं उन संचालकों के खिलाफ हम एफआईआर भी करेंगे और उनको बंद भी कराएंगे।

20 साल की सजा काटकर आए व्यक्ति ने की आत्महत्या

नोएडा। हाल ही में जेल से 20 साल की सजा काटकर आए व्यक्ति ने रविवार देर रात अपने घर के कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पास से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। सेक्टर-24 थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-52 में 40 वर्षीय व्यक्ति शालू उर्फ सल्लू ने अपने घर पर कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। शालू के आत्महत्या की वजह पुलिस के लिए पहेली बनी हुई है। इस संबंध में पुलिस ने मृतक के घर के सदस्यों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ की है।

यूपी कबड्डी लीग की औपचारिक घोषणा

नोएडा। यूपी कबड्डी एसोसिएशन के तत्वाधान में 'उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग' (यूपीकेएल) का पहला सीजन 11 से 25 जुलाई तक होगा। मुकाबले नोएडा के इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह घोषणा आज सेक्टर 27 स्थित एक होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यूपीकेएल के संस्थापक संभव जैन और एकेएफआई के संयुक्त सचिव और उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन के सदस्य विनय कुमार सिंह ने की। संभव जैन ने कहा कि हम इस प्रतिष्ठित लीग को लेकर रोमांचित हैं। हमारा लक्ष्य कबड्डी को बढ़ावा देना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। उन्होंने ने बताया कि लीग में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। जिनमें यमुना योद्धा, नोएडा निन्जा, काशी किंग्स, अवध रामदूत, ब्रिज स्टार्स, संगम चैलेंजर्स, अयोध्या वॉरियर्स और गंगा किंग्स ऑफ मिर्जापुर शामिल हैं। एक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे, जिसमें पूरे उत्तर प्रदेश और भारत के अन्य क्षेत्रों से कुल 120 प्रतिभागी शामिल होंगे। संभव जैन ने बताया कि यूपीकेएल ने राष्ट्रीय प्रसारण भागीदार के रूप में सोनी स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी की है, जिसका मकसद कबड्डी को भारत के हर कोने में पहुंचा है। इससे इस खेल के प्रशंसकों में बढ़ोतरी होगी।

जीडीए ने बालाजी एनक्लेव व रामबाग कॉलोनी में किए अवैध निर्माण सील

गाजियाबाद, 27 मई (देशबन्धु)। जीडीए उपाध्यक्ष के निर्देशानुसार प्राधिकरण की प्रवर्तन जोन-3 की जोनल टीम ने अवैध निर्माण के विरूद्ध गोविन्दपुरम स्थित बालाजी एनक्लेव में राजेश चौहान व राजकुमार द्वारा लगभग 135 वर्गमीटर के भूखण्ड में अवैध निर्माण को सील कर दिया। इसी तरह गोविन्दपुरम स्थित रामबाग कॉलोनी में गौरव गुप्ता व वीरेन्द्र यादव द्वारा लगभग 167 वर्ग मीटर भूखण्ड पर निर्मित डी.पी.सी. से 15 कॉलम एवं एनडीआरएफ रोड स्थित अनाधिकृत कॉलोनी में सुन्दर व मामराज (मामराज सिंह फार्म हाउस) द्वारा लगभग 250 वर्ग मीटर डी.पी.सी. से लगभग 5 फीट ऊंचाई तक 22 कॉलमों का निर्माण कार्य को सील कर दिया।

भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीय अध्यक्ष (भानु) का भव्य स्वागत

गाजियाबाद, 27 मई (देशबन्धु)। पार्षद आसिफ चौधरी के जनसंपर्क कार्यालय पर ठाकुर भानु प्रताप सिंह - राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन (भानु) जी का भव्य स्वागत किया गया ठाकुर भानु प्रताप सिंह के साथ मकसूद सिद्दीकी - राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, शमीम सैयद-राष्ट्रीय संगठन मंत्री, सुनील भी मौजूद थे।

भानू प्रताप का स्वागत करने में मुख्य रूप से हाजी आसिफ चौधरी - राष्ट्रीय महासचिव, जावेद सिद्दीकी - राष्ट्रीय महामंत्री, लियाकत चौधरी - ज़िला महासचिव, फहीम चौधरी - ज़िला मंत्री (युवा), कामिल चौधरी - महानगर अध्यक्ष (क्रांति दल), सलमान चौधरी-ज़िला उपाध्यक्ष (क्रांति दल), मोनू चौधरी - महानगर उपाध्यक्ष (क्रांति दल), आरिफ़ अली - प्रदेश सचिव (क्रांति दल) व अन्य वरिष्ठ साथी शमशाद सिद्दीकी, असलम चौधरी, चीनी चौधरी, यूनुस चौधरी, अत्तू चौधरी, जमील सैफी, इद्रीस सिद्दीकी, ख़लील चौधरी, कब्बन चौधरी, शब्बीर चौधरी, वसीम चौधरी, आकिल चौधरी, शमीम चौधरी, शौक़त चौधरी व अन्य साथीगण आसिफ़ अली, आसिफ़ बंजारा, पप्पू चौधरी, लुकमान चौधरी, अयाज़ चौधरी, अर्श चौधरी, समद चौधरी, अयान चौधरी, अदनान चौधरी, आसिम चौधरी, कल्लू चौधरी, आकिल चौधरी, शमीम चौधरी मौजूद रहे।

एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर महापौर ने गिनाई अपनी उपलब्धियां

गाजियाबाद, 27 मई (देशबन्धु)। एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर महापौर सुनीता दयाल ने आज अपनी उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, सुचिता, पारदर्शिता एवं सभी के सहयोग के साथ कार्य किया है और जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरी है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के सभी पार्षदों के साथ-साथ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से सभी क्षेत्रों में अच्छे परिणाम के चलते स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्तर प्रदेश के अंदर प्रथम स्थान एवं भारत में 19वां स्थान प्राप्त किया। नगर निगम ने भी विभिन्न स्त्रोंतों से जनता के सभी विकास कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया है। साथ ही बड़े-बड़े भूमाफियाओं की कमर तोड़ने का कार्य भी खुद खड़े होकर कराया है। यहां तक कि स्वयं सड़कों पर निकालकर दिल्ली के कूड़े को भी अपने शहर में आने से रोका, सभी वार्डों में एक समान विकास कार्य करवाए। सदन में सभी का सम्मान बना कर रखा, इसके साथ-साथ अपने पार्षदों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ हमेशा सुख दुख में साथ खड़ी रहती है।

नगर निगम में बहुत से कार्यों को पारदर्षिता के साथ नियमित करने का प्रयास किया, जिसका नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक व सभी अधिकारियों ने सहयोग एवं स्वागत भी किया। शहर में विकास से सम्बन्धित कोई भी कार्य हुआ, उसके लिए महापौर ने हमेशा सहयोग किया है। महापौर सुनीता दयाल ने नगर निगम की आय वृद्धि, विकास कार्य, वार्डों की सफाई, कूड़ा संग्रह का कार्य, वाहनों की आपूर्ति, सिंगल यूज प्लास्टिक बैन, जलापूर्ति, ड्रेनेज सिस्टम को ठीक करना, पार्कों के सौन्दर्यकरण, प्रकाश व्यवस्था आदि में भरपूर सहयोग कर शहर को विकास की और अग्रसित किया है। खास बात यह है कि शहर के किसी भी वार्ड से शिकायत प्राप्त होने पर महापौर स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करती है, जिससे कार्य नियमानुसार होने लगता है और शिकायत आनी बन्द हो जाती हैं। पूर्व में शहर में सीवरेज की बड़ी समस्या सामने आ रही थी, जिसको महापौर ने शत-प्रतिशत ठीक कराया। शहर हित में कुछ बड़ी योजनाओं पर कार्य करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका कार्य आगामी माह माह जून के बाद से शुरू किया जाएगा।

स्वच्छता, सुचिता, पारदर्शिता के कार्य करने के साथ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास : **सुनीता**

बिना रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कैसे बुझेगी धरती की प्यास

वाटर का लेवल 700 फीट तक गिरा

■ सीपी पाठक

खोड़ा, 27 मई (देशबन्धु)। खोड़ा में निजी बोरो से अत्यधिक जल दोहन से भविष्य में लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जल दोहन की चिंता सरकारी मशीनरी से लेकर आमजन तक सभी करते है। इसे रोकने अथवा जल कुप्रबंधन पर कोई व्यवस्था बनाने में अभी तक नाकामयाबी ही मिली है। खोड़ा रेजिडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक जोशी भारतीय आमजन सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सोनू जोशी आदि कई संगठनों ने खोड़ा में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य किए जाने की मांग लंबे समय से कर रहे है। कुछ लोगो ने पहल भी की। लेकिन सार्थक परिणाम से दूर खड़े दिखाई पड़ते है। नगर पालिका परिषद की पूर्व अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता ने तो पदभार ग्रहण करते ही क्षेत्र के घरों के सामने वृक्षारोपण और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य करने की घोषणा के बाद भी अमल में नहीं लाया गया। खोड़ा में जल का अत्यधिक दोहन होने से धरती की कोख खाली होती जा रही है। क्षेत्र के कुछ भागों में तीन सौ कुछ स्थानों पर पांच सौ नेहरू गार्डेन वंदना विहार बिहारी कालोनी प्रगति विहार क्षेत्र में वाटर लेवल सात सौ फिट के नीचे चला गया है। शिव पार्क निवासी सूर्य नारायण मिश्र ने बताया कि कालोनी में हजारों की संख्या में बोर सूखे पड़े है। यदि सूखे बोरो में बरसाती पानी को सहेज कर सुरक्षित कर लिया जाय तो वाटर लेवल को संरक्षित करने में सहायता मिल सकती है। सूखे बोरो की संख्या तो हजारों में है लेकिन जनजागरूकता के अभाव में चंद ही लोगो ने ही इसे अपनाया है। जबकि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अपनाकर भविष्य में आने वाले खतरे से बचा जा सकता है। नगर पालिका परिषद के प्रभारी अधिशासी अधिकारी कृष्ण कांत मिश्र का कहना है कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य की योजना विचाराधीन है। आगामी बोर्ड बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। खोड़ा में पाइपलाइन द्वारा गंगाजल की योजना को स्वीकृति मिल चुकी है। आदर्श आचार संहिता खत्म होने पर वित्तीय स्वीकृति मिलते ही जल निगम द्वारा कार्य शुरू कराया जाएगा।

चार से पांच घंटे कटौती से लोग परेशान

खोड़ा, 27 मई (देशबन्धु)। निकाय क्षेत्र में रविवार रात्रि को बिजली कटौती से परेशानी का सामना करना पड़ा। चार से पांच घंटे तक बिजली गुल रही। लोगों के ए सी कूलर बंद रहे। लोगों को बोर से पानी निकालते के लिए बिजली के आने का इंतजार करना पड़ा। भीषण गर्मी में करवट बदलकर गुजारनी पड़ी रात्रि। लोगों का आरोप है कि बिजली घर फोन मिलाने के बाद भी बिजली कटौती से राहत नहीं मिली। ऐसे में लोगों को घर की छतों पर जाकर आधी रात गुजारनी पड़ी। इंदिरापुरम वैशाली वसुंधरा क्षेत्रों में भी बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। सभासद अशोक सिंह ने बताया कि कल शायं सात बजे अचानक बिजली कट गई। एक घंटे बाद बिजली आ गई। उसके बाद प्रत्येक आधे घंटे पर दस बजे रात्रि तक पांच मिनट के लिए बिजली आती जाती रही।

बदमाशों ने पेट्रोल पंप कर्मी से लूटे साढ़े नौ लाख

केंद्रीय मंत्री वीके सिंह के आवास के पास की घटना

गाजियाबाद, 27 मई (देशबन्धु)। कविनगर थाना क्षेत्र के पॉश इलाके में राजनगर सेक्टर 3 में केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह के आवास के पास सोमवार को बाइक सवार दो बदमाशों ने दिनदहाड़े पेट्रोल पंप कर्मी से करीब साढ़े नौ लाख रुपए लूट लिए और फरार हो गए। पेट्रोल कर्मी उस समय वह नवयुग मार्केट स्थित एसबीआई (स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) में नकदी जमा करने जा रहे थे। कर्मचारी ने पेट्रोलपंप मालिक को सूचना दी। मालिक ने इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मयंक राजपूत राजनगर एक्सटेंशन स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर बतौर मुंशी कार्य करते हैं। मयंक सोमवार को बैंक में रुपए जमा करने जा रहे थे। जैसे ही वह राजनगर में सर्विस रोड पर पहुंचे तो पीछे से बाइक सवार दो बदमाश उनकी जेब से मोबाइल निकालने लगे। इसके बाद ओवरटेक करके उन्होंने स्कूटी साइड लगवा ली। एक बदमाश ने तमंचा तानकर स्कूटी की डिग्गी खोलकर नकदी से भरा बैग निकाल लिया और भाग गए। दोनों ने हेलमेट लगाए हुए थे। उन्होंने मालिक को सूचना दी। मौके पर पुलिस अधिकारियों ने पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। श्रीवास्तव का कहना है कि घटना के अनावरण के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है। बदमाशों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला मित्र की आत्महत्या में आईआरएस पर कसा शिकंजा

■ पुलिस को मिले नए फैक्ट
■ कमरे से मिली शराब की खुली बोतल

नोएडा, 27 मई (देशबन्धु)। सेक्टर-100 के लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में आईआरएस (इंडियन रेवेन्यू सर्विस) अधिकारी के फ्लैट में शनिवार को बीएचईएल की डिप्टी मैनेजर एचआर का शव फंदे से लटकता हुआ मिला था। इस मामले में पुलिस को अब नए फैक्ट मिले है। जिसके बाद गिरफ्त में आए आईआरएस सौरभ मीना पर पुलिस का शिकंजा और कस सकता है। पुलिस ने आईआरएस के फ्लैट से महंगी शराब की बोतल बरामद की है। इस बोतल की सील खुली थी और थोड़ी शराब पी गई थी। हो सकता है आईआरएस ने शराब के नशे में डिप्टी मैनेजर की हत्या की हो। हालांकि अभी ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि आईआरएस ने ही बीएचईएल की डिप्टी मैनेजर की हत्या की। क्योंकि उसका शव बगल वाले कमरे में फांसी के फंदे से लटका था और दरवाजा भी अंदर से बंद था। काफी देर तक जब शिल्पा ने दरवाजा नहीं खोला तो ही सौरभ ने सिक्यूरिटी को फोन करके फ्लैट पर बुलाया। सिक्यूरिटी ने दरवाजा तोड़ा और अंदर शव पंखे से लटक रहा था। मौत दम घुटने की वजह से हो सकती है। हाइप्रोफाइल मामला होने से पुलिस भी एक-एक फैक्ट को चेक कर रही है।

वहीं मृतिका के पिता ने आईआरएस पर गंभीर आरोप लगाए। शिकायत में बताया गया कि आईआरएस ने उनकी बेटी को झांसे में लिया। इसके बाद उसका गर्भपात भी कराया। जिसकी वजह से मृतिका काफी परेशान थी। वो सौरभ से शादी करना चाहती थी। इसके लिए ही वो शनिवार को बात करने के लिए अपने सेक्टर-78 स्थित फ्लैट से लोटस बुलडर्व सोसाइटी गई थी। यहां बातचीत के दौरान दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ।

2021 में दिया था मृतिका ने तलाक

मृतिका की पहले एक शादी हो चुकी है। 2021 में उसका तलाक हुआ था। उसके बाद वो अकेली रहने लगी थी। डेटिंग ऐप के जरिए उसकी मुलाकात सौरभ से हुई थी। इसके बाद दोनों ने मिलना शुरू किया। वो अक्सर उसके फ्लैट पर आती थी। दोनों की नजदीकियों के बारे में मृतिका के परिजनों को पता था। हालांकि इस प्यार का अंजाम ये होगा इसकी जानकारी किसी को नहीं थी।

सौरभ के कॉल रिकार्ड किए गए जा रहा चेक

पुलिस ने सौरभ का फोन जब्त कर लिया है। मृतिका के पिता ने आरोप लगाया है कि सौरभ के कई और लड़कियों के साथ संबंध थे। जिससे वो मृतिका को दूर करना चाहता था। पुलिस सौरभ के फोन रिकॉर्ड, वीडियो फोटो गैलरी, फेसबुक, इंस्टाग्राम अकाउंट भी चेक कर रही है। साथ ही उसके करीबियों से भी पूछताछ करेगी। जिससे मृतक की मौत की वजह का सही कारण पता चल सके।

बड़े बैकग्राउंड से है आरोपी सौरभ

जानकारी के मुताबिक सौरभा 2016 बेच का आईपीएस है। वो ग्रेटर दिल्ली में आयकर विभाग में डिप्टी कमिश्नर के पद पर है। इसके अलावा उसके बड़े भाई आईएएस और बहन भी आईआरएस है। हालांकि उसने मृतिका के बारे में कभी अपने परिजनों को बताया या नहीं इसकी जानकारी की जा रही है। परिजनों से भी इस मामले में बातचीत की जा सकती है।

31 मई तक हीट वेव का रहेगा असर

नोएडा, 27 मई (देशबन्धु)। नोएडा में गर्मी बढ़ने और लू चलने से लोगों की परेशानी बढ़ने लगी है। सुबह नौ बजे ही तापमान 38 डिग्री तक पहुंच गया। IMD के मुताबिक मंगलवार को तेज गर्मी पड़ेगी। अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक जाएगा। आईएमडी के मुताबिक 31 मई तक हीट वेव रहेगी। इसके बाद दो से तीन डिग्री तक तापमान में कमी आएगी। ऐसे में लोग संभल कर रहे। तेज गर्मी से बचने के लिए अपने को हाइड्रेट रखे। आईएमडी के मुताबिक दोपहर ढाई बजे तक 45 डिग्री तक रहेगा। लेकिन ऐहसास 47 डिग्री वाला रहेगा। डॉक्टरों ने बताया कि कार में बैठने से पहले ऐसी ऑन करने के बाद शीशे खोल दे। कुछ मिनट ठहरने के बाद ही कार में बैठे। बहुत जरुरी काम होने पर ही घर से बाहर निकले। गर्मी के चलते रोजाना मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। विगत तीन दिनों से रोजाना की ओपीडी करीब 2000 के आसपास की है। अस्पताल में मरीजों की भीड़ है। हवा की रफ्तार सात से 5 किमी प्रतिघंटा रहेगी। न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

■ अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस
■ 2000 मरीजों की रहेगी ओपीडी

डॉ. राजीव गुप्ता, डायरेक्टर इंटरनल मेडिसिन, सी के बिरला हॉस्पीटल ने बताया कि हीटवेव से लोगों की हेल्थ को खतरा बढ़ जाता है, और उनके कार्डियोवास्क्युलर व इम्यून फंक्शन कई तरह से प्रभावित होते हैं। अधिक गर्मी में ज्यादा समय रहने से इंफ्लेमेशन भी बढ़ सकता है जिससे शरीर में मौजूद इम्यून सैल्स जैसे इंटरल्यूकिन 1, मैक्रोफैज और बी लिंफोसाइट्स को नुकसान पहुंच सकता है। इंफ्लेमेशन बढ़ने के साथ-साथ हीट की वजह से उत्पन्न ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस कार्डियोवास्क्युलर रोगों और यहां तक की मृत्यु का कारण भी बन सकता है।

हीट से संबंधित अन्य कई परेशानियां जैसे हीट के कारण थकावट (हीट एग्ज़ास्शन) और हीटस्ट्रोक भी लंबे समय तक अधिक तापमान में रहने की वजह से पैदा होती हैं।

हीट के कारण थकावट के चलते बहुत ज्यादा पसीना आना और कमजोरी महसूस होना आम है ठंडे स्थान पर रहें और लंबे समय तक अधिक गर्मी में न रहें क्योंकि इनका स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। हीटवेव के दौरान, खुद को कई तरीकों से सुरक्षित रखा जा सकता है जितना हो सके इंडोर रहें, खासतौर से दिन के सबसे अधिक गर्म घंटों में इस बात का ख्याल रखें।

शरीर को आरामदायक बनाए रखने के लिए हल्के, ढीले कपड़े पहनें जिससे हवा का आवागमन बना रहे और बाहर जाना यदि जरूरी हो तो जितना संभव हो सके छाया में ही रहें।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

भारत के विभिन्न राज्यों से 12 खिलाड़ियों को चुना गया। 27 अगस्त से 23 सितम्बर से चलने वाली इस गेम्स में 16 टीमें हिस्सा लेंगी। 1 जून 2024 से 6 जुलाई तक जोधपुर राजस्थान में पहले प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे और दूसरे शिविर की तारीखें जल्द ही घोषित की जाएंगी।

डॉ परमानंद, वाइस चांसलर, विश्वविद्यालय

दनकौर नगर पंचायत ईओ के खिलाफ यमुना प्राधिकरण दर्ज कराएगा मामला

- **प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के अवैध कॉलोनी का नक्शा पास कराने का मामला गरमाया**
- **यमुना प्राधिकरण सीईओ ने नगर पंचायत ईओ के खिलाफ शासन को भी भेजा पत्र**

ग्रेटर नोएडा, 27 मई (देशबन्धु)। अवैध कालोनी का नक्शा पास कराने को लेकर यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण और दनकौर पंचायत अब आमने-सामने आ गया है। दोनों की लड़ाई अब शासन स्तर तक पहुंच गई। प्राधिकरण की तरफ से दनकौर नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराने का आदेश दिया गया है।

मामला सिर्फ यही तक नहीं रह गया प्राधिकरण ने ईओ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के लिए शासन को भी पत्र भेज दिया है। लोकसभा चुनाव को लेकर मतगणना के बाद इस मामले में शासन कठोर कदम उठा सकता है। अवैध रूप से बनी कालोनियों पर चार जून के बाद प्राधिकरण का बुलडोजर भी चल सकता है। दिलचस्प बात यह है कि प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध कालोनी बनकर तैयार हो गई और यमुना प्राधिकरण के अधिकारी आंख मूंद कर बैठे हुए है। इससे संदेह पैदा होता है कि अवैध कालोनी के निर्माण में यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों की भी मिली भगत हो सकती है।

यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण क्षेत्र में एयरपोर्ट और कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं आने के बाद यहां पर जमीन की कीमत आसमान छू रही है। इसका पूरा फायदा कॉलोनाइजर उठा रहा है। दनकौर से लेकर रबूपुरा, जेवर, जहांगीरपुर, टप्पल, झाझर और एयरपोर्ट के आसपास बड़े पैमाने पर अवैध रूप से कालोनी काटी जा रही है। यहां कि यह सिलसिला काफी महीनों से चल रहा है। लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगने पर अवैध कालोनी काटने का सिलसिला बढ़ गया।

प्राधिकरण और नगर पंचायत अधिकारियों की सांठगांठ से अवैध कालोनी का वैध बनाने का भी खेल शुरू हो गया है। दनकौर, रबूपुरा, जहांगीरपुर में कॉलोनाइजर ने नगर पंचायत को को जरिया बनाया है। दनकौर और रबूपुरा में यमुना प्राधिकरण की अधिसूचित क्षेत्र में अवैध कालोनी काटकर पंचायत से आवासीय कालोनी का नक्शा पास कराने की कोशिश करके उसे वैध बनाया जा रहा है। कॉलोनाइजरों खरीदारों को झांसे में लेकर कालोनी का नक्शा नगर पंचायत से मंजूर है, यह कहकर भूखंड बेच रहे हैं। इन कालोनियों को यूपीपीसीएल से बिजली का कनेक्शन भी प्रदान किया जा रहा है। इससे भूखंड खरीदने वाले झांसे में आ रहे है कि जब बिजली का कनेक्शन मिला हुआ है और नगर पंचायत से नक्शा मंजूर है तो भूखंड खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे है।

दनकौर और रबूपुरा में दर्जन भर बन चुकी है अवैध कॉलोनी

दनकौर और रबूपुरा नगर पंचायत यमुना प्राधिकरण के अधिसूचित गांवों से सटा हुआ है। प्राधिकरण दोनों पंचायत की करीब डेढ़ से दो किमी दूर तक जमीन को अधिसूचित क्षेत्र में शामिल किया है। दनकौर क्षेत्र के करीब 28 और रबूपुरा के पास करीब एक दर्ज अवैध रूप से कॉलोनी बस चुकी है। रबूपुरा में अवैध कालोनी बनाने वालों को राजनीतिक संरक्षण भी मिल हुआ है। इसलिए प्राधिकरण उस पर कोई कार्रवाई नहीं पा रहा है। इन अवैध कॉलोनियों में 25 से 35 हजार रूपए प्रति वर्गगज के हिसाब के दाम से भूखंड भेजा रहा है।

यमुना प्राधिकरण ने 300 अवैध कॉलोनियों को जारी किया नोटिस

यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण अधिसूचित क्षेत्र में अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों को धारा दस के तहत करीब 300 लोगों को नोटिस जारी किया गया है। प्राधिकरण की तरफ से धारा दस की नोटिस की प्रति संबंधित रजिस्ट्रार, पुलिस और एसडीएम को भेजा है। जिससे इन कॉलोनियों की रजिस्ट्री न होने पाए। हालांकि प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह का कहना है कि चार जून के बाद सभी अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर लगाकर ध्वस्त किया जाएगा। सवाल उठता है कि मतदान की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अभी तक प्राधिकरण अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए चार जून का क्यों इंतजार कर रहा है।

प्राधिकरण ने यूपीपीसीएल को भी दिया नोटिस

यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण की तरफ से अवैध कॉलोनियों को बिजली का कनेक्शन देने पर यूपीपीसीएल को भी नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया कि बिना प्राधिकरण की एनओसी के अवैध कॉलोनियों को कैसे आधार पर बिजली का कनेक्शन दिया जा रहा है। हालांकि जानकारों का कहना है कि बिजली कनेक्शन एक दिन नहीं दिया गया है, इसकी जानकारी प्राधिकरण अधिकारियों के संज्ञान में था, उस समय क्यों इस पर कदम नहीं उठाया गया।

यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध रूप से कॉलोनी का नक्शा करने की एक जानकारी प्राधिकरण को मिली है, दनकौर नगर पंचायत अधिकारी के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराने का आदेश दिया है, साथ ही शासन को भी पत्र भेजकर नगर पंचायत अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। सभी अवैध कॉलोनियों को जल्द ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। अगर इसमें प्राधिकरण के किसी भी अधिकारी और कर्मचारी की मिलीभगत मिली तो उसके खिलाफभी कार्रवाई की जाएगी : डॉ. अरूणवीर सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

ग्रेनो प्राधिकरण ने दिया लीजबैक के 237 प्रकरणों को अंतिम रूप

- **इस हफ्ते एसआईटी अध्यक्ष को सौंपी जाएगी रिपोर्ट**
- **एसआईटी के अध्यक्ष मंजूरी के लिए शासन को भेजेंगे रिपोर्ट**
- **237 प्रकरणों की दोबारा की गई है जांच**
- **सुनवाई के दौरान किसानों ने प्रस्तुत किए साक्ष्य**

ग्रेटर नोएडा, 27 मई (देशबन्धु)। शासन द्वारा लीजबैक के खारिज किए गए 237 प्रकरणों की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) द्वारा दोबारा की गई जांच रिपोर्ट का अध्ययन कर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उसे अंतिम रूप दे दिया है। सुनवाई के दौरान किसानों द्वारा साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। उम्मीद है कि इस हफ्ते एसआईटी अध्यक्ष को अंतिम रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। शासन की मुहर लगने पर लीजबैक की कार्यवाही शुरू की जाएगी। इस बार किसानों के प्रति सकारात्मक रुख दिख रहा है। आचार संहिता समाप्त होने के बाद अच्छी खबर मिल सकती है।

दरअसल ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन चेयरमैन डॉ. प्रभात कुमार ने वर्ष 2011 में जमीन अधिग्रहण से प्रभावित गांवों की लीजबैक की जांच कराई थी। जिसमें अनियमितता पाई गई थी। इसके बाद लीजबैक के सभी प्रकरणों की जांच के लिए एसआईटी जांच की सिफारिश की थी। शासन ने यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की थी। मामले की जांच कर एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी थी। शासन स्तर 533 में से 237 प्रकरणों को बीते साल अक्टूबर में खारिज कर दिया था। इसको लेकर किसानों ने नाराजगी जताई थी। किसानों के धरना प्रदर्शन किए जाने पर पुनः जांच के आदेश दिए गए थे। शासन के आदेश पर एसआईटी ने 237 प्रकरणों की दोबारा सुनवाई की।

लीजबैक के 237 प्रकरणों की एसआईटी द्वारा पुनः की गई जांच के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर ली गई। जिसे इस हफ्ते एसआईटी अध्यक्ष को सौंप दी जाएगी। शासन की मुहर लगने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी :
सुनील कुमार सिंह, एसीईओ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

किसानों द्वारा साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए कहा गया है कि उनकी लीजबैक किस आधार पर खारिज की गई। अब एसआईटी की पुनः जांच रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अंतिम रिपोर्ट तैयार कर ली है। रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले किसानों से चर्चा के साथ उनके सुझाव भी मांगे गए। किसानों का प्रतिनिधिमंडल बीते दिनों एसआईटी अध्यक्ष से भी मिला था।

किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों में भी आएगी तेजी

जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के आबादी भूखंड, शिफ्टिंग जैसे मुद्दे भी लंबित पड़े हैं। किसान लगातार मांग कर रहे हैं। समस्याओं के निस्तारण के लिए हाई पॉवर कमेटी गठित कर दी गई है,जो सुनवाई कर रही है। उम्मीद है कि आचार संहिता समाप्त होने के बाद किसानों से जुड़े सभी मुद्दों में तेजी आएगी। इसको लेकर तैयारी चल रही है।

नईमुर रहमान का भारतीय सीनियर पुरुष रोलर हॉकी स्केटिंग टीम में चयन

ग्रेटर नोएडा, 27 मई (देशबन्धु)। शारदा विश्वविद्यालय के बीटेक चतुर्थ वर्ष के सीएसई छात्र नईमुर रहमान को इटली में होने वाली वर्ल्ड स्केट्स गेम्स पहली बार भारतीय सीनियर पुरुष रोलर हॉकी स्केटिंग टीम में चुना गया है।

विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर डॉ परमानंद ने बताया कि भारत के विभिन्न राज्यों से 12 खिलाड़ियों को चुना गया। 27 अगस्त से 23 सितम्बर से चलने वाली इस गेम्स में 16 टीमें हिस्सा लेंगी। 1 जून 2024 से 6 जुलाई तक जोधपुर राजस्थान में पहले प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे और दूसरे शिविर की तारीखें जल्द ही घोषित की जाएंगी। आरएसएफआई ने इटली के विदेशी कोचों की देखरेख में कोचिंग और प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के डायरेक्टर पीआर डॉ. अजीत कुमार ने कहा कि बेहद खुशी और गर्व का क्षण की हमारे छात्र विश्व पटल अपनी पहचान बना रहे है। नईमुर रहमान भारतीय रोलर हॉकी स्केटिंग टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनके पास जूनियर (अंडर-19) स्तर की स्केटिंग का अनुभव है। विश्वविद्यालय की तरफ से इस उपलब्धि के लिए सम्मानित करने के साथ प्रोत्साहित किया।

फ्यूजन ग्रुप द्वारा बायर्स को आधे अधूरे प्रोजेक्ट सौंपने पर नाराजगी

ग्रेटर नोएडा, 27 मई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट एक मूर्ति पर फ्यूजन ग्रुप बिल्डर खरीदारों को आधे अधूरे प्रोजेक्ट पर कब्जा दे रहा है। इसके खिलाफ फ्लैट खरीदारों ने सोमवार को बिल्डर के खिलाफ प्रदर्शन कर विरोध जताया है। बायर्स का आरोप है Fd ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित यूनफेरिया प्रोजेक्ट अभी पूरा नहीं है फिर भी बिल्डर द्वारा ऑफर ऑफपजेशन भेजा जा रहा है।

बायर्स का कहना है की बिल्डर द्वारा अनाप-शनाप चार्ज लगाए जा रहे है जबकि बिल्डर बायर्स एग्रीमेंट में इस तरीके के कोई भी चार्जेस का उल्लेख नहीं है। बिल्डर की मनमानी को देखकर ऐसा लग रहा है की इसमें कही न कही बिल्डर की की ग्रेटर नोएडा अफसरों की मिलीभगत है। प्रोजेक्ट अभी भी इनकंप्लीट है, बायर्स द्वारा साइट्स पर देखा गया बहुत सारे काम अभी बकाया है जो की पूरे होने में कम से कम छह महीने लग जाएंगे। जबकि बिल्डर ने एक अगस्त से पहले पेमेंट न करने और हैंडओवर नहीं लेने पर दस रूपए वर्गफीट पेनल्टी लगा रहा है। बिल्डर मनमानी कर रहा है और अधूरे प्रोजेक्ट में भी पूरा डिमांड कर रहा है जिससे की सभी बायर्स सहमत नही है। बायर्स का कहना है की बिल्डर पहले प्रोजेक्ट कम्पलीट करे तभी हैंडओवर करो आधे अधूरे में हमारे हैण्डओवर कैसे कर सकते हैं। वही बिल्डर द्वारा बिजली सप्लाई के छोटे स्पेस के लिए 5 केवी जबरन थोप रहा है, जो की बिल्कुल ही बायर्स को मंजूर नहीं। बायर्स का कहना है उसके लिए 3 केवी छोटे स्पेस के लिए उचित हैं। बायर्स एग्रीमेंट्स में दो साल का एडवांस मेन्टेन्स चार्ज का उल्लेख नहीं है। फिर भी बिल्डर उसके लिए डिमांड कर रहा है। सभी दुकान एवम ऑफिस के साइज को भी बढ़ा दिया गया है। बिल्डर से इस बारे में बात की गई तो उनका कहना है की कंपनी की यही पालिसी है।

- **बायर्स ने प्रदर्शन कर बिल्डर के खिलाफ जताई नाराजगी**

नेफोवा प्रतिनिधिमंडल गंगाजल सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर सीईओ से मिला

ग्रेटर नोएडा, 27 मई (देशबन्धु)। नेफोवा प्रतिनिधिमंडल, नेफोवा अध्यक्ष अभिषेक कुमार के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सीईओ से मिला। उन्होंने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता में है। एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने गंगाजल परियोजना की प्रगति पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रिजॉर्वर 18 का काम प्रगति पर है अगले कुछ महीनों में ये पूरा हो जाएगा। सेक्टर 1 में गंगाजल पहुंच चुका है, वहां पाइप की फ्लशिंग चल रही है। अन्य तीन रिजॉर्वर का कार्य आईआईटी कानपुर से अप्रूवल की स्टेज में है, जल्दी उसका काम भी शुरू होगा। अभिषेक कुमार ने अतिक्रमण की समस्या भी उठाई, जिसपर सीईओ महोदय ने त्वरित कार्यवाही का आदेश दिया। इसमें मुख्य रूप से गोल्डन आई मॉल द्वारा पार्किंग का अतिक्रमण, स्पोर्ट्स सिटी के पास हाटमिक्स प्लांट द्वारा अतिक्रमण साथ ही अन्य क्षेत्रों में सड़कों पर अतिक्रमण की समस्या मुख्य रही। महाप्रबंधक लीनू सहगल ने भी इसपर अविलंब कार्यवाही का आश्वासन दिया। इसके साथ ही सीईओ ने रजिस्ट्री की समस्या पर शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया। गौर चौक पर अंडरपास, ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो और रैपिड रेल पर प्रगति की जानकारी देते हुए उन्होंने समस्याओं के समाधान हेतु मिलकर प्रयास करने का भरोसा दिया। अभिषेक कुमार ने सीईओ का आभार जताते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सहयोग करने के लिए समाधान के दृष्टिकोण से लगातार समस्याओं से अवगत कराने की बात कही।

डांटने से नाराज किशोर घर से लापता, दो दिन बाद भी सुराग नहीं

जेवर, 27 मई (देशबन्धु)। क्षेत्र के गांव रन्हेरा में पिता के डाटने से नाराज होकर एक अठारह वर्षीय किशोर रविवार को घर से लापता हो गया। पीड़ित स्वजनों ने उसे काफी तलाशने की कोशिश की लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिल सकी। स्वजनों ने कोवताली पुलिस से लापता किशोर को ढूढने की गुहार लगाई है।

रन्हेरा के रहने वाले हरवीर सिंह ने पुलिस को बताया कि रविवार सुबह को उसका 18 वर्षीय पुत्र कन्हैया अपनी बहिन से कहा सुनी कर रहा था। जिसकी वजह से पिता ने उसे डाट दिया। जिससे नाराज होकर कन्हैया घर से लापता हो गया। स्वजनों परिचितों व रिस्तेदारियों में उसकी काफी तलाश की लेकिन को कामयाबी नहीं मिल सकी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह चौहान ने बताया कि पीडित पिता की शिकायत पर पुलिस ने लापता किशोर की तलाश शुरू कर दी है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम सलारपुर में उपजिलाधिकारी सदर द्वारा प्रस्तुत परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 415/एस0टी0-एस0डी0एम/2017 दिनांक 22.11.2017 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग वर्षो में	मृतक से संबंध
सालारपुर	32 120	पुरीराम पुत्र श्री फकीरा नि0 ग्राम उची दनकौर, परगना दनकौर, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्री विनोद नागर	38	पुत्र
			श्रीमती बुगलेश	43	पुत्री विवाहित
			श्रीमती इन्द्रेश	40	पुत्री विवाहित
			श्रीमती मुन्द्रेश	36	पुत्री विवाहित
			श्रीमती रिनू	34	पुत्री विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर या प्राधिकरण द्वारा अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

निजी स्कूल उड़ा रहे प्रशासनिक आदेश की धज्जियां

- गर्मी के बढ़ते प्रकोप के चलते कक्षा एक से बारहवीं तक सभी स्कूल बंद रखने के निर्देश हैं। किसी विद्यालय के खुलने का मामला संज्ञान में नहीं है। अगर कोई विद्यालय संचालित किया जा रहा है तो उसकी जांच कर तत्काल कारवाई की जाएगी : राहुल पंवार, बेसिक शिक्षा अधिकारी, गौतम बुद्ध नगर

रबूपुरा, 27 मई (देशबन्धु)। भीषण गर्मी में तापमान चरम पर है। चारों तरफ त्राहिमाम मचा है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग घरों से निकलने में कतरा रहे हैं और आगामी दिनों में गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए शासन-प्रशासन द्वारा सभी 12वीं तक के स्कूल बंद किये जाने के आदेश जारी किए जा चुके हैं लेकिन निजी स्कूल संचालकों की मनमानी सरकारी आदेश पर भारी पड़ रही है। जनपद में प्रशासनिक आदेशों को दरकिनार कर और मासूमों के स्वास्थ्य की चिंता किये बगैर कस्बे में कुछ स्कूल अभी भी बदस्तूर संचालित किए जा रहे हैं।

जिसके चलते मासूम छात्र कड़कड़ाती धूप में तपते हुए जाते देखे जा सकते हैं। लोगों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी सबकुछ जानकर भी मूकदर्शक बने हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी में हाल बेहाल है लेकिन बच्चों को मजबूरन स्कूल भेजने पड़ रहा है। अगर कोई बच्चा स्कूल नहीं आये तो परिजनों को छात्र का नाम काटने की धमकी दी जाती है।

स्कूल संचालक महीने की फीस वसूलने के चक्कर में मासूमों के स्वास्थ्य से जमकर खिलवाड़ कर रहे हैं। मौसम विभाग की चेतावनी व गर्मी के कहर को देखते हुए प्रशासन द्वारा कक्षा एक से बारहवीं तक सभी विद्यालय को बंद किये जाने के आदेश जारी किए जा चुके हैं और गर्मी से बचाव के लिए विभिन्न प्रकार से एडवाइजरी दी जा रही है लेकिन सरकारी फरमान का यहां के स्कूल संचालकों पर कोई असर नहीं है और ना ही उन्हें किसी छात्र का स्वास्थ्य खराब होने की चिंता। हालांकि आगे क्या होगा कुछ कहा नहीं जा सकता लेकिन फिलहाल आदेश की जमकर धज्जियां उड़ रही हैं।

समर कैंप के ग्रैंड फिनाले में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

ग्रेटर नोएडा, 27 मई (देशबन्धु)। होली पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा में समर कैंप का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रधानाचार्य अंजू पुरी समन्वयक सुनीता सिंह एवं मंजीत यादव द्वारा मां सरस्वती के चरणों में पुष्प एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन करते हुए नृत्य, संगीत तथा आर्ट एंड क्राफ्ट की सुंदर झांकी प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में बच्चों ने रंगीलो मारो ढोलना..., दिल ये जिद्दी है..., छोटा बच्चा जान के... जैसे अनेक गानों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा के अनुसार प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। विद्यार्थियों की कला का प्रस्तुतीकरण उत्कृष्ट एवं सराहनीय था। इस कार्यक्रम में सहयोगी दल के रूप में भावना शर्मा, राजकुमार, उपेंद्र, अपर्णा, संगीता शर्मा, नेहा, शशि, रश्मि एवं वंदना शर्मा आदि अध्यापक-अध्यापिकाओं ने अपना योगदान दिया। विद्यार्थी बेहद खुश और उत्साहित थे।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम आच्छेपुर में Revenue Department, Govt. of NCT of Delhi, Office of the District Magistrate, Delhi Cantonment: New Delhi District से प्राप्त Surviving Member Certificate, Certificate No. 90660000233447 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक स्व0 केशरी सिंह पुत्र स्व0 श्री सुल्लड सिंह निवासी हाउस नम्बर-706डी, गली नं0-17 चन्दन विहार, संत नगर बुराडी, दिल्ली-110084 के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
आच्छेपुर	57 55	स्व0 केशरी सिंह पुत्र स्व0 श्री सुल्लड सिंह निवासी हाउस नम्बर 706डी, गली नं-17 चन्दन विहार संत नगर, बुराड़ी दिल्ली-110084	ज्योति सिंह	पुत्री	38 वर्ष
			कमल सिंह	पुत्र	36 वर्ष

उपरोक्त परिवार सदस्यों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखो में दर्ज करा दिया जायेगा। यदि उच्च स्तरीय जांच के क्रम में प्रश्नगत भूमि पर कृषक का स्वत्व समाप्त होता है तो इस वारिसान को स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम सलारपुर में उपजिलाधिकारी सदर द्वारा प्रस्तुत परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 605/एस0टी0-एस0डी0एम/2023 दिनांक 19.06.2023 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग वर्षो में	मृतक से संबंध
सालारपुर	32 120	श्री यामीन पुत्र बोदल नि0 ग्राम डेरी खूबन माजरा मूजखेडा परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती चांद तारा	43	पत्नी
			श्री मुजाहिद	31	पुत्र
			श्री सोहिल	20	पुत्र
			कु0 नाजमा	19	पुत्री अविवाहित
			कु0 तल्सूम	18	पुत्री अविवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर या प्राधिकरण द्वारा अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, मंगलवार 28 मई 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

विपक्ष को धमकाने के मायने

लोकसभा चुनाव का प्रचार करते हुए भारतीय जनता पार्टी के दोनों स्टार प्रचारकों, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिस प्रकार से विरोधी दलों एवं उनके नेताओं को धमका रहे हैं, उससे यह फिर से साबित हुआ है कि भाजपा को लोकतांत्रिक मूल्यों में कतई आस्था नहीं है। अपने दस वर्षों के शासन काल में मोदी ने विपक्ष मुक्त भारत बनाने के लिये देश के लोकतांत्रिक व संवैधानिक ढांचे को ध्वस्त तो किया ही है, दोनों की हालिया धमकियां बताती हैं कि वे किसलिये तीसरी बार सरकार बनाने के लिये बेतरह उतावले हैं। साफ है कि अब तक वे जिस प्रकार से प्रतिपक्ष को कुचलते आये हैं, उसी बचे-खुचे काम को अबकी बार 400 पार का लक्ष्य पाकर करना चाहते हैं। मोदी-शाह अपनी धमकियों को किस प्रकार से अंजाम देते हैं, इसके लिये उन्हें तीसरी मर्तबा चुनाव बड़े बहुमत से जीतना होगा जिसके संकेत तो दिखलाई नहीं देते परन्तु ये धमकियां बताती हैं कि उनके जीतने पर स्थिति बदतर ही होंगी।

बिहार के काराकट की प्रचार सभा में शनिवार को मोदी ने कहा कि 'हैलीकॉप्टर में राइड करने का समय पूरा होने के बाद ये आरजेडी वालों को नौकरी के बदले जमीन मामले में जेल जाना होगा।' उनका आशय राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव (बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री) एवं उनके पिता लालू प्रसाद यादव (पूर्व मुख्यमंत्री-बिहार) की ओर था। पिछले कुछ समय से मोदी व भाजपा इस मुद्दे को लेकर तेजस्वी पर हमलावर हैं। वैसे पलटवार करते हुए तेजस्वी ने रविवार को कहा कि 'एक 74 वर्ष का नेता उनके राज्य में आकर उन्हें जेल भेजने की धमकी दे रहा है।' उन्होंने साफ किया कि 'वे इन गीदड़ भभकियों से डरते नहीं' और बतलाया कि- 'यह झारखंड नहीं बिहार है। उन्हें हाथ लगाया तो पटना से दिल्ली तक आंदोलन होगा।' इस बात को लेकर मोदी की जबर्दस्त घेराबन्दी हुई है। ये तो रही मोदी की बात, उधर अमित शाह ने पंजाब के लुधियाना की एक सभा में जनता से कहा कि 'आप कुछ लोगों को इधर भेजो, चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार गिर जायेगी।' उधर एक दिन पहले ही मोदी ने अपने एक और भाषण में अपनी मुफ्त राशन योजना को वोट से जोड़ते हुए अप्रत्यक्ष रूप से कह दिया कि लाभार्थियों को उन्हें वोट देना चाहिये ताकि उन्हें 'पुण्य' मिल सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि 'राशन देने वाले (यानी वे स्वयं) को जो वोट नहीं देगा वह पाप करेगा।'

पाप-पुण्य की बात तो अवधारणात्मक है अत: उस पर चर्चा फिजूल है, लेकिन जो दो अन्य धमकियां मोदी व शाह ने दी हैं (तेजस्वी को जेल भेजने एवं पंजाब सरकार को गिराने की) वे बहुत गम्भीर प्रकृति की हैं। मोदी ने तेजस्वी को जेल भेजने की धमकी देकर यह साबित कर दिया है कि वे चाहें केवल कार्यपालिका प्रमुख हों लेकिन वे न्यायिक शक्तियां भी रखते हैं। कायदे से किसी को जेल भेजने या न भेजने का निर्णय कोर्ट करती हैं। पुलिस या अन्य जांच एजेंसियां केवल अभियोजन पेश करती हैं। यहां तक कि दोषियों को जांच एजेंसियों की हिरासत में रखना है या न्यायिक हिरासत में, या छोड़ देना है-यह तय करने का भी काम न्यायपालिका का है, न कि पुलिस या कार्यपालिका के किसी भी अंग का- चाहे वह कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो। मोदी ने जिस कथित आरोप में लालू परिवार के सदस्यों को (जिनमें तेजस्वी भी शामिल हैं) जेल भेजने की बात कही, उसकी कई बार जांच हुई और हर बार फाइल बन्द हुई है। मोदी का किसी बन्द हो चुके मामले को लेकर किसी को धमकाना बेहद शर्मनाक है, वह भी केवल इसलिये क्योंकि वह उनके विरोधी दल का है।

मोदी की धमकी यह भी दर्शाती है कि वे जिसे चाहें उसे जेल भेज सकते हैं। यानी उनके लिये अपराध का स्वरूप, उसकी वास्तविकता, अपराध संहिता या न्यायिक प्रक्रिया का कोई महत्व या मायने नहीं है। उनकी बात यह भी संकेत देती है कि उनके कार्यकाल में बगैर अपराध बड़ी संख्या में लोगों को विभिन्न तरह के मामलों में जेल भेजा गया है वे मामलों के गुण-दोषों के आधार पर नहीं बल्कि मोदी की मर्जी से भेजे गये हैं। इनमें केवल प्रतिपक्षी नेता नहीं बल्कि सरकार की आलोचना करने वाले मानवाधिकार कार्यकर्ता, वकील, पत्रकार, लेखक, बुद्धिजीवी आदि शामिल हैं। ऐसे वक्त में जब चुनाव का आखिरी चरण बचा है और नतीजे आने में मात्र एक ही हफ्ता शेष है, मोदी की धमकी बतलाती है कि भाजपा की जमीन खिसकी हुई है और मोदी को विपक्ष की गम्भीर चुनौती मिल रही है।

शाह द्वारा लोकसभा चुनाव के बाद पंजाब सरकार को गिराने की धमकी किसी निर्वाचित सरकार को गैर लोकतांत्रिक तरीके से गिराने के उनके इरादे और अभी से तैयारी की ओर इशारा है। वैसे तो 2014 में केन्द्र की सत्ता में आई भाजपा अपने दोनों कार्यकालों में यही काम मनोयोग से करती आई है। विपक्ष की बहुमत वाली राज्य सरकारें वह विधायकों को खरीदकर या धमकाकर तोड़ती-गिराती आई है। उन्हें हटाकर भाजपा की सरकारें बिठाने को 'ऑपरेशन लोटस' जैसा नाम दिया गया है। पहले 'कांग्रेस मुक्त भारत' और बाद में 'विपक्ष मुक्त भारत' बनाने के अपने कुटिल लक्ष्यों को हासिल करने हेतु भाजपा ने तमाम लोकतांत्रिक मर्यादाएं लांघी हैं। इससे संघवाद कमजोर हुआ और राजनीतिक अपसंस्कृति विकसित हुई है। शाह की धमकी इस बात की भी पुष्टि है कि वह विरोधी दलों की सरकारों को गिराने में कोर-कसर कभी नहीं छोड़ेगी।

बड़े खिलाड़ी बनकर उभरे अखिलेश

2024 के लोकसभा चुनाव में देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर उभरे हैं। इस चुनाव में अखिलेश यादव पीडीए फार्मूला लेकर आए हैं-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक। पीडीए दरअसल कांशीराम के 15 बनाम 85 की राजनीति का ही नया संस्करण है। अखिलेश यादव की रैलियों में बढ़ती भीड़ से ऐसा लगता है कि समाजवादी पार्टी में लोगों का विश्वास लौट रहा है। अखिलेश यादव के टिकट वितरण के सामाजिक समीकरण की तारीफ हो रही है। महंगाई और बेरोजगारी से पीड़ित देश का जनमानस इस समय विपक्ष इंडिया गठबंधन की तरफ देख रहा है। खास बात यह है कि इंडिया गठबंधन जनता के मूल मुद्दों को लगातार उठा रहा है। 80 लोकसभा सीटों वाले सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं। आज उत्तर प्रदेश में भाजपा के सामने सबसे बड़ी ताकत अखिलेश यादव हैं। पिछली तीन असफलताओं के बावजूद इस चुनाव में उनका पीडीए फार्मूला कारगर होते हुए दिख रहा है।

ऑस्ट्रेलिया से पढ़ाई करके लौटे अखिलेश यादव पिता मुलायम सिंह यादव का साथ देने के लिए राजनीति में आ गए। सपा के नौजवानों में 'अखिलेश भैया' तेजी से लोकप्रिय हो गए। पहली बार अखिलेश यादव 2010-11 में तब सुर्खियों में आए जब उन्होंने साइकिल से यात्रा करते हुए पूरे प्रदेश का दौरा किया। मायावती के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ अखिलेश यादव की साइकिल यात्रा से समाजवादी पार्टी को नई ऊर्जा मिली। 2012 के विधानसभा चुनाव में बसपा को हराकर सपा ने 403 की विधानसभा में 224 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया। उम्र की ढलान पर पहुंच चुके पिता मुलायम सिंह यादव ने तब उत्तर प्रदेश की बागडोर अपने नौजवान बेटे अखिलेश यादव को सौंप दी। 2012 से 2017 के बीच अखिलेश यादव यूपी के सबसे युवा मुख्यमंत्री रहे। कुछ गलतियों और अनेक उपलब्धियों के साथ अखिलेश यादव को मीडिया में बहुत तवज्जो नहीं मिली। सवर्ण मीडिया लगातार उनकी खिल्ली उड़ाता रहा। यूपी में साढ़े तीन मुख्यमंत्री का मेटाफर प्रयोग करते हुए मीडिया अखिलेश यादव को आधा मुख्यमंत्री बताकर कटाक्ष करता रहा। पार्टी, सरकार और प्रशासन में ज्यादातर सवर्णों के इर्द गिर्द रहे अखिलेश यादव को शायद पिछड़े होने का एहसास नहीं था। लेकिन 2017 का चुनाव हारने के बाद जब अखिलेश यादव ने अपना मुख्यमंत्री आवास खाली किया तो उसी मीडिया के जरिए अखिलेश यादव को 'टोंटी चोर' कहकर प्रचारित किया गया। लेकिन इसे राजनीतिक आलोचना का एक हिस्सा मानकर शायद अखिलेश यादव ने भुला दिया। हालांकि आज भी सवर्ण मीडिया और भाजपा की ट्रोल आर्मी अखिलेश यादव को 'टोंटी चोर' कहने से गुरेज नहीं करती। जाहिर तौर पर समय बदल गया है। सामाजिक संरचना भी बदली है। लेकिन सवर्ण सामन्तों के भीतर भरी हुई नफरत और हिकारत पीढ़ी दर पीढ़ी चली जा रही है। इसलिए गालियों की जगह सिर्फ शब्द बदले हैं। दरअसल, अपमानजनक शब्दों के जरिए पिछड़ों और दलितों को उनकी 'हैसियत' बताने की कोशिश की जाती है। उनके हौंसले को तोड़ा जाता है। इससे उनके भीतर हीनताबोध पैदा होता है। सवर्ण वर्चस्ववादियों के लिए चुना हुआ मुख्यमंत्री हो या चयनित आईएएस अथवा प्रोफेसर, सब निम्न और घृणास्पद हैं। हिंदुत्व के नाम पर आरएसएस और भाजपा इसी वर्चस्ववाद को पोसती है। उनके भीतर के जातिवादी अभिमान और श्रेष्ठताबोध को बढ़ावा देती है। लोकतंत्र और संविधान के बावजूद उनके भीतर का यह भेदभाव समाप्त नहीं हुआ है। सत्ता मिलते ही यह वर्चस्ववाद और श्रेष्ठताभाव कुलाचें भरने लगता है।

प्रो. रविकान्त

समाजवादी पार्टी को मूलरूप से पिछड़ों, किसानों और नौजवानों की पार्टी माना जाता था। बसपा से गठबंधन टूटने के बाद अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी का विस्तार करने का प्रयास किया। दलित समाज को जोड़ने के लिए सपा कार्यालय में अम्बेडकर जयंती मनाने की शुरुआत हुई। डॉ राममनोहर लोहिया के साथ अब डॉ अम्बेडकर का चित्र भी सपा कार्यालय में लगा दिया गया। दलित वोटर तक पहुंच बढ़ाने के लिए अखिलेश यादव ने लोहिया वाहिनी की तर्ज पर बाबा साहब वाहिनी का गठन किया।

पिछड़े या शूद्र होने का एहसास अखिलेश यादव को पहली बार शायद तब हुआ जब मुख्यमंत्री आवास से निकलने के बाद 5, कालिदास मार्ग को धोया गया। 2017 का विधानसभा चुनाव जीतकर भाजपा ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मठ के महंत योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया। मुख्यमंत्री आवास में प्रवेश करने से पहले 5, कालिदास मार्ग को गंगाजल से धोया गया और मंत्रोच्चार के जरिए पवित्र किया गया। अखिलेश यादव के लिए यह बेहद अपमानजनक था। इसके बाद भी भाजपा की ट्रोल आर्मी द्वारा लगातार उनके खिलाफ भद्दे-भद्दे कमेंट किए जाते रहे।

अखिलेश यादव ने 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा के साथ गठबंधन किया। इस गठबंधन के लिए अखिलेश यादव ने खुद पहल की। बसपा सुप्रीमो के घर जाकर उन्होंने मायावती का सम्मान किया। चुनाव के दरम्यान कन्नौज की सभा में अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने मंच पर मायावती के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। हालांकि डिंपल यादव गठबंधन प्रत्याशी के तौर पर चुनाव हार गयीं। चूंकि 2019 का लोकसभा चुनाव पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले और पीओके में भारतीय सेना द्वारा एयर स्ट्राइक के कारण राष्ट्रवाद के मुद्दे पर केंद्रित हो गया। इसके अलावा सपा और बसपा के कार्यकर्ताओं में तालमेल की कमी के कारण गठबंधन को सिर्फ 15 सीटों पर सफलता मिली। चुनाव के बाद मायावती ने सपा के वोट ट्रांसफर नहीं होने का आरोप लगाकर एक तरफा गठबंधन तोड़ दिया।

समाजवादी पार्टी को मूलरूप से पिछड़ों, किसानों और नौजवानों की पार्टी माना जाता था। बसपा से गठबंधन टूटने के बाद अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी का विस्तार करने का प्रयास किया। दलित समाज को जोड़ने के लिए सपा कार्यालय में अम्बेडकर जयंती मनाने की शुरुआत हुई। डॉ राममनोहर लोहिया के साथ अब डॉ अम्बेडकर का चित्र भी सपा कार्यालय में लगा दिया गया। दलित वोटर तक पहुंच बढ़ाने के लिए अखिलेश यादव ने लोहिया वाहिनी की तर्ज पर बाबा साहब वाहिनी का गठन किया। डॉ अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर अखिलेश यादव ने अपने पिता मुलायम सिंह यादव की मौजूदगी में 14 अप्रैल 2021 को बाबा साहब वाहिनी बनाने का ऐलान किया। पार्टी के संविधान में संशोधन करके बाबा साहब वाहिनी को सपा का एक फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन घोषित किया गया। इसके राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष पद पर दलित समाज को नेतृत्व दिया गया।

अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के दरवाजे बसपा के नेताओं के लिए खोल दिए। परिणामस्वरूप कई पुराने नेता बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। लालजी वर्मा, स्वामी प्रसाद मौर्य, रामअचल राजभर, राजाराम पाल, इंद्रजीत सरोज, रामप्रसाद चौधरी जैसे कई नेता अखिलेश यादव के साथ आ गए। 2022 के विधानसभा चुनाव से पूर्व अखिलेश यादव का कुनबा और मजबूत हो गया। अपना दल (कमेरवादी) की पल्लवी पटेल, सुभास्पा के ओम प्रकाश राजभर, महान दल के केशवदेव मौर्य, जनवादी क्रांति पार्टी के संजय चौहान आदि पिछड़ा और अति पिछड़ा समाज से आने वाले नेता और दल समाजवादी पार्टी से जुड़ गए। 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा की स्थिति काफी मजबूत दिख रही थी। लेकिन ध्रुवीकरण की राजनीति और बेहतरीन चुनावी प्रबंधन के जरिए भाजपा फिर से चुनाव जीतने में कामयाब हो गई। अलबत्ता, अखिलेश यादव को एहसास हो गया था कि यूपी में आगे की राजनीतिक लड़ाई दलित और पिछड़ों के मुद्दों के आधार पर ही जीती जा सकती है। 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने सपा पर यादव मुस्लिम पार्टी होने के आरोप से पीछा छुड़ाने की कोशिश की थी। अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव में पिछड़ों की एक मजबूत जाति कुर्मी-पटेल को दो दर्जन से अधिक टिकट दिए थे, जिसमें 14 जीतकर आए। इसी तरह उन्होंने अन्य पिछड़ी जातियों को भी कमोबेश प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की थी।

2021 में बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने जाति जनगणना की मांग को लेकर प्रधानमंत्री से मुलाकात की। बिहार के भाजपा नेता इसके विरोध में आ गए। इसका असर देश व्यापी पिछड़े समाज पर हुआ। इसीलिए कोरोना के बहाने नरेंद्र मोदी ने जनगणना ही कराने से इनकार कर दिया। नीतीश सरकार ने 2023 में जातिगत जनगणना करके आंकड़े जारी कर दिए। अब एक बार फिर जातिगत जनगणना और पिछड़ा विमर्श राजनीतिक चर्चा का केंद्र बिंदु बन गया। भाजपा और मोदी सरकार इस मुद्दे पर बुरी तरह से घिर गई। जमीन पर चल रहे सामाजिक आंदोलन और जाति जनगणना के प्रभाव को पहचानते हुए अखिलेश यादव ने भी जाति जनगणना की मांग उठाई। इसी दरमियान उन्होंने अपना पीडीए समीकरण दिया और ऐलान किया कि पीडीए ही एनडीए को हराएगा।

जनवरी 2024 में हुए राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के कई सवर्ण विधायकों ने भाजपा का समर्थन किया। मनोज पांडे, विनोद चतुर्वेदी, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह आदि विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। इसका अखिलेश यादव पर बड़ा प्रभाव पड़ा। पीडीए पर उनका विश्वास और मजबूत हो गया। लेकिन इस दरमियान ओमप्रकाश राजभर, संजय चौहान, केशव देव मौर्य और जयंत चौधरी भाजपा के साथ लौट गए। पल्लवी पटेल और स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी अलग रास्ता अख्तियार कर लिया। अखिलेश यादव ने बेहद शालीनता से इस स्थिति का सामना किया। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। कांग्रेस को 17 सीटें मिलीं। 63 सीटों पर समाजवादी पार्टी ने अपने प्रत्याशी उतारे। अखिलेश यादव ने अपने खाते से एक सीट तृणमूल कांग्रेस को दी। अखिलेश यादव जिस पीडीए की बात कर रहे थे, उसकी झलक टिकट वितरण में मिलती है। उन्होंने अपने परिवार के पांच लोगों के अलावा किसी यादव को टिकट नहीं दिया। मुसलमानों को केवल चार टिकट दिए। सर्वाधिक कुर्मी-पटेल-11, पासी-7, मौर्य -कुशवाहा- 6, जाटव-6, निषाद-कश्यप-5 के अलावा वाल्मीकि, गुर्जर, राजभर, लोधी और पाल को एक-एक टिकट दिया। टिकट वितरण में दुरुस्त सामाजिक समीकरण के साथ-साथ राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के एजेंडे ने अखिलेश यादव के पीडीए को अधिक विश्वसनीयता प्रदान की है। इसका सीधा प्रभाव चुनाव में दिखाई दे रहा है।

अमीर होते देश में आत्महत्या करते लोग

■ विवेकानंद माथने

भारत में बढ़ती आत्महत्याएं चिंता का विषय है। वैसे इसके कई कारण दिये जा सकते हैं, लेकिन आत्महत्या मुक्त भारत की दिशा में आगे बढ़ने और उसके सही कारणों को जानकर उपाय करना जरुरी है। 'एनसीआरबी' (नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हुई आत्महत्याओं का आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक और आयु के आधार पर विश्लेषण करने पर जो तस्वीर उभरती है, उससे स्पष्ट होता है कि बढ़ती आत्महत्याओं के लिये सरकारी नीतियां अधिक जिम्मेदार हैं।

'एनसीआरबी' की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2022 में कुल 1 लाख 70 हजार 924 आत्महत्याऐं हुई हैं और आत्महत्याओं की दर 12.4 रही है। भारत में प्रतिदिन 468 आत्महत्याएं हुई हैं। वर्ष 2014 में कुल 1 लाख 31 हजार 666 आत्महत्याएं हुई थीं और आत्महत्याओं की दर 10.6 रही थी। पिछले 9 साल में आत्महत्याएं और उसकी दर निरंतर बढ़ती जा रही है। 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' के आंकड़ों के अनुसार 2019 में दुनिया में 7 लाख 3 हजार आत्महत्याएं हुई हैं। इसमें से 77 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हुई हैं। वैश्विक स्तर पर 15 से 29 साल के बच्चों में आत्महत्या मृत्यु का चौथा प्रमुख कारण रहा है। आत्महत्या की दर भेदभाव के शिकार हुये कमजोर समूहों में अधिक है। संख्या की दृष्टि से आत्महत्याओं में भारत दुनिया में नंबर एक पर है।

कृषि कार्य में किसान का पूरा परिवार जुड़ा होता है। केवल खेती नाम पर नहीं होने या कर्ज ना होने के कारण किसी आत्महत्या को किसान की आत्महत्या दर्ज न करना किसानों के प्रति साजिश है। किसान परिवार में हुई आत्महत्या को खेती में दर्ज करना चाहिये। उद्योग और सार्वजनिक क्षेत्र को निजी कंपनियों के हाथों सौंपा जा रहा है। अब व्यापार को भी कारपोरेट्स के हवाले किया जा रहा है। पारिवारिक खेती को कारपोरेट खेती में बदला जा रहा है।

आत्महत्याओं के लिये मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्याएं, सामाजिक और आर्थिक कारक प्रमुख कारण माने जाते हैं। मानसिक कारकों में अवसाद, चिंता, तनाव और सामाजिक-आर्थिक कारकों में गरीबी, बेरोजगारी, कर्ज, सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव आत्महत्या के जोखिम को बढ़ाते हैं। संघर्ष, आपदा, हिंसा, दुर्व्यवहार, नुकसान का अनुभव और अकेलेपन की भावना आत्मघाती व्यवहार से करीबी से जुड़ी हुई है। संकट के क्षणों में आवेग में अधिक आत्महत्याएं होती हैं।

शैक्षणिक स्थिति के आधार पर दसवीं कक्षा से कम पढ़े 67.9 प्रतिशत और दसवीं से बारहवीं कक्षा तक पढ़े 15.9 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। कुल आत्महत्याओं में 12 वीं कक्षा तक पढ़े 83.8 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं। इनमें से 9 प्रतिशत लोगों की शिक्षा की जानकारी नहीं है। इसमें बारहवीं से कम की संख्या जोड़ने पर बारहवीं तक पढ़े लोगों में आत्महत्याएं करने वालों की संख्या में और बढ़ोतरी होगी। आत्महत्याओं में बारहवीं से अधिक पढ़े 7.2 प्रतिशत लोगों का समावेश है।

आर्थिक स्थिति के आधार पर वार्षिक 1 लाख रुपये से कम आय वर्ग में, याने मासिक 8 हजार रुपये से कम मासिक आय वर्ग में 64.3 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। वार्षिक 1 से 5 लाख रुपये आय वर्ग, याने मासिक 8 हजार से 42 हजार रुपये आय वर्ग में 30.7 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। कुल आत्महत्याओं में 5 लाख से कम आय वर्ग में 95 प्रतिशत लोगों ने और 5 लाख से अधिक आय वर्ग में 5 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं।

व्यवसायिक स्थिति के आधार पर गृहिणी 14.8 प्रतिशत, विद्यार्थी 7.6 प्रतिशत, बेरोजगार 9.2 प्रतिशत, स्वयं रोजगार करने वाले 11.4 प्रतिशत, खेती कार्य करने वाले 6.6 प्रतिशत, दैनिक मजदूरी करने वाले 26.4 प्रतिशत लोग हैं। वेतन पाने वाले 9.6 प्रतिशत और सेवानिवृत्त 0.8 प्रतिशत हैं। अन्य 13.5 प्रतिशत हैं। इससे एक बात स्पष्ट होती है कि लगभग 76 प्रतिशत आत्महत्याएं असुरक्षित रोजगार के क्षेत्र में हुई हैं। अज्ञात आंकड़ों में जोड़ने से यह आंकड़ा और बढ़ेगा।

आयु के आधार पर कुल आत्महत्या पीड़ितों में सबसे अधिक 59 हजार 108 याने 34.58 प्रतिशत आत्महत्याएं 18 से 30 साल आयु के लोगों की हुई हैं और 54 हजार 351 याने 31.8 प्रतिशत आत्महत्याएं 30 से 45 साल आयु के लोगों की हुई हैं। व्यक्ति को आर्थिक और सामाजिक स्थिरता प्राप्त करने के लिहाज से यह उम्र सबसे महत्वपूर्ण होती है। कुल आत्महत्याओं में 5 लाख से कम आय वर्ग में 95 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं। 12 वीं कक्षा तक पढ़े 83.8 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की है। 76 प्रतिशत से अधिक आत्महत्या असुरक्षित रोजगार के क्षेत्र में हुई है। रोजगार और आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने की उम्र में 66.38 प्रतिशत आत्महत्या हुई हैं।

भारत में कुल आत्महत्याओं का आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक और आयु के आधार पर विश्लेषण करने से स्पष्ट होता है कि आत्महत्याओं के लिये गरीबी, शिक्षा की कमी और असुरक्षित रोजगार अधिक जिम्मेदार है। ये आंकड़े भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था और खेती-किसानी की दुर्दशा तथा बढ़ती बेरोजगारी से युवाओं में बढ़ते तनाव की स्थिति को दर्शाते हैं।

देश में 95 प्रतिशत किसानों की औसत आय 1 लाख रुपये से कम है। उनकी आय की कोई गारंटी नहीं है। किसानों के बेटी-बेटों की शादी में दिक्कत आ रही है। सरकार कहती है कि किसानों के सुशिक्षित बच्चे खेती नहीं करना चाहते, लेकिन उपरोक्त आकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि जिन कारकों के चलते आत्महत्याएं हो रही हैं, उन सभी में किसान परिवार के सदस्य किसी-न-किसी से जुडे हैं। 'एनसीआरबी' की रिपोर्ट में किसानों की आत्महत्याओं की संख्या कम दर्ज करके उसे छुपाने का प्रयास किया गया है।

कृषि कार्य में किसान का पूरा परिवार जुड़ा होता है। केवल खेती नाम पर नहीं होने या कर्ज ना होने के कारण किसी आत्महत्या को किसान की आत्महत्या दर्ज न करना किसानों के प्रति साजिश है। किसान परिवार में हुई आत्महत्या को खेती में दर्ज करना चाहिये। उद्योग और सार्वजनिक क्षेत्र को निजी कंपनियों के हाथों सौंपा जा रहा है। अब व्यापार को भी कारपोरेट्स के हवाले किया जा रहा है। पारिवारिक खेती को कारपोरेट खेती में बदला जा रहा है। देश के चंद कारपोरेट घरानों के पास संपत्ति इकठा हो रही है। दूसरी तरफ 80 करोड लोगों को 5 किलो अनाज पर आश्रित बनाया गया है।

भारत सरकार आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या और दर को रोकने में पूर्णता असफल हुई है। सभी को स्वास्थ्य सुविधा और हाथों को काम देने वाली शिक्षा देने में असफल हुई है। किसान और असंगठित कामगारों को सुनिश्चित आय प्रदान करने में असफल हुई है। बेरोजगारी दूर करने के उपाय करने और 'एमएसएमई' (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) की नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने में असफल हुई है। भारत सरकार की गलत नीतियों के कारण आत्महत्याओं के कारकों में बढ़ोतरी होने से आत्महत्याऐं लगातार बढ़ रही हैं।

(लेखकर 'आजादी बचाओ आंदोलन' एवं 'किसान स्वराज आंदोलन' से संबद्ध हैं)

पावन प्रसंग

विकास के आधार

आज हम परिवर्तन के संक्रातिकाल से गुजर रहे हैं। व्यक्ति हो या समाज, राष्ट्र हो या विश्व। हर कहीं कालचक्र का विप्लवी प्रवाह ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहा है, जिसकी अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक एवं अद्‌भुत ही कहा जा सकता है। आर्थिक क्षेत्र हो या राजनीतिक, मीडिया जगत हो या न्यायपालिका, पारिवारिक जीवन हो या मीडिया जगत हो या न्यायपालिका, पारिवारिक जीवन हो या सामाजिक, धर्म अध्यात्म हो या प्रकृति-पर्यावरण, सभी जगह उठापटक का ऐसा क्रम चल पड़ा है कि पुरानी व्यवस्था में समाहित गलन, सड़न, ठहराव, भ्रष्टाचार एवं जड़ता अब और बर्दाश्त नहीं हो सकते। परिवर्तन एवं विकास का एक नया आधार तैयार हो रहा है, जिसके आधार पर वैयक्तिक और सामाजिक जीवन में वासंती बयार के हल्के झोंके बहना शुरू हो गए हैं। हम इस आधार को क्रमिक रूप में और पुख्ता करें-इसके लिए विकास की समग्र समझ जरूरी है, जिससे कि हमारी नियति जुड़ी हुई है।

प्रकृति- गांव एवं जड़ों से जुड़ा विकास -यह आदिकाल से ही सुविकसित सभ्यताओं-संस्कृतियों का आधार रहा है। वन-अरण्य में जन्मी व विकसित भारत की वैदिक संस्कृति इसका उदाहरण रही है। प्रकृति के साथ मानव के सहयोग- सहकार एवं आत्मीयता भरे रिश्तों ने दीर्घकाल तक एक स्वस्थ- संतुलित विकास को सुनिश्चित रखा । भूमि को माता की संज्ञा दी गई और धरतीपुत्र होने की गर्वोक्ति के साथ इस रिश्ते को निभाया गया। प्रकृति के हर घटक में देवत्व के दर्शन और प्रकृति -मानव का श्रद्धा भरा संबंध एक उच्चस्तरीय संस्कृति की मिसाल पेश करता रहा। इसी रिश्ते को खोकर आज का इंसान प्रकृति को महज दोहन एवं शोषण की वस्तु मानता है, जिसके दुष्परिणामों को ग्लोबल वार्मिंग से लेकर प्रदूषित होते प्रकृति के हर घटक दमघोंटू वातावरण में दम तोड़ते मानवीय अस्तित्व के रूप में देखा जा सकता है। ये सब प्रकृति के साथ पुराने पावन रिश्ते को समझने एवं पुनर्स्थापित करने की ओर संकेत कर रहे हैं। गांव से शहरों की ओर पलायन इसी का एक पहलू है। आज उत्तराखंड की चालीस प्रतिशत जनसंख्या गांव से शहरों की ओर पलायन कर चुकी है। यही स्थिति न्यूनाधिक रूप में अन्य कई प्रांतों की है। कहां प्राकृतिक सौंदर्य और वन प्रांत का एकांतिक शांति सुकून भरा जीवन और कहां शहरों का शोर शराबा और प्रदूषण भरा विक्षिप्त करने वाला वातावरण, लेकिन मनुष्य के लोभ संकीर्ण स्वार्थ और सोच के दिवालियापन का क्या कहना ? जो स्वर्गोपम प्रकृति के आंचल को छोड़कर शहरी जीवन के नारकीय जीवन को चुनने के लिए बाध्य है। फिर गांव के विकास को लेकर सरकारी उपेक्षा अपनी जगह है, लेकिन समझदार एवं प्रबुद्ध नागरिकों के प्रयास भी तो माने रखते हैं, जो प्रकृति एवं गांवों को ध्यान में रखकर विकास को अपने स्तर पर बनाए रखने का साहस कर सके।

प्रकृति के हर घटक में देवत्व का दर्शन हमें विकास के दूसरे आयामों की ओर ले जाता है, जो हमारी सनातन विशेषता रही है, लेकिन आज इसके प्रति भी हमारा उपेक्षा भरा भाव अधिक दिखता है, जिसकी ओर पश्चिमी रुझान तेजी से बढ़ रहा है। यह प्रकृति के पार ईश्वर के दर्शन करने की उत्कंठा से उपजा उच्चस्तरीय जीवन दर्शन है।

आध्यात्मिक विरासत से जुड़ा विकास- यह हमारी शाश्वत सनातन विरासत रही है। इकबाल की उक्ति कि= मिट गए यूनान,रोमा, कुछ हस्ती है कि मिटती नहीं हमारी। उसका आधार राष्ट्रीय जीवन में समाहित यह आध्यात्मिक तत्व ही रहा है। इसी का संस्पर्श लिए यहां के साहित्य, कला, संगीत, नृत्य से लेकर दर्शन एवं विज्ञान की धाराओं में एक मौलिक विशिष्टता रही है। जिसने आधुनिक विज्ञान का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया है। इसी से रुष्ट परंपराओं ने राष्ट्रीय जीवन को विकास के ऐसे शिखर तक पहुंचाया है, जिसके बल पर भारतवर्ष कभी आर्थिक क्षेत्र में सोने की चिड़िया तथा ज्ञान के क्षेत्र में जगद्‌गुरु पद पर सुशोभित रहा।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

अपने ही परिजनों की कर रहे हत्या,घोर कलयुग के लक्षण

अशिक्षित हो या शिक्षित समाज में बढ़ती घटनाओं से हरकोई परेशान है। भयग्रस्त जीवन की कड़वी सच्चाई है कि अपने ही खून के प्यासे बनते जा रहे है। यह वास्तविकता है इसे नकारा नही जा सकता है।खून के रिस्ते तार तार होते हुए मूकदर्शक बन समाज देख रहा है। यह पूर्वभव के संस्कार कहे या बिगड़ैल औलादे है जिनके लिए भविष्य का सुनहरा सपना देखने वाले उन्ही के मासूम हाथ गिरेबान तक पहुंच रहे है। आज समाज मे युवा जिस मोडपर खड़ा है और माता पिता के साथ व्यवहार करता है। उससे डर सता रहा है। समय करवट लेते ही अपने ही खून के प्यासे बनते नजर आ रहे है। वो बर्बादी को निमंत्रण दे रहे है। समाज मे पनप रहे कुसंस्कारों की संतानें अपने ही माता पिता या भाई बहन की हत्या का कारण बनते है। यह कलयुग का प्रभाव है। लाड प्यार से पालपोस कर बड़े करने वाले माता पिता की एक पल में हत्या की घटनाओ से समाज को झकझोर कर रख दिया है। जिस तरह से समाज और परिवार में हत्याओं का सिलसिला चल रहा है। वैसा पौराणिक काल के राक्षस जैसा वर्तन आज समाज मे दिखाई दे रहा है। बच्चों के भविष्य को सुधारने वाले बच्चे माता पिता का संसार उजाड़ने में एक पल की देरी नही करते है। अब भरोसा करे तो कैसे करे। समाज मे वैमनस्यता पनप रही है। यह चंद चांदी सोने के टुकड़े या संपति के लिए रस्ते तार तार कर रहे है। प्यार में अड़चन खड़ी करने वाले और अंतरजातीय शादी की स्वीकृति नही मिलने पर संताने बिफर रही है। शिक्षित समाज मे कई ऐसी हत्या की घटना घट चुकी है। जिसकी कल्पन्स मात्र से सिहर उठते है। यह समाज मे फेल रही रूढ़िवादी परम्पराओ को जीवन मे धारण करने की पराकाष्ठा है जिसका विरोध हर समय होता रहता है। समाज में बदलाव हुआ है। जातिवाद की बेड़ियों को तोड़ा जा रहा है और अंतरजातीय लग्न के बंधन में बंधने के लिए जिद्द करने वाले बच्चो के मन की बात नही होती है तब लड़का हो या लड़की गलत कदम उठाने के लिए एक पल का भी विचार नहो करते है। अभिभावकों को सचेत रहने की आवश्यकता है। कन्नौज में 12वी की छात्रा ने अपने पिता का गला रेत दिया। लड़की का एक लड़के के साथ अफेयर था और इसकी जानकारी पिता और भाई को लग गई थी। कटिहार में महिला शिक्षा सेवक के स्कूल जाने के दौरान पूर्व प्रेमी ने गर्दन काटी फिर पेट पर वार किया और दम तोड़ने पर पेट्रोल छिटक कर शव को जला दिया। यह समाज की वास्तविकता है जिससे समाज में किसी को कोई सरोकार नही है। ये अपनी जवाबदारी से यह खहकर पल्ला जाड़ देते है कि इनसे हमारा क्या मतलब है । इस तरह की घटना बढ़ती जा रही है तो उसके पीछे हिंसक मानसिकता काम करती है। शिक्षा संस्कारो की जननी है। फ़िलहाल,आज के समय मे बढ़ती घटनाओं में कमी लाने के लिए बच्चों को कुछ हदतक छूट देने की जरूरत है।

कांतिलाल मांडोत सूरत

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

दोहा-डबलिन उड़ान में टर्बुलेंस के कारण 12 लोग घायल

डबलिन, 27 मई (एजेंसियां)। दोहा से आयरलैंड जा रहे एक विमान के डगमगाने से छह यात्री और चालक दल के छह सदस्य घायल हो गए। डबलिन हवाईअड्डे ने एक बयान में कहा कि कतर एयरवेज का विमान रविवार को दोपहर 1 बजे (12 जीएमटी) से कुछ पहले निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षित रूप से उतर गया। कहा गया कि तुर्की के ऊपर उड़ान भरते समय विमान डगमगाने लगा। छह यात्रियों और चालक दल के छह सदस्य, कुल 12 लोगों के घायल होने की सूचना मिली।

देश विदेश

रफा में इजरायली बमबारी से 40 लोगों की मौत

■ सुरक्षा व एम्बुलेंस कर्मचारियों को शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी

गाजा, 27 मई (एजेंसियां)। गाजा पट्टी के सबसे दक्षिणी शहर रफा में इजरायल ने जबरदस्त बमबारी की है जिसमें कम से कम 40 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। फिलिस्तीनी मीडिया की ओर से ये जानकारी सामने आई है।

रफा में हजारों फिलिस्तीनी शरणार्थी टेंट में संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी के गोदामों के पास रह रहे हैं, जहां इजरायली सेना ने रविवार को लगभग आठ रॉकेट दागे। स्थानीय सूत्रों ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि यह विस्थापित परिवारों की घनी आबादी वाले इलाके पर एक अभूतपूर्व इजरायली हवाई हमला था, जिसमें प्लास्टिक और टिन से बने तंबू और साथ ही नागरिक वाहन भी नष्ट हो गए। फेसबुक पर प्रसारित वीडियो क्लिप में दिखाया गया है कि क्षेत्र में आग की लपटें तेजी से उठ रही हैं और आग ने तंबुओं को अपनी चपेट में ले लिया।

सूत्रों ने बताया कि नागरिक सुरक्षा और एम्बुलेंस कर्मचारियों को शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने सिन्हुआ को बताया कि इस क्षेत्र को हमले से पहले इजरायली सेना ने 'सुरक्षित क्षेत्र' बताया था।रविवार रात जारी एक बयान में, हमास ने बमबारी की निंदा करते हुए इसे आईसीजे के फैसले की पूर्ण अवज्ञा और अवहेलना बताया। आईसीजे ने इजरायल से रफा में आक्रमण रोकने की मांग की थी। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि आईडीएफ विमान ने रफा में हमास परिसर पर हमला किया, जहां हमास आतंकवादी थे। इसमें कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर हमला किया गया।

लेबनान में हिजबुल्लाह नेता समेत 3 लोगों की मौत

बेरूत। दक्षिणी लेबनान के एक शहर और एक गांव को निशाना बनाकर रविवार को किए गए इजरायली हवाई हमलों में हिजबुल्लाह के एक नेता और दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य नागरिक घायल हो गया। लेबनान के सैन्य सूत्रों ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, इजरायली सेना ने पहली बार दक्षिणी लेबनान के नकौरा शहर को टायर शहर से जोड़ने वाली सड़क पर एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाने के लिए आत्मघाती ड्रोन का इस्तेमाल किया, जिसमें एक स्थानीय हिजबुल्लाह नेता की मौत हो गई और एक नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अलग हमले में एक इजरायली ड्रोन ने ऐता अल-शाब गांव में एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाया, जिसमें दो नागरिकों की मौत हो गई। मारा गया हिजबुल्लाह नेता बिंट जेबील शहर का मोहम्मद हसन बेयदौन था और ऐता अल-शाब में मारे गए दो नागरिक रफीक कासिम और हुसैन सालेह थे।

आईडीएफ का हमास के यासीन राबिया को मार गिराने का दावा

यरूशलम। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने सोमवार को कहा कि उसने गाजा पट्टी में राफा शहर के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में हवाई हमले में वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के प्रमुख यासीन राबिया और एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी को मार गिराया है। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर बताया कि आज शाम को आईएएफ के एक विमान ने आईडीएफ और आईएसए खुफिया हमले में यहूदिया और सामरिया में हमास के कमांडर यासीन राबिया के साथ एक वरिष्ठ अधिकारी खालिद नागर को मार गिराया। आईडीएफ ने बताया कि सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर उत्तर-पश्चिम राफा में ताल अस सुल्तान के क्षेत्र में हमला किया गया। बयान में कहा गया है कि राबिया ने यहूदिया और सामरिया में हमास की सभी गतिविधियों को निर्देशित किया और क्षेत्र में हमास के आतंकवादी हमलों की योजना बनाई। बयान में कहा गया कि आईडीएफ उन रिपोर्टों से अवगत है जो दर्शाता हैं कि हमला और गोलीबारी के कारण क्षेत्र के कई नागरिकों को नुकसान पहुंचा था और घटना की समीक्षा की जा रही है। गौरतलब है कि सात अक्टूबर, 2023 को, हमास ने इज़रायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और नागरिक और सैन्य ठिकानों दोनों पर हमला करते हुए सीमा का उल्लंघन किया। इस हमले में इजरायल के लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया था। इज़रायल ने जवाबी हमला शुरू किया, गाजा में पूरी नाकाबंदी करने का आदेश दिया और हमास लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी एन्क्लेव में जमीनी घुसपैठ शुरू की। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, गाजा पट्टी में इजरायल के हमलों में अब तक 35,900 से अधिक लोग मारे गए हैं। माना जा रहा है कि गाजा में अब भी हमास ने 100 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया हुआ है।

सुडोकू 6568

7	1		2					5
3					4		6	
	8	5	3					
	7	9			3		5	1
4								9
1	5		7			6	3	
					5	9	2	
	2		4					3
5					2		1	6

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6568

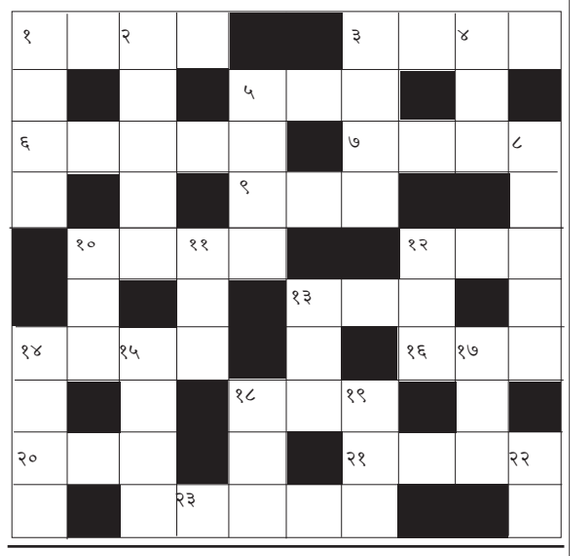

बायें से दायें:-

१. विदूषक, हँसी, मजाक करने वाला,परिहास प्रिय (उर्दू)
३. तिरस्कृत बेइज्जत
५. मुग्ध करने वाला
६. जलयानों के रुकने-ठहरने की जगह
७. जिसे वरदान प्राप्त हो
९. पात्रता, काबिलियत
१०. दूसरे के अधीन, परतंत्र
१२. बहुत अधिक
१३. विशेष बौद्धिक शक्ति, चमक
१४. पूंजी, व्यापार आदि में लगाया गया धन
१६. गूठी, कंकण, दो-दो पंक्तियों की सैनिक स्थिति, घेरा
१८. बधिर, जिसके कानों में सनाई न दे
२०. जलपान
२१. नाश करने वाला
२३. रूढ़िवादी(उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. कलाई
२. सावधान, सचेत
३. बेचैनी
४. बेजान
५. मोह का बंधन
८. सूर्य पुत्र
१०. प्रारंभ, शुरुआत
११. बखान
१२. कमी, न होने का भाव
१३. बहाव
१४. मूल्य निर्धारण
१५. साधुवाद, कृतज्ञता, प्रकाश, वाहवाही
१७. तीव्र लालसा
१८. श्रेष्ठ, उत्तम
१९. असुर, दैत्य
२२. काटा-छांटा या बदला गया, निदान, बेकार निकम्मा (उर्दू)

वर्ग पहेली-6567

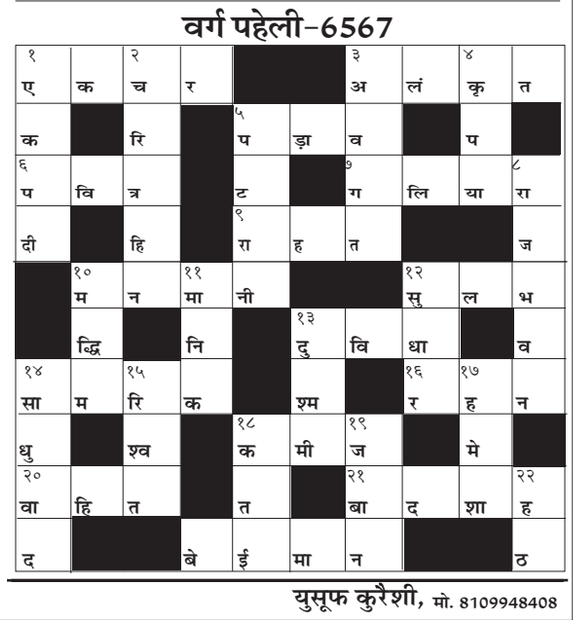

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 28 मई, 2024 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 5

राशिफल

मेष - आपके किसी कार्य या प्रोजेक्ट को सरकार की तरफ से लाभ हो सकता है। ऑफिस में उच्च पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा हो सकती है। ऑफिस के काम से प्रवास होने की संभावना है।

वृषभ - विदेश जाने के इच्छुक लोगों के लिए अधिक अवसर मिलेंगे। विदेश में रहने वाले मित्रों और सगे- सम्बंधियों से अच्छे समाचार प्राप्त कर सकेंगे। व्यापार धंधे में भी आर्थिक लाभ हो सकेगा।

मिथुन - स्वभाव की आक्रमकता के कारण आप अपना नुकसान कर बैठेंगे। स्वास्थ्य अच्छा न हो, तो भी अभी कोई नई चिकित्सा पद्धति नहीं अपनानी चाहिए अथवा ऑपरेशन टालना चाहिए।

कर्क - प्रेम और स्नेह की भावनाओं से अभिभूत हुआ मन आज किसी खास व्यक्ति की तरफ आकर्षित होगा। मनोरंजन और मौज-शौक में आपका दिन व्यतीत होगा।

सिंह - उदासीनता और शंका आपको बेचैन करेंगे। दैनिक काम पूरा होने में थोड़ा समय लगेगा। अधिक परिश्रम करने पर भी निर्धारित फल नहीं मिलेगा। नौकरी के स्थान पर संभलकर चलना पड़ेगा।

कन्या - आज आपको चिंता और भय परेशान करेगा। पेट सम्बंधी तकलीफ हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई में ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे। अचानक किसी बड़े खर्च आने की आशंका बनी रहेगी। बौद्धिक चर्चा में भाग ले सकते हैं।

तुला - आज आपको सावधान रहने की जरूरत है। सतत विचारों के कारण आपकी मानसिक स्थिति कमजोर रहेगी। घर में माता और स्त्रीवर्ग की चिंता हो सकती है। आज यात्रा करने से बचना आपके हित में रहेगा।

वृश्चिक - आप काम में सफलता प्राप्त करेंगे। आर्थिक लाभ और भाग्य वृद्धि होने की संभावना है। सहोदरों के साथ पारिवारिक मामलों पर चर्चा करेंगे और घरेलू योजनाएं बना सकेंगे।

धनु - पारिवारिक सदस्यों के साथ कोई मतभेद हुआ हो, तो आज इगो को अलग रखकर मतभेद दूर करें। गलत जगह पैसे खर्च हो सकते हैं। मन में दुविधा रहने से कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है।

मकर - आज की शुरुआत भगवान की भक्ति और स्मरण से कर सकेंगे। पारिवारिक वातावरण बहुत अच्छा रहेगा। मित्रों तथा स्नेहियों से मेल-मुलाकात हो सकती है। इससे खुशी अनुभव करेंगे। आपका कामकाज सरलतापूर्वक पूरा होगा।

कुंभ - पैसे के लेन-देन में आज बहुत ध्यान रखें। आज किसी को भी पैसा उधार देने से बचें। मन में भय रहेगा। इस कारण एकाग्र नहीं रह पाएंगे। स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। गलत जगह निवेश की योजना बना सकते हैं।

मीन - आप समाज में विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे। सामाजिक कार्यक्रम में आप भाग ले सकेंगे। आपको मित्रों और बुजुर्गों से अच्छी मदद मिलेगी। कोई नया नेटवर्क बनेगा। नौकरी या व्यवसाय में आपकी आय बढ़ेगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1414- खिज्र खान ने दिल्ली की सल्तनत पर कब्जा किया और सैयद वंश के शासन की नींव रखी।
1883- हिंदुत्ववादी नेता और कवि विनायक दामोदर सावरकर का जन्म।
1908- जासूसी उपन्यास जेम्स बॉन्ड के लेखक इयान फ्लेमिंग का जन्म।
1923- दक्षिण भारत के सबसे लोकप्रिय नामों में शुमार नंदमुरि तारक रामाराव का जन्म। फिल्मों में अपार सफलता हासिल करने के बाद एनटीआर ने राजनीति का रूख किया और तीन बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली।
1934- कनाडा के ओंटारियो में ओलिवा और एल्जायर डिओन के यहां पांच बच्चों ने जन्म लिया। इतिहास में यह पहला मौका था जब एक साथ पैदा हुए यह पांचों बच्चे जीवित रहे।
1959- दो अमेरिकी बंदरों ने अंतरिक्ष की सफल यात्रा की।
1961- मानव अधिकारों के संरक्षण और दुनिया को इनके बारे में जागरूक करने के इरादे से लंदन में एमनेस्टी इंटरनेशनल की स्थापना की गई। इसे 1977 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
1967- ब्रितानी नाविक सर फ्रांसिस चिटचेस्टर 65 साल की उम्र में अकेले नाव में दुनिया का चक्कर लगाकर घर पहुंचे।
1970- ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस का औपचारिक तौर पर विभाजन हुआ।
1989- मारथाकवली डेविड भारत की पहली और विश्व की दूसरी महिला ईसाई पादरी बनीं।
1996- प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस्तीफा दिया।
1996- रूस चेचेन्या को अधिकतम स्वायत्तता देने पर सहमत हुआ।
1998- पकिस्तान ने पांच भूमिगत परमाणु परीक्षण किए। इससे महज़ एक सप्ताह पहले भारत ने इसी तरह के परमाणु परिक्षण किए थे।
2002- नेपाल में आपातकाल लागू हुआ
2008- नेपाल में 240 सालों से चली आ रही राजशाही का अंत।

अर्जेंटीना में इस साल पांच महीनों में डेंगू के 488,000 मामले

ब्यूनस आयर्स, 27 मई (एजेंसियां)। अर्जेंटीना में 2024 के पहले पांच महीनों के दौरान डेंगू के 488,000 से अधिक मामले सामने आए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 3.35 गुना अधिक है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय महामारी विज्ञान बुलेटिन के अनुसार इस वर्ष के पहले 20 हफ्तों में डेंगू के 488,035 मामले दर्ज किए गए हैं। सबसे अधिक मामले मध्य क्षेत्र में दर्ज किए गए, उसके बाद उत्तर-पश्चिमी और उत्तरपूर्वी क्षेत्रों में इसके मामले दर्ज किए गए हैं। अर्जेंटीना के 24 में से 19 जिलों में डेंगू पाया गया है और इस सीजन में इससे कुल 343 मौतें हुई हैं। उल्लेखनीय है कि डेंगू लक्षण बुखार, सिरदर्द, मतली और उल्टी, दस्त और पेट दर्द है।

अमेरिका के तीन राज्यों में बवंडर से तबाही, 11 की मौत

■ बवंडर ने पूरे टेक्सास में सतही यातायात को किया प्रभावित

वाशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास, ओक्लाहोमा और अर्कांसस राज्यों में बवंडर के कहर से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बवंडर के कारण कई इमारतें, बिजली और गैस लाइनें और एक ईंधन स्टेशन नष्ट हो गया, जहां कई लोग शरण लिए हुए थे। खबरों में रविवार को यह जानकारी दी गई।

शनिवार रात (स्थानीय समय) उन राज्यों में भयंकर तूफान आया, जहां तापमान बहुत अधिक चल रहा है। टेक्सास का कुक काउंटी, डलास के उत्तर में और डेंटन काउंटी सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से हैं, जहां सात लोगों की मौत हो गई। कुक काउंटी के शेरिफ रे सैपिंगटन ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अधिकारियों को मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि इस बीच खोज एवं बचाव अभियान जारी है और उन्हें जीवित बचे लोगों के मिलने की उम्मीद है।

स्थानीय मीडिया पर फुटेज में दिखाया गया है कि एक ईंधन स्टेशन लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गया है, जिसमें धातु मुड़ गई है और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बीबीसी ने स्थानीय आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण का हवाला देते हुए बताया कि ओक्लाहोमा में मेयस काउंटी में दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अर्कांसस में दो लोगों की मौत की सूचना मिली है, जिसमें एक महिला भी शामिल है, जो अपने टूटे हुए घर में मृत पाई गई थी। अर्कांसस के रोजर्स शहर के पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने कई लोगों को बचाया है जो बवंडर के कारण पेड़ और बिजली की लाइनें गिरने और गैस आपूर्ति लाइनों के क्षतिग्रस्त होने के बाद फंस गए थे।

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हजार से अधिक हुई

पोर्ट मोरेस्बी, 27 मई (एजेंसियां)। प्रशांत महासागरीय देश पापुआ न्यू गिनी के एंगा प्रांत में शुक्रवार को भीषण भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,000 से अधिक हो गई है। राष्ट्रीय आपदा केंद्र (एनडीसी) ने इसकी पुष्टि की है। पापुआ न्यू गिनी में अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के मिशन के प्रमुख सेरहान एक्टोप्राक ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र (संरा) प्रवासन एजेंसी को सोमवार को इस आपदा के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि पोरगेरा खदान का मुख्य राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध है। स्थिति खराब है, क्योंकि भूस्खलन धीरे-धीरे बढ़ रहा है, जिससे बचाव दल और जीवित बचे लोगों दोनों के लिए खतरा बना हुआ है।

ब्राजील में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 169 हुई

साओ पाउलो। दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल प्रांत में गत 29 अप्रैल को आए तूफान के बाद लगातार बारिश होने से अचानक आई बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 169 हो गई है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में तीन और शव बरामद किए गए, वहीं प्रांत में अब तक की सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा में 56 लोग लापता हैं। इसके अलावा, बाढ़ और नदियों के उफान के कारण 23 लाख से ज़्यादा निवासी यहां से विस्थापित हो चुके हैं। रियो ग्रांडे डो सुल के गवर्नर एडुआर्डो लेइट ने अनुमान लगाया कि राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे और अन्य 469 नगर पालिकाओं में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए बुनियादी ढांचे को फिर से बनाने में करीब एक साल लगेगा।

नौसेदा फिर बने लिथुआनिया के राष्ट्रपति

■ सिमोनीटे ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और नौसेदा को उनकी जीत पर बधाई दी

विनियस, 27 मई (एजेंसियां)। निवर्तमान राष्ट्रपति गितानस नौसेदा रविवार को हुए चुनाव में इंग्रिडा सिमोनीटे को हराकर एक बार फिर लिथुआनिया के राष्ट्रपति चुने गए।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने देश के चुनाव आयोग के हवाले से बताया है कि नौसेदा को 74.43 प्रतिशत मत मिले, वहीं सिमोनीटे 24.06 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। नौसेदा ने विनियस में बाल्टिक न्यूज सर्विस (बीएनएस) से कहा कि लिथुआनिया के लोगों ने मुझ पर विश्वास जताया है। मैं उनके विश्वास को संजोकर रखूंगा। अपनी इस जीत के साथ नौसेदा एक बार फिर पांच साल तक लिथुआनिया के राष्ट्रपति बने रहेंगे। बीएनएस ने बताया कि वर्तमान प्रधानमंत्री सिमोनीटे ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और नौसेदा को उनकी जीत पर बधाई दी है। इसके पहले 12 मई को हुए चुनाव में पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को आधे से अधिक मत नहीं मिला था।

तैयारी *ईरान में नए राष्ट्रपति का चुनाव 50 दिनों के भीतर कराने का है नियम*

ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव 28 जून को निर्धारित

तेहरान, 27 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मृत्यु के बाद ईरान में नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए तारीख का ऐलान कर दिया गया है। नए राष्ट्रपति के चयन के लिए 28 जून को चुनाव निर्धारित किया गया है। ईरान के चुनाव मुख्यालय ने राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के उत्तराधिकारी का चयन करने लिए 28 जून का समय निर्धारित किया है। इस चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का उपयोग किया जाएगा। श्री रईसी की 19 मई को एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इस पद के लिए 30 मई से 3 जून तक उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

■ चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का होगा उपयोग
■ रईसी की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में हो गई थी मृत्यु

इसके बाद संवैधानिक परिषद चार से 10 जून तक नामाकंन पत्रों की जांच करेगी। नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया पूरी होने और चुनाव में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची 11 जून को जारी की जाएगी। चुनाव प्रचार 12 से 26 जून तक चलेगा और देश में राष्ट्रपति चुनाव 28 जून को होगा। ईरान के संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत नए राष्ट्रपति का चुनाव 50 दिनों के भीतर कराने का नियम है। इस बीच सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई ने उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर को कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में नियुक्त किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव मुख्यालय ने राजधानी तेहरान सहित कई जिलों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के साथ चुनाव कराने की तत्परता व्यक्त की है, हालांकि संवैधानिक परिषद का निर्णय अंतिम होगा।

ईरानी संविधान के अनुसार प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर ने ईरानी आध्यात्मिक नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई की मंजूरी मिलने के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला। संविधान के अनुसार 50 दिनों के भीतर नए राष्ट्रपति के चुनाव की व्यवस्था करने के लिए संसद अध्यक्ष, न्यायपालिका प्रमुख और कार्यवाहक अध्यक्ष से मिलकर एक परिषद का गठन किया गया। इस दौरान, सांसद किसी भी मंत्री पर महाभियोग नहीं लगा सकते हैं या अविश्वास मत पारित नहीं कर सकते हैं। ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी इजेई और कार्यवाहक राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर ने 28 जून को होने वाले आगामी राष्ट्रपति चुनाव की योजनाओं के लिए शनिवार को एक बैठक की। कार्यकारी, विधायी और न्यायिक प्रमुखों की बैठक ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के निधन के बाद सुचारू रूप से राष्ट्रपति चुनाव कराने की योजनाओं के इर्द-गिर्द रही।

दुनिया को जानें

तेज गर्मी के कारण यूरिन इन्फेक्शन व गुर्दे की पथरी के मामलों में वृद्धि

पुणे, 27 मई (एजेंसियां)। डॉक्टरों ने सोमवार को बताया कि प्रचंड गर्मी से लोगों में यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन और गुर्दे की पथरी के मामलों में वृद्धि देखने को मिल रही है। यूरिनरी ट्रैक्ट पथरी में खनिज और एसिड लवण के छोटे कठोर जमाव होते हैं जो पेशाब के गाढ़ा होने पर बनते हैं। डॉक्टरों ने इस स्थिति से बचने के लिए पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है। ऐसे में बॉडी को हाइड्रेट रखना महत्वपूर्ण है। अपोलो स्पेक्ट्रा पुणे के यूरोलॉजिस्ट डॉ. पवन रहांगडाले ने बताया कि गर्मियों में पेशाब में पथरी की समस्या बढ़ने की संभावना रहती है। यह समस्या तब होती है जब गर्मी के कारण शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है। हर दिन 2 से 3 मरीज पेट दर्द की शिकायत लेकर इलाज के लिए आते हैं। डॉक्टर ने कहा कि गर्म मौसम में नियमित अंतराल पर पानी पीना चाहिए और पेशाब का रंग साफ पानी जैसा होना चाहिए। पीला पेशाब कम पानी पीने का संकेत देता है। डॉक्टर ने सलाह देते हुए कहा कि लगातार पसीने के कारण हमारे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इसके लिए विशेष तौर पर ज्यादा से ज्यादा पानी की जरूरत है।

प्रादेशिकी

विशेष पुलिस व खर्चा आब्जर्वर ने पोलिंग प्रबंधों का लिया जायजा

जालंधर। लोक सभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त विशेष पुलिस आब्जर्वर दीपक मिश्रा एंव विशेष खर्चा आब्जर्वर बी.आर. बालाकृष्णन ने अधिकारियों को अपनी 'राष्ट्रीय ड्यूटी' पूरी लगन से निभाने को कहा ताकि एक जून को होने वाले लोक सभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एंव पारदर्शी ढंग से करवाए जा सकें। पुलिस आब्जर्वर सतीश कुमार, जनरल आब्जर्वर जे. मेघनाथ रेडी, खर्चा आब्जर्वर माधव देशमुख, ज़िला चुनाव अधिकारी डॉ हिमांशु अग्रवाल, पुलिस आयुक्त् राहुल एस. और एस.एस.पी. अंकुर गुप्ता सहित सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों एंव सहायक खर्चा आब्ज़र्वरों के साथ विस्थारित बैठक दौरान उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण वोटिंग चुनाव आयोग की प्राथमिकता है, जिसको सख्ती के साथ लागू करना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही आब्जर्वरों ने स्पष्ट किया कि चुनाव अधिकारी धारा 144 के अंतर्गत पोलिंग बूथों के 100 मीटर के घेरे में किसी भी प्रकार की सभा न होने दें, ताकि प्रत्येक वोटर सुरक्षित महसूस करे ।

दून में अवैध बस्तियों पर बुलडोजर चलना शुरू

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 27 मई (देशबन्धु)। प्रदेश की राजधानी दून में अवैध बस्तियों पर अतिक्रमण करके बनाई गई अवैध कॉलोनियों पर सोमवार से बुलडोजर चलना शुरू हो गया है। देहरादून नगर निगम की टीम ने 27 अवैध बस्तियों में 500 से ज्यादा मकानों को तोड़ने के लिए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी है।

देहरादून में बीते रोज ही देहरादून नगर निगम, एसडीडीए और मसूरी नगर पालिक ने 504 नोटिस जारी किए थे, जिसके बाद आज अवैध मकानों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। 504 नोटिस में से मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने 403, देहरादून नगर निगम ने 89 और मसूरी नगर पालिक ने 14 नोटिस भेजे थे।

इस मामले में ज्यादा जानकारी देते हुए उप नगर आयुक्त गोपालराम बेनवाल ने बताया कि देहरादून नगर निगम ने करीब 525 अवैध अतिक्रमण चिन्हित किए थे। उसमें 89 लोगों पर नगर निगम ने नोटिस जारी किए थे, जिसमें से 15 लोगों ने ही अपने साल 2016 से पहले के निवास के साक्ष्य दिए हैं।

वहीं 74 लोग कोई साक्ष्य नहीं दिखा पाए हैं। उन सभी 74 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अधिकांश लोगों

■ नगर निगम टीम भारी सुरक्षा के बीच पहुंची अतिक्रमण हटाने
■ नगर पालिका मसूरी व नगर निगम क्षेत्र से हटाए जाने हैं 500 अतिक्रमण

ने नोटिस के बाद अपने अतिक्रमण खुद ही हटा लिए थे, लेकिन जिन्होंने नहीं हटाए थे, उनको अभियान के तहत आज हटाया जा रहा है। आज 27 अतिक्रमणों को तोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। शाम तक सभी 27 अतिक्रमणों को तोड़ दिया जाएगा। आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।

प्रशासन ने कानून के अनुसार कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाकर इन अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। हालांकि, इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। उन्होंने प्रशासन के इस कदम का विरोध किया और कहा

कोर्ट के आदेश पर 2016 के बाद बनी अवैध बस्ती की जा रही ध्वस्त

देहरादून। साल 2012 में मलिन बस्तियों के मामले में एनजीटी के सख्त रुख और हाईकोर्ट के अतिक्रमण हटाने के आदेश को देखते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने मलिन बस्तियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरु की थी। कुछ लोगों को तो मालिकाना हक भी मिल गया था, लेकिन 2017 में बीजेपी सत्ता में आई और मलिन बस्तियों के ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए 21 अक्टूबर 2018 को अध्यादेश लेकर आई, जिसकी अवधि 3 साल की थी। 21 अक्टूबर 2021 को इस अध्यादेश की अवधि पूरी होने वाली थी, लेकिन प्रदेश में मुख्यमंत्री बदल चुके थे और एक बार फिर से इस अध्यादेश को अगले 3 सालों के लिए बढ़ाया गया, जिसकी अवधि अब 21 अक्टूबर 2024 को खत्म हो रही है। एक तरफ अध्यादेश खत्म होने की अवधि तो दूसरी तरफ न्यायालय में दर्ज हुई याचिका ने फिर से 2016 के बाद बनी मलिन बस्तियों को लेकर दायर की गई याचिका। जिसमें साल 2016 के बाद तकरीबन 525 अवैध निर्माण चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से अब 503 निर्माण को ध्वस्तीकरण के नोटिस भेजे गए थे, जिन पर आज से कार्रवाई शुरू हो गई है।

कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के अपने घरों से बेदखल कर दिया गया। लोगों का कहना था कि प्रशासन को पहले उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। प्रशासन का कहना है कि ये अतिक्रमण गैरकानूनी थे और उन्हें हटाना जरूरी था। उन्होंने कहा कि नोटिस देने के बाद भी लोगों ने अपने अवैध निर्माण नहीं हटाए, इसलिए उन्हें बुलडोजर से ध्वस्त करना पड़ा। प्रशासन ने कहा कि वह लोगों को वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी सक्रिय हैं। इस कार्रवाई को लेकर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी बयान जारी किया है।

उन्होंने कहा है कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे नहीं होने दिए जाएंगे और जो भी ऐसा करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अवैध बस्तियों के ध्वस्तीकरण पर धस्माना ने सरकार को घेरा

देहरादून। अवैध बस्तियों पर प्रशासन की तरफ से की जा रही इस कार्रवाई पर कांग्रेस ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। उत्तराखंड मलिन बस्ती विकास परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना ने इस मामले पर सरकार को जमकर घेरा है। सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने साल 2016 में मलिन बस्तियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी और उसके बाद से ही वहां रह रहे लोगों को मालिकाना हक देना शुरू किया था। लेकिन 2017 में सरकार बदल गई और बीजेपी ने इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। तब से लेकर अभीतक बीजेपी सरकार ने मलिन बस्तियों के नियमितीकरण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

■ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर कांग्रेस ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई

वहीं, विपक्ष के आरोपों का शहरी विकास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने जवाब दिया। मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ आम लोगों को गुमराह करने का काम कर रही है। सरकार मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों के हितों को संरक्षित करते हुए अध्यादेश लाई थी। अब जब अध्यादेश की अवधि खत्म होगी, उससे पहले सरकार कुछ ना कुछ इस पर ठोस रणनीति बनाएगी।

कंगना को दूसरों के दुख दर्द क्या पता : विक्रमादित्य

शिमला, 27 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मण्डी संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी व लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार कंगना रनौत का नाम लिये बगैर उनपर जमकर हमले किए।

श्री सिंह ने कहा है कि जो बेटी (कंगना) भांबला अपने घर की नही हो सकी वह मण्डी की क्या बनेगी। आज वह अपने को मण्डी की बेटी बता कर लोगों से वोट मांग रही है। आपदा के समय जिसने अपने परिवार की सुध तक न ली हो वह दूसरों के दुख दर्द को क्या समझेंगी। सिंह ने सोमवार को सुंदरनगर विधानसभा के चरखडी, निहरी व डेहर में अपनी चुनावी सभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा की प्रत्याशी को मण्डी में कांग्रेस के विकास कार्य नजर नही आते। उन्होंने कहा कि वह अपनी चुनावी सभाओं में कहती है कि पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह व सांसद प्रतिभा सिंह ने इस क्षेत्र में कोई विकास कार्य नही किया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपना चश्मा बदलने की जरूरत

भाजपा की प्रत्याशी को मण्डी में कांग्रेस के विकास कार्य नजर नहीं आते : विक्रमादित्य सिंह

है। मण्डी में आईआईटी, मेडिकल कालेज व कीरतपुर फोर लेन पूर्व कांग्रेस सरकार व वीरभद्र सिंह की ही देन है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी को मण्डी संसदीय क्षेत्र की कोई भी जानकारी नही है। वह तो मुंबई में और अपनी फिल्मी दुनिया में व्यस्त रहती है और चुनावों के बाद भी इसी में फिर से व्यस्त हो जाएंगी।

उन्होंने कहा कि उनका एजेंडा क्षेत्र के विकास का है जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी ने आज दिन तक अपना न तो कोई विजन ही लोगों को बताया है और न ही अपना कोई एजेंडा।

सार संक्षेप

पोकलैंड के साथ ऑपरेटर खाई में गिरा, मौत

चंपावत। सोमवार तड़के टनकपुर-तवाघाट एनएच के एलागाड़ में कार्य करने के दौरान मलबा आने से पोकलैंड के साथ ऑपरेटर 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। मौके ऑपरेटर की मौत हो गई। घटना सुबह करीब 6 बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही 11 वाहिनी एसएसबी के एसी जुबैर अहमद और उनके साथ 15 जीवन, तहसीलदार राम प्रसाद आर्या, पुलिस के एसाई प्रदीप कुमार, हिलवेज के अधिकारी मौके में पहुंचे। एसएसबी और पुलिस की टीम ने रेस्क्यू कर शव को धारचूला अस्पताल पहुंचाया ।जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, टनकपुर-तवाघाट एनएच में सोमवार सुबह 6 बजकर 18 मिनट में एलागाड़ के पास एनएचपीसी से 100 मीटर आगे हिलवेज कंपनी के ऑपरेटर मलबा सफाई के दौरान अचानक ऊपर से मलबा आने के कारण हिलवेज कंपनी का पोकलेंड मशीन का ऑपरेटर मशीन और मलबे के साथ 50 मीटर गहरी खाई में गिर गया। घटना के बाद से सड़क का कार्य फिलहाल बंद है।

पंजाब में अगले दो दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी

चंडीगढ़ । पंजाब और हरियाणा में शुष्क मौसम के कारण यह राज्य भीषण लू की चपेट में हैं। पंजाब में अधिकांश स्थानों से भीषण गर्मी की खबरें आ रही हैं। पंजाब में कल की तुलना में, आज औसत अधिकतम तापमान में 0.1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। पंजाब में तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। राज्य में बठिंडा में सबसे अधिक तापमान 48.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कल की तुलना में आज औसत अधिकतम तापमान में 0.1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। भटिंडा में भीषण गर्मी देखी गई। अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, पठानकोट , फरीदकोट और चंडीगढ़ में गर्मी का प्रकोप देखा गया।

टोंस नदी में नहाने गए युवक की डूबने से मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में जिला सिरमौर के शिलाई विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले रोनहाट के समीप एक युवक की टोंस नदी में डूबने से मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार हादसा उस समय पेश आया जब युवक टोंस नदी में नहाने उतरा था और देखते ही देखते पानी के तेज बहाव में बह गया। स्थानीय ग्रामीणों ने जब युवक को नदी में डूबता हुआ देखा तो वह उसे बाहर निकालने में लग गए। ग्रामीणों ने अपनी जान को दांव पर लगाकर युवक को पानी से बाहर तो निकाल लिया, लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुका था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल शिलाई में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

सुडोकू 6568 का हल

7	1	4	2	6	8	3	9	5
3	9	2	5	1	4	7	6	8
6	8	5	3	9	7	1	4	2
2	7	9	6	4	3	8	5	1
4	6	3	8	5	1	2	7	9
1	5	8	7	2	9	6	3	4
8	4	6	1	3	5	9	2	7
9	2	1	4	7	6	5	8	3
5	3	7	9	8	2	4	1	6

मोरी ब्लॉक के दूरस्थ सालरा गांव में भीषण अग्निकांड

■ आग में 6 मकान जलकर हुए राख
■ वायु सेना से मांगी गई मदद
■ रेस्क्यू टीम मौके पर रवाना

उत्तरकाशी, 27 मई (देशबन्धु)। सीमांत जिले उत्तरकाशी के मोरी ब्लॉक के दूरस्थ सालरा गांव में बड़ा हादसा हो गया। यहां भीषण अग्निकांड में लकड़ी के 6 आवासीय मकान जलकर खाक हो गए। अभी भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। सूचना पाकर फायर, एसडीआरएफ और प्रशासन की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई है। घटना सुबह 11:30 बजे की बताई जा रही है।

उत्तरकाशी जनपद के दूरस्थ मोरी तहसील के अंतर्गत सालरा गांव में भीषण आग लगने की सूचना है। मोरी तहसील के स्थान बेनोल से सालरा गांव की पैदल दूरी 8 किलोमीटर है। घटनास्थल के लिए एसडीआरएफ, फायर सर्विस, राजस्व, वन विभाग और पुलिस की टीम रवाना हो चुकी है।

सालरा गांव समुद्र तल 2018 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। ग्राम प्रधान सालरा ने ही प्रशासन को आग लगने की घटना की सूचना दी थी। जिसके बाद एसडीआरएफ, पुलिस और राजस्व टीम को मौके पर रवाना किया गया। बताया जा रहा है कि मोरी से अग्निशमन टीम भी घटनास्थल के लिए रवाना की गई है। मेडिकल टीम, वन विभाग व पशु चिकित्सा टीम भी

घटनास्थल पर भेजा गया। मिली जानकारी के अनुसार गांव में पानी नहीं है। इसके अलावा नेटवर्क की सुविधा भी नहीं है। पानी करीब आधा किमी दूर है। इस कारण आग पर काबू पाने में समय लग रहा है। आग की जद में अन्य आवासीय घरों के आने का भी खतरा बना हुआ है।

उत्तरकाशी जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने भी उपजिलाधिकारी पुरोला व तहसीलदार मोरी से घटना की जानकारी ली। साथ ही राहत और बचाव कार्यों को तेजी से करने के निर्देश दिए हैं।

चलती कार में लगी आग, बाल-बाल बचा चालक

हरिद्वार। श्यामपुर क्षेत्र में चलती कार पर अचानक आग भड़क गई। गनीमत रही कि लपटें उठता देख चालक ने तत्काल कार सड़क किनारे खड़ी कर दी और खुद नीचे उतर गया। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। देखते ही देखते कार चालक के आंखों के सामने आग का गोला बन गई। इसी बीच श्यामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बमुश्किल आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि उसकी कार को दूसरी कार टक्कर मारकर चला गई थी, जिसका पीछा करने पर उसके कार में आग लग गई। श्यामपुर थाना इंचार्ज नीतिश शर्मा ने बताया कि घटना आज दोपहर करीब डेढ़ बजे के आस पास की है। जहां क्विड कार हरिद्वार से नजीबाबाद की तरफ तेजी से जा रही थी। तभी कांगड़ी में स्थित प्रेम भोजनालय के पास अचानक उसमें आग लग गई।

आग लगता देख चालक अमन कुमार पुत्र रामकृष्ण निवासी कुर्बालियन, मंसूरपुर, मुजफ्फरनगर (यूपी) हाल निवासी रोशनाबाद (हरिद्वार) ने तत्काल बाहर निकलकर खुद को बचाया। कार में अमन कुमार के अलावा कोई और सवार नहीं था। आग लगने की सूचना पर श्यामपुर थाने से पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और अग्निशमन यंत्र से आग बुझाई। आग बुझाने में पुलिस को काफी पसीना बहाना पड़ा। वहीं, कार चालक अमन कुमार ने पुलिस को बताया कि चंडी चौक के पास एक स्कॉर्पियो ने उसकी कार को टक्कर मार दी थी, जिसका तेजी से पीछा करते हुए वो यहां तक पहुंचा। तभी उसकी कार में आग लग गई। ऐसे में माना जा रहा है कि अत्यधिक गर्मी और गाड़ी की स्पीड तेज होने के कारण आग लगी हो।

जमीनी विवाद को लेकर लक्सर में खूनी संघर्ष

■ जमीन जोतने का विरोध करने पर महिला पर चढ़ाया ट्रैक्टर
■ मौके पर खड़ी तीन बाइकों में लगाई आग

लक्सर, 27 मई (देशबन्धु)। महाराजपुर कला गांव और केवलपुरी गांव के ग्रामीणों के बीच जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की विवादित जमीन पर ट्रैक्टर से जुताई करने का प्रयास किया। विरोध करने पर जुताई करने वाले पक्ष ने एक महिला के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। इतना ही नहीं उन्होंने तीन बाइकों पर आग भी लगा दी। इसी बीच सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक मारपीट करने वाले लोग फरार हो गए। उधर, घायल महिला को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, महाराजपुर खुर्द गांव निवासी और वर्तमान प्रधान अरुण कुमार के पिता मांगेराम का पड़ोसी गांव केवलपुरी निवासी दो भाइयों सुखबीर व महावीर के बीच जमीनी विवाद चल रहा है। प्रधान अरुण कुमार ने आरोप लगाया कि उसके पिता ने साल 2002 में 18 बीघा जमीन का इकरारनामा सुखबीर और महावीर के साथ किया था, लेकिन सुखबीर आदि ने उस जमीन की फर्जी वसीयत तैयार कर बैनामा अपने नाम करा लिया।

अरुण ने बताया कि जमीन को लेकर कोर्ट में भी विवाद चल रहा है, लेकिन इसके बावजूद भी सुखबीर और महावीर ने अपने पक्ष के चार लोगों के साथ मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने विवादित जमीन पर ट्रैक्टर से जुटाई करना शुरू कर दिया। ग्राम प्रधान अरुण कुमार का आरोप है कि इस दौरान खेत में उसकी माता सविता देवी भी मजदूरों के साथ काम करने के लिए गई हुई थी। उन्होंने उनकी मां के ऊपर भी ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का विरोध किया तो आरोप है कि दूसरे पक्ष ने मौके पर खड़ी तीन बाइकों पर भी आग लगा दी। जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। इसी बीच किसी ने घटना की सूचना लक्सर कोतवाली पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही लक्सर कोतवाली से पुलिस की टीम मौके के लिए रवाना हुई।

पुलिस के पहुंचने से पहले ही सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल को लक्सर अस्पताल पहुंचाया। जहां से डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए महिला को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया है।कोतवाली प्रभारी लक्सर राजीव रौथाण ने कहा कि अभी घटना के मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है। फिलहाल, पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है, उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विदेशों से भारी संख्या में चारधाम पहुंच रहे श्रद्धालु

देहरादून, 27 मई (देशबन्धु)। श्री केदारनाथ धाम में दर्शनों के लिए देश से ही नहीं विदेशों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। दर्शनों को पहुंच रहे श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु राज्य सरकार एवं स्थानीय प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग से केदारनाथ धाम तक सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं जिससे कि पहुंच रहे श्रद्धालु सभी सुविधाएं पाकर अभिभूत नजर आ रहे हैं।

■ राज्य सरकार की व्यवस्था को बताया बेहतर

जापान के निवासी केदारनाथ धाम पहुंचे विदेशी श्रद्धालु उका मोटो ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि वो गुरूग्राम में आटोमोटिव कंपनी के लिए काम करते हैं। उनकी श्री केदारनाथ धाम के दर्शनों की इच्छा थी और इसी को लेकर वह सड़क मार्ग से श्री केदारनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने कहा कि श्री केदारनाथ धाम एक बहुत ही पवित्र स्थल है और यहां प्रशासन की

ओर से बेहतर व्यवस्था की गई है।

इसी तरह नेपाल से आई श्रद्धालु लक्ष्मी सुरेशी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वर्ष से ही केदारनाथ धाम के दर्शन की योजना बनाई थी। और यहां आकर उनका सपना साकार हो गया। उन्होंने बताया कि वो गौरीकुंड से केदारनाथ धाम तक पैदल ट्रैक से होकर आई हैं। उन्होंने बताया कि वो यहा आकर बहुत उत्साहित हैं। नेपाल से ही आए अन्य श्रद्धालु प्रिंसा और सोनू गुप्ता ने भी बताया कि उन्हें केदारनाथ आकर बहुत अच्छा लगा।

मतदान प्रतिशत में वृद्धि हासिल करने वाले बीएलओ को नकद पुरस्कार

चंडीगढ़, 27 मई (एजेंसियां)। स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) और सोशल मीडिया जिला नोडल अधिकारियों के साथ एक बैठक में, पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सिबिन सी ने सोमवार को घोषणा की कि सीईओ का कार्यालय बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को प्रोत्साहित करने की योजना बना रहा है।

सीईओ ने कहा कि 2019 के मतदान प्रतिशत की तुलना में 10 प्रतिशत या उससे अधिक मतदान प्रतिशत में वृद्धि हासिल करने वाले बीएलओ को पांच हजार रुपए का नकद पुरस्कार और राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन बूथों पर बीएलओ के लिए समान प्रोत्साहन की योजना बनाई गई है, जहां मतदाता मतदान 75 प्रतिशत से अधिक है।

तीन अंतरराज्यीय वाहन चोर दबोचे, आठ बाइक बरामद

उधमसिंहनगर, 27 मई (देशबन्धु)। अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से रुद्रपुर, ट्रांजिट कैम्प, बरेली उत्तर प्रदेश आदि कई स्थानों से चुराई गई 8 बाइक भी बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार बीते कुछ दिनों से थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में लगातार घट रही बाइक चोरियों की घटनाओं के खुलासे के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया। बाइक चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीते रोज सूचना मिली कि उक्त चोरियों में शामिल कुछ लोग क्षेत्र में देखे गए है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताए गए स्थान मोदी मैदान थाना ट्रांजिट कैंप के पास से बाइक चोरी गैंग के तीन शातिर चोरो को धर दबोचा गया। जिनके पास से चोरी की दो बाइक भी बरामद की गई है। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपना नाम आकाश सिंह पुत्र गिरीश चंद्र निवासी ग्राम फिरमा थाना शाहबाद जिला शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश, हाल पता गोल मडैया थाना ट्रांजिट कैंप उधम सिंह नगर, विकास चौहान पुत्र शिव कुमार चौहान निवासी तालीमगंज थाना दाता गंज जिला बदायूं उत्तरप्रदेश, हाल निवासी गोल मड़िया थाना ट्रांजिट कैंप उधम सिंह नगर व क्षितिज कुमार पुत्र मनोज कुमार निवासी ग्राम मूसेपुर जयसिंह थाना बरखेड़ा जिला पीलीभीत उत्तर प्रदेश, हाल पता खुशी मेडिकल स्टोर के निकट, जनपथ रोड, थाना ट्रांजिट कैंप बताया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चुरायी गयी अन्य छह बाइक भी बरामद की गयी है। उन्होने बताया कि वह उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के रुद्रपुर, पंतनगर, किच्छा, गदरपुर तथा आसपास के क्षेत्रों में भीड़भाड़ वाले स्थानों में पहले रैकी करने के बाद मोटरसाईकिल चोरी कर लेते थे और उसकी पहचान छिपाने के लिए उसका नंबर प्लेट हटा देते हैं तथा गाड़ियां चोरी कर झाड़ियों में छिपा देते थे तथा उन्हें जरुरतमंदो को औने पौने दामों में बेच देते थे।

मुख्यमंत्री धामी ने सुनी बुजुर्ग महिला की समस्या

■ समाधान का भरोसा पाकर महिला हुई संतुष्ट
■ नाती को अंडर-16 टीम में भर्ती कराने की उठाई मांग

देहरादून, 27 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सचिवालय में चारधाम की तैयारियों को लेकर बैठक करने के बाद जैसे ही बाहर निकले तभी एक बुजुर्ग महिला प्रेमलता डोगरा उनकी फ्लीट के सामने आकर खड़ी हो गई। जिससे सीएम धामी का काफिला रुक गया। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने बुजुर्ग महिला को साइड करने की कोशिश की, मगर महिला सीएम धामी के पास जाने की जिद करने लगी। जिसके बाद सीएम धामी ने खुद महिला को अपने पास बुलाया और उनकी समस्या को बड़े ही ध्यान से सुना। सीएम धामी ने महिला को

समाधान का भरोसा भी दिलाया।

बता दें क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की अंडर 16 टीम में नाती की भर्ती कराई जाने को लेकर प्रेमलता डोगरा लगातार लोगों से मिल रही थी। अंडर 16 में नाती का सिलेक्शन न होने से प्रेमलता डोगरा परेशान थी। जिसके बाद प्रेमलता डोगरा आज सुबह ही सचिवालय पहुंच गई। इस दौरान उन्होंने सचिवालय के अंदर जाने की कोशिश की, मगर सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें गेट पर ही रोक दिया। इतना सब होने के बाद भी प्रेमलता डोगरा ने हार नहीं मानी। बुजुर्ग महिला सीएम धामी के बाहर निकलने तक सचिवालय के गेट पर उनका इंतजार करती रही।

चारधाम की तैयारियों की बैठक लेकर जैसे ही सीएम धामी का काफिला बाहर निकला वैसे ही बुजुर्ग महिला प्रेमलता डोगरा सीएम की गाड़ी के सामने आ गई। जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आनन-फानन में सुरक्षाकर्मी बुजुर्ग महिला के पास पहुंचकर उसे दूपर करने की कोशिश करते दिखे, बुजुर्ग महिला भी सीएम धामी से मिलने की जिद पर अड़ी रही। इस दौरान सीएम धामी की नजर भी बुजुर्ग महिला पर पड़ी। जिसके बाद उन्होंने उसे अपने पास बुलाकर उनकी समस्या को तसल्ली से सुना। साथ ही सीएम धामी ने उन्हें समाधान का भरोसा भी दिलाया।

इस पूरे मामले में पुलिस प्रशासन की लापरवाही भी देखने को मिली। बुजुर्ग महिला काफी देर से गेट के बाहर खड़ी थी, तो सिक्योरिटी ने इसकी जानकारी क्यों नहीं ली? महिला को साइड क्यों नहीं किया गया? जबकि सीएम गेट से बाहर निकलते हैं तो उस दौरान सभी गाड़ियों का आवागमन रोक दिया जाता है, साथ ही वहा खड़े लोगों को भी हटा दिया जाता है, मगर इस मामले में ऐसा कुछ नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन कार्यालय का किया निरीक्षण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ऋषिकेश पहुंचकर चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन कार्यालय एवं श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनसे व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं समेत पेयजल, भोजन, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए विश्राम स्थल, स्वास्थ्य केन्द्र एवं यात्रा नियंत्रण कक्ष में सभी सुविधाओं का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, आईजी के.एस. नगन्याल एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के दिए निर्देश

प्रादेशिकी

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

फर्रुखाबाद, 27 मई (देशबन्धु)। जिले में ग्राम गडिया ढिलावल और नगला खैरबंद के बीच एक डंपर ने बाइक सवार को कुचल दिया। लड़के का नाम सुफियान है जिसकी उम्र 20 वर्ष थी और उसके पिता का नाम शमसाद बताया जा रहा है। लड़के की माता का नाम साधना बेगम है। जिनका 6 वर्ष पहले निधन हो गया था। लड़के के बड़े भाई का नाम रेहान है। लड़का बीसीए कंप्यूटर कोर्स कर रहा था। परिवार जनों ने बताया की लड़का घर से अपनी ननिहाल छिबरामऊ गया था और वापस अपने घर आ रहा था लड़के का घर नवाबगंज क्षेत्र के तुर्कीपुर गांव में है। लड़का अपनी ननिहाल से वापस घर जा रहा था गढ़िया ढीलावाल और नगला खैरबंद के बीच अंडर पास के पास एक डंपर ने बाइक पर सवार लड़के को रौंद दिया जिसका नाम सुफियान था साथ में एक बाइक और थी जो बाइक बिल्कुल कुचल गई।

शरिया से नहीं, संविधान से चलेगा देश : योगी

- मुख्यमंत्री ने घोसी, बलिया, रॉबर्ट्सगंज व वाराणसी लोकसभा सीटों के लिए की चुनावी जनसभाएं
- मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में की मतदान करने की अपील

लखनऊ, 27 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पार्टी प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने मऊ में घोसी, बलिया, रॉबर्ट्सगंज और वाराणसी लोकसभा सीटों के लिए चुनाव प्रचार करते हुए विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। सीएम के निशाने पर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस और सपा रहे। वहीं उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को भी जनता के सामने रखा। उन्होंने कांग्रेस को उसके मेनिफेस्टो के आधार पर घेरते हुए कहा कि वह देश में जजिया कर लगाने की बात कर रही है, साथ ही पर्सनल लॉ को लागू करके भारत में शरियत कानून स्थापित करने और तीन तलाक जैसी कुप्रथा को फिर से शुरू करना चाहती है। सीएम योगी ने इंडी गठबंधन को लेकर कहा कि ये लोग पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में सेंधमारी करके मुसलमानों को देना चाहते हैं। वहीं सपा पर हमलावर रुख अख्तियार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सपा राज में माफिया गरीब के बेटों को मारते थे, ऐसे माफिया तत्वों को मिट्टी में

सपा राज में माफिया गरीब के बेटों को मारते थे, ऐसे माफिया तत्वों को मिट्टी में मिलाया जा चुका है : योगी आदित्यनाथ

मिलाया जा चुका है। यह बेटियों और महिलाओं को घर में कैद करने की साजिश कर रहे हैं, लेकिन इन्हें ये नहीं पता कि यह देश बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान से चलेगा।

प्रदेश में माफिया के अंत के बाद अब भारी पैमाने पर आ रहा है निवेश

गाजीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी से माफिया का सफाया करने के बाद अब प्रदेश में भारी पैमाने पर निवेश आ रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में बड़े स्तर पर निवेश हो रहा है, जिसके बाद यहां फैक्ट्रियां लगेंगी और नौजवानों को यहीं पर नौकरी भी मिलेगी। योगी ने सपा पर प्रहार करते हुए कहा कि इन लोगों ने गरीबों के बेटों को मारने का संकल्प लिया था, तो हमने भी माफिया को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया और आज माफिया मिट्टी में मिल चुके हैं। योगी आदित्यनाथ मोहम्मदाबाद में बलिया लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी नीरज शेखर के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद हम मथुरा जाने की तैयारी कर रहे हैं। सोनभद्र में चुनावी जनसभा के दौरा सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में भारत के विकास और विरासत के बारे में संवेदना है। उसी का परिणाम है कि 500 वर्ष बाद अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है। पीएम मोदी ने 2025 को जनजातीय (भगवान बिरसा मुंडा) वर्ष के रूप में घोषित करने का ऐलान किया है। भारत अगला वर्ष जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाएगा। भगवान बिरसा मुंडा महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। भारत को आजादी के लिए उन्होंने सर्वस्व न्योछावर करते हुए जनजातीय बंधुओं को इससे जोड़ने के लिए प्राण प्रण से कार्य किया था।

सीएम ने अपील की कि लोकसभा चुनाव में रॉबर्टसगंज और विधानसभा चुनाव में दुद्धि भी देश की आवाज के साथ जुड़ेगा। रिंकी कोल को कप प्लेट चुनाव निशान पर मिला वोट दिल्ली में पीएम मोदी और श्रवण गौड़ को कमल पर वोट सीधे मेरे पास आएगा। वाराणसी में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज काशी का मंत्र पूरे देश में गूंज रहा है। काशी ने ही फिर एक बार मोदी सरकार का नारा दिया। आज जो काशी सोचती है वही पूरा देश सोचता है।

देश को इंडी गठबंधन से सावधान रहने की जरूरत : मुख्यमंत्री

मऊ में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को इंडी गठबंधन से सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि यह कहते हैं कि सत्ता में आएंगे तो विरासत टैक्स लगाएंगे। इनका यह टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है। ये कहते हैं कि सत्ता में आने पर पर्सनल लॉ लागू करेंगे यानी यह देश में तालिबानी और शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। हम देश में फिर से तीन तलाक की कुप्रथा को शुरू नहीं होने देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्ष में दुनिया में देश और भारत के हर नागरिक का सम्मान बढ़ा है। ऐसे में पूरे देश में एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार का नारा गूंज रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घोसी लोकसभा क्षेत्र के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी डॉ. अरविंद राजभर के पक्ष में वोट की अपील की।

सपा विधायक रफीक अंसारी की जमानत खारिज, गिरफ्तार

- 1995 में जाम लगाने और तोड़फोड़ मामले में जारी हुए थे गैरजमानती वारंट
- गैर जमानती वारंट को हाईकोर्ट में दी थी चुनौती

मेरठ, 27 मई (देशबन्धु)। सोमवार को सपा विधायक रफीक अंसारी को लखनऊ से मेरठ लौटते वक्त बाराबंकी में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। द्वारा एनबीडब्लू जारी होने के बाद से रफीक अंसारी कोर्ट सात दिनों से अंडरग्राउंड चल रहे थे। पुलिस की तीन टीमें उनकी तलाश में छापेमारी कर रही थीं। हाईकोर्ट से जारी हुए गैर जमानती वारंट के बाद भी वह पेश नहीं हुए। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया, सपा विधायक रफीक अंसारी को लेकर देर शाम पुलिस मेरठ पहुंची। यहां विधायक को कोर्ट में पेश करने से पहले जिला अस्पताल में हेल्थ चौकअप कराया गया। इसके बाद विधायक को एसीजेएम फर्स्ट की कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया है। एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया। विधायक समर्थकों ने कोर्ट रूम के बाहर समाजवादी पार्टी जिंदाबाद और रफीक अंसारी के जिंदाबाद के नारे भी लगाए। 1995 में मेरठ में जाम लगाने और तोड़फोड़ करने के मामले में रफीक समेत 40 लोगों पर केस दर्ज हुआ था। इसमें रफीक समेत 22 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई थी। 1997 में कोर्ट ने इस मामले में रफीक के अलावा सभी को बरी कर दिया था। बरी नहीं होने के खिलाफ रफीक इलाहाबाद हाईकोर्ट चले गए। कोर्ट में कहा कि जिस मामले में सभी बरी हो चुके हैं, उसमें मुझे भी बरी किया जाए। लेकिन, कोर्ट ने उन्हें बरी नहीं किया। कोर्ट ने उन्हें कई बार नोटिस भेजा। लेकिन अंसारी कोर्ट में पेश नहीं हुए। इस पर गैर जमानती वारंट जारी किए गए। इसके बाद अंसारी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर गैर जमानती वारंट को चुनौती दी, लेकिन कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही कोर्ट ने सपा विधायक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए। विधायक रफीक अंसारी के वकील अमित दीक्षित ने बताया- मेरठ में 1995 में कुछ कमेला और मीट की दुकानों में आगजनी हुई थी। उस मामले में थाना नौचंदी में मुकदमा दर्ज किया गया। तब उसमें रफीक का नाम नहीं था।

सार संक्षेप

छह सूत्री मांगों को लेकर नारेबाजी कर दिया धरना

मवाना। भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ताओं ने सोमवार को विद्युत वितरण खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता कार्यालय पर ताला डाला और अधिशासी अभियंता को बंधक बनाकर धरने पर बैठाया। कार्यकर्ताओं ने छह सूत्री मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए कार्यालय परिसर में धरना दिया। उन्होंने छह सूत्रीय ज्ञापन देते हुए कहा कि यदि समय रहते उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन तहसील मवाना के कार्यकर्ता सोमवार को 11 बजे एकत्रित होकर मिल रोड स्थित विद्युत वितरण खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता कार्यालय पर पहुंचे और वहां पर नारेबाजी करते हुए अधिशासी अभियंता कार्यालय पर ताला लगा दिया। ताला लगाने के समय कार्यालय में तैनात कर्मचारी बाहर चले गये। भारतीय किसान यूनियन के एनसीआर महासचिव नरेश चौधरी के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी, युवा जिलाध्यक्ष अनूप यादव, सतेंद्र तालियान, प्रीत यादव, अनुराग चौधरी, अंकित जावला, चौधरी हर्ष चाहल, मोनू टिकरी, विपुल, मोहित पोसवाल, अनुज चौधरी, विकास यादव, अंकुर यादव, सौरभ अगवानपुर, बीरसिंह चौधरी, गजराज तोफापुर ने ताला लगाकर कार्यालय परिसर में नारेबाजी कर धरना शुरू कर दिया।

प्रेम प्रसंग में बीएससी के छात्र नें फांसी लगाकर दी जान

फर्रुखाबाद। प्रेम प्रसंग के चलते पिता की फटकर से आहत बीएससी के छात्र नें फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों नें पोस्टमार्टम से इंकार कर दिया। थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के ग्राम अर्रापहाड़पुर निवासी महेश जाटव का 21 वर्षीय पुत्र अमित जाटव बीएससी का छात्र था। महेश चन्द्र ने बताया की पुत्र अमित का एक किशोरी से नजदीकी थी। जिसका हम लोगों नें विरोध किया। उसे डांट दिया जिसके बाद उसने पंखे के कुंडे में फांसी लगा ली। परिजनों को जानकारी होनें पर उसे लोहिया अस्पताल लेकर आए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

सुचारू विद्युत आपूर्ति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि. की प्रबंध निदेशक के निर्देशन में एवं निदेशक (तकनीकी) की अध्यक्षता मे विद्युत आपूर्ति के संबंध मे वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आहूत हुई, बैठक में विद्युत सप्लाई की समीक्षा की गई। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में डिस्कांम के समस्त 14 जनपदों के अधिकारियों से विद्युत आपूर्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। 26 मई को कंकरखेडा, मेरठ में केबल क्षतिग्रस्त होने से विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर अधिकारियों से जवाब-तलब किया गया। अवर अभियन्ता सोनू कुमार, जितेन्द्र वर्मा, उपखण्ड अधिकारी एवं सुधांशु श्रीवास्तव, अधिशासी अभियन्ता विद्युत नगरीय चर्तुथ, मेरठ को अधिक समय तक विद्युत आपूर्ति बाधित होने के संबंध में डिस्कॉम द्वारा कारण बताओ नोटिस निर्गत किया गया है। इस संबंध में धीरज सिन्हा मुख्य अभियन्ता मेरठ क्षेत्र, प्रथम मेरठ द्वारा भी आश्वस्त किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बाधित होने की जॉच कराकर, संबंधित के विरुद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी।

शेक साब रेस्टोरेंट का किया गया शुभारंभ

किठौर, 27 मई (देशबन्धु)। सोमवार को मेरठ-गढ़ रोड किठौर पर आर के पेट्रोल पंप के सामने शेक साब रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया गया। यह रेस्टोरेंट आधुनिक मशीनरी से सुसज्जित है और इसके मेन्यू को एकदम नए तरीके से बनाया गया है। उसमें कस्बे के और बाहर के सैकड़ो लोगों ने शिरकत की और इस गर्मी के मौसम में नई तकनीक को कस्बा क्षेत्र में लाने के उपरांत लोगों में खुशी रही बहुत उद्घाटन में भारी संख्या में लोग पहुंचे जिसमें पूर्व सांसद व बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बाबू मनकाद अली के बड़े बेटे नगर पंचायत किठौर के चेयरपर्सन पति सलमान मुंनकाद मैं पहुंचकर उद्घाटन को नई दिशा दी, शाहजहांपुर के अध्यक्ष वसीउर रहमान खान, रियासत मंद खान , नसीब आलम खा, जाकिर खान, वासिक पठान, अथर खान, शाहबाज खान, सराहतमंद खान डॉक्टर अहकम खान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मनोज अधाना, वासिक पठान, वसी खान बैंक वाले आदि उपस्थित रहे रेस्टोरेंट के मलिक मोहम्मद असद खान ने रेस्टोरेंट से संबंधित लोगों को जानकारी दी मौजूद थे।

रक्तदान सर्वश्रेष्ठ दान, सभी की सहभागिता जरूरी : डा.सुधीर गिरि

- वैंकटेश्वरा में वृहद रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन
- पूरे देश में रक्तदान जागरूकता शिविर लगाएगा समूह : डा. राजीव त्यागी
- रेडक्रॉस सोसायटी ऑफ इंडिया के साथ मिलकर लगाया शिविर
- स्वैच्छिक रक्त-दाताओं ने 268 यूनिट रक्तदान कर लोगों के जीवन बचाने की ली शपथ

मेरठ, 27 मई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय, विम्स मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, वी.जी.आई. मेरठ, एवं रेडक्रॉस सोसायटी ऑफइंडिया के संयुक्त तत्वावधान में संस्थान में एक 'वृहद रक्तदान शिविर' का शानदार आयोजन किया गया, जिसमे संस्थान प्रबंधन, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए दो सौ अड़सठ (268) यूनिट रक्तदान किया। इस अवसर पर

स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने संस्थान परिसर में हाथों में तख्तियां लेकर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित भी किया एवं रक्तदान कर लोगों के जीवन को बचाने की शपथ दिलाई। वैंकटेश्वरा संस्थान के ब्लड बैंक ब्लड सेन्टर में आयोजित 'वृहद रक्तदान शिविर' का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि, रेडक्रॉस दिल्ली से डा. अनुराग, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, सीइओ अजय श्रीवास्तव, एमएस डा. आई बी. राजू, पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डा. गरिमा भटनागर आदि ने फीता काटकर एवं सरस्वती मां की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

नगर पंचायत ने चलाया बकाया वसूली अभियान

किठौर, 27 मई (देशबन्धु)। सोमवार को नगर पंचायत किठौर व शाहजहांपुर में बकाया वसूली अभियान चलाया गया। जिसमें अवर अभियंता धनंजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन लोगों पर कस्बा क्षेत्र में विद्युत विभाग का बकाया है उन्हें समझा कर बकाया की वसूली की जा रही है वही बकाया वसूली के लिए शाहजहांपुर में एक कैंप भी लगाया गया। जिसमें कस्बे में सार्वजनिक ऐलान के माध्यम से लोगों को वसूली के लिए जागरूक भी किया गया वही वही आगे जानकारी देते हो बताया कि जिन लोगों ने कस्बे में बड़े प्रतिष्ठान किसी भी चीज के कर रखे हैं उनको कमर्शियल कनेक्शन की जानकारी दी गई। इस बकाया वसूली अभियान के लिए कस्बे के लाइनमैन और अवर अभियंता मौजूद रहे।

शोभित विश्वविद्यालय में आइडिया लैब का किया गया उद्घाटन

मेरठ, 27 मई (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय मेरठ में शोभित विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कुंवर शेखर विजेंद्र द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा प्रायोजित आइडिया लैब का उद्घाटन किया गया। इस आईडिया लैब का उद्देश्य नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है इस लैब का मुख्य उद्देश्य छात्रों शिक्षकों और अनुसंधानकर्ताओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहां पर वह अपने विचारों को वास्तविकता में बदल सके। यह लैब आधुनिक उपकरणों और संसाधनों से सुसज्जित होगी। जिससे कि सभी सदस्य अपने प्रोजेक्ट पर काम कर सकेंगे और नए-नए आविष्कार कर सकेंगे। इस आईडिया लैब में विभिन्न प्रकार के अनुसंधान एक साथ कर सकेंगे जिसमें अलग-अलग ट्रेड के छात्र जैसे कंप्यूटर साइंस इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल के छात्र एक साथ मिलकर कार्य कर सकेंगे। इसके माध्यम से छात्र अपने अनुसंधानों को वास्तविकता में बदल सकेंगे और नए उद्यम शुरू करने वाले युवाओं को भी लाभ मिलेगा। उद्घाटन

- अलग-अलग ट्रेड के छात्र एक साथ मिलकर कर सकेंगे कार्य
- आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित लैब

सत्र में बोलते हुए कुंवर शेखर विजेंद्र ने कहा कि इस योजना को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विचार विकास, मूल्यांकन और अनुप्रयोगों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इससे छात्रों में कल्पनाशीलता, रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, डिजाइन सोच, समस्या समाधान और सहयोग जैसे कौशल विकसित होंगे।

इंडियन बैंक ने की किसान संगोष्ठी आयोजित

मवाना, 27 मई (देशबन्धु)। हस्तिनापुर रोड स्थित इंडियन बैंक की मवाना शाखा ने सोमवार को ग्राम सैफपुर करमचंदपुर में ग्राम प्रधान अनुज भाटी के निवास स्थान पर किसान संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें आये बैंक अफसरों ने किसानों को बैंक द्वारा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा किसान क्रेडिट कार्ड की जागरूकता के लिए जागृत किया। संगोष्ठी में आये इंडियन बैंक के अंचल कार्यालय मेरठ से सहायक महाप्रबंधक नवीन कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड के समय पर नवीनीकरण के फायदे बताएं तथा सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि नियत समय पर किसान क्रेडिट कार्ड का नवीनीकरण करने वाले किसानों को गर्वित किसान प्रमाण पत्र दिया जायेगा। संगोष्ठी में उन्होंने ऐसे कई किसानों को गर्वित किसान प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। ग्राम प्रधान अनुज भाटी के निवास स्थान पर आयोजित संगोष्ठी पर किसानों ने प्रण लिया कि सारा गांव सुरक्षा बीमा योजना में भागीदार बनेगा।

टेलीविजन पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगार की अनेक संभावनाएं : ऋषि कुमार

मेरठ, 27 मई (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा इलेक्ट्रानिक मीडिया के क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें इंडिया न्यूज टेलीविजन चौनल के उप कार्यकारी निर्माता ऋषि कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि टेलीविजन पत्रकारिता के क्षेत्र में युवाओं के लिए अकूत रोजगार की संभावनाएं है।

मीडिया इंडस्ट्री में अत्याधुनिक तकनीकी विकास के साथ-साथ कुशल कामगारों की भी आवश्यकता महसूस की जाती है। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए युवाओं को रोजगार मुहैया कराया जाता है। ऋषि कुमार ने कहा कि एक अच्छे मीडियाकर बनने के लिए उसे खबरों पर पैनी नजर रखनी चाहिए तथा लेखन कौशल को विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज मीडिया में प्रोफेशनल राइटर्स की सख्त कमी है। अत: इसे

- अच्छे मीडियाकर्मी बनने के लिए खबरों पर पैनी नजर रखनी चाहिए
- राजनीतिक खबरों को जुटाना है चुनौतियों भरा काम

देखते हुए पत्रकारिता एवं जनसंचार के छात्र-छात्राओं को ध्यान देना चाहिए।

आयोजन *संतों, विद्वानों व बुद्धिजीवियों ने काशी से लिया सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प*

भारत के सशक्त व महान सनातन लोकमत से विश्व को उम्मीद : शिव प्रताप

लखनऊ/ वाराणसी, 27 मई (देशबन्धु)। देश के संतों, विद्वानों और बुद्धिजीवियों ने आज यहां रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में एक स्वर से सशक्त, सनातन और महान लोकतांत्रिक भारत को 2047 तक हर हाल में विश्वगुरु बनाने का संकल्प लिया। काशी में इस अद्भुत और अत्यंत गंभीर विमर्श का आयोजन अखिल भारतीय संत समिति, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद, श्री गंगा महासभा, श्री काशी विद्वतपरिषद और भारत संस्कृति न्यास ने संयुक्त रूप से किया था।

कार्यक्रम का विषय प्रस्ताव संघ के प्रांत प्रचारक रमेश जी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने सक्षम और सशक्त भारत के निर्माण में सभी को जुटने की अपील करते हुए कहा कि श्री काशी जी की इस पवित्र भूमि पर इस रुद्राक्ष कन्वेंशन केंद्र में आप सभी विद्वतजनों एवं संत महात्माओं का एक साथ संवाद के साथ ही दर्शन लाभ प्राप्त करने का यह शुभ अवसर मुझे प्राप्त हो रहा है। इसके लिए में श्रद्धेय स्वामी जीतेंद्रानंद जी सरस्वती के प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं कि उन्होंने इतने गंभीर और महत्वपूर्ण

- सक्षम राष्ट्र के निर्माण के लिए सभी सहभागी बनें : लक्ष्मणाचार्य

विमर्श में मुझे यह सौभाग्य प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि संवाद हमारी सनातन संस्कृति का आधार है। संवाद से ही सृष्टि के सभी रहस्य जानने योग्य बनते हैं। हमारे सभी ग्रंथ केवल संवाद ही हैं। श्रुति, उपनिषद, स्मृति, पुराण , रामायण महाभारत आदि सभी ग्रंथ संवाद ही हैं। इसी संवाद में सभी समाधान भी हैं और दिशा निर्देश भी। जीवन के सूत्र भी हैं और राजसत्ता तथा राजधर्म के भी सूत्र हैं। यह संयोग नहीं, बल्कि सनातन का मूल प्रयोग आज यहां इस सभागार में आयोजित इस संवाद के माध्यम से होता हुआ दिख रहा है। यह भारत की संत और ज्ञान परंपरा की विरासत भी है। इसका केंद्र सदैव से काशी ही रही है और आज के इस संवाद के संयोग ने इसे और भी प्रासंगिक बना दिया है। सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मणाचार्य ने कहा कि यह सभागार आज ऐसे क्षण का साक्षी बन रहा है जब भारत अपनी महान संस्कृति और सनातन परंपरा के साथ ही अपनी लोकतांत्रिक मान्यताओं के लिए निरंतर विश्व को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। देश अपने लिए अच्छे शासन की कामना के साथ अपने प्रतिनिधियों के चयन में लगा है। अपनी स्वाधीनता के अमृत काल में राष्ट्र निरंतर नए नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। सामाजिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक क्षेत्र से लेकर शिक्षा और विज्ञान एवं तकनीक में विश्व को नए मानक उपलब्ध करा रहा है। ऐसी घड़ी में स्वामी जी ने इस विमर्श का आयोजन कर अद्भुत कार्य किया है। यह समय कितना महत्वपूर्ण है इसको आज सभी को अवश्य समझना चाहिए। इस सभागार में और इस मंच पर अनेक ऐसे विद्वत वरेण्य उपस्थित हैं जिनका अत्यंत गहन चिंतन और कार्य इस विषय पर हुआ है और आगे भी होना है।

प्रंबधक को जान से मारने की धमकी

मवाना, 27 मई (देशबन्धु)। नगर के सुभाष चौक स्थित लाइब्रेरी में पढ़ कर रही लड़कियों से बाहरी लड़कों ने छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार किया। जानकारी पर प्रबंधक के विरोध करने पर प्रबंधक को जान से मारने की धमकी दे आरोपी मौके से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार फलावदा थाना क्षेत्र के गांव सकौती निवासी अरुण पुत्र दिलावर और प्रियांशु समेत 7 लड़के सुभाष चौक स्थित लाइब्रेरी में घुसकर लड़कियों से छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार करने लगे। जानकारी पर लाइब्रेरी प्रबंधक वेदपाल में विरोध किया तो युवक प्रबंधक को जान से मारने की धमकी दे मौके से फरार हो गए। प्रबंधन में मामले की जानकारी थाना पुलिस को दी।

जहानाबाद में त्रिकोणीय मुकाबला

■ जदयू, राजद जातीय समीकरण के 'चक्रव्यूह' में ■ बसपा के चुनाव मैदान में उतरने से लड़ाई हुई रोचक

जहानाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। सोन, पुनपुन और फल्गु नदी से सिंचित जहानाबाद की चर्चा कुछ वर्षों पहले नक्सलवाद को लेकर होती थी, लेकिन समय बदला और इस चुनाव में यहां विकास की चर्चा भी खूब हो रही है। कृषि प्रधान इस क्षेत्र से अब तक भाजपा का सांसद नहीं रहा है। हालांकि उसकी सहयोगी पार्टी जदयू का परचम लहराता रहा है।

गुफाओं के लिए प्रसिद्ध जहानाबाद में इस चुनाव में मुकाबला दिलचस्प है। जदयू ने एक बार फिर चंद्रेश्वर प्रसाद को चुनावी मैदान में उतारा है, जबकि राजद की ओर से विधायक सुरेंद्र प्रसाद यादव यहां से ताल ठोंक रहे हैं। वहीं पूर्व सांसद अरुण कुमार के बसपा से चुनाव मैदान में उतर जाने से यहां की लड़ाई रोचक हो गई है।

अरवल, कुर्था, जहानाबाद, घोसी, मखदुमपुर और अतरी छह विधानसभा वाले इस लोकसभा क्षेत्र में दोनों गठबंधन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जहानाबाद में अंतिम चरण में एक जून को मतदान होना है। पूरी तरह परिणाम को लेकर तस्वीर साफ नहीं है,

अरवल, कुर्था, जहानाबाद, घोसी, मखदुमपुर व अतरी छह विस

लेकिन लोग इस बात की तस्दीक जरूर कर रहे हैं कि अगर एनडीए लोगों के क्रोध, नाराजगी को दूर कर सकी तो उसके लिए राह आसान होगी।

यहां के युवा नरोत्तम ने कहा कि सांसद आते हैं क्या? कभी अपनी गाड़ी भी यहां रोकी? वे कहते हैं कि प्रदेश में जंगलराज के लोगों को नहीं आने देंगे, लेकिन हम लोगों को सम्मान भी चाहिए। साफ है कि लोगों की नाराजगी सांसद से नाराजगी दूर करने की कोशिश कर रहे हैं।

एनडीए के एक नेता ने कहा कि सभी गांव में भूमिहार समाज के नेता पहुंच रहे हैं और लोगों से माफी मांग कर नाराजगी दूर करने में जुटे हैं। जहानाबाद में जदयू के पुराने वोटर का गुस्सा इस बात को लेकर है कि उनके सांसद उनके पास नहीं आए। गुस्से का एक कोण यह भी है कि जिस भूमिहार जाति के लोगों ने जदयू को पिछली बार वोट दिया था, उस जाति से प्रत्याशी नहीं मिला।

इधर, अरवल नगर के कोनिका गांव में 20 से 25 घर रविदास टोला में है। यहां के सुमन कुमार ने कहा कि वोट तो किसी न किसी को देना ही है। अभी तय नहीं किया है कि किस को देंगे। हालांकि वे यह कहते हैं कि बसपा इस चुनाव में बेहतर स्थिति में है। पलायन और सिंचाई को लेकर भी यहां के लोग बात करते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में जदयू के चंदेश्वर प्रसाद को जीत हासिल हुई थी और उन्हें 3.35 लाख से अधिक वोट मिले थे। राजद प्रत्याशी सुरेंद्र प्रसाद यादव दूसरे स्थान पर रहे थे, जिन्हें 3.33 लाख वोट मिले थे। चंद्रेश्वर 1800 से कम मतों से विजयी हुए थे।

है। इधर, एनडीए ने नाराजगी दूर करने के लिए पूरी टीम उतार दी है। बताया जाता है कि पूर्व राज्यसभा सदस्य दिवंगत महेंद्र प्रसाद उर्फ किंग महेंद्र के भाई और अरिस्टो फार्मा के प्रमुख भोला शर्मा भी पिछले दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद क्षेत्र में पहुंच गए, लोगों की नाराजगी दूर करने में जुटे हैं। इस परिवार का इस क्षेत्र में अपना महत्व है। वे भूमिहार सम्मेलन बुलाकर भी

चुनाव परिणाम को प्रभावित करते हैं जातीय समीकरण

भूमिहार बाहुल्य इस इलाके में जातीय समीकरण चुनाव परिणाम को प्रभावित करते रहे हैं। जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र में लगभग 16 लाख से अधिक मतदाता हैं। यहां यादव और भूमिहार मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है। यहां पर सभी बड़ी पार्टियां कुछ चुनावों को छोड़कर इन्हीं जातियों के नेताओं को अपना प्रत्याशी बनाती रही हैं। एससी-एसटी, कुशवाहा और मुस्लिम वोटर भी चुनाव में निर्णायक भूमिका में रहते हैं। माना जा रहा है कि इस चुनाव में बसपा प्रत्याशी अरुण कुमार भूमिहार वोट के समीकरण बिगाड़ सकते हैं। इसके साथ आशुतोष भी चुनाव मैदान में निर्दलीय लड़ रहे हैं। इसके कारण एनडीए उम्मीदवार की मुश्किलें और बढ़ सकती है। दूसरी तरफ राजद नेता मुन्नी लाल यादव टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर इस बार चुनाव मैदान में निर्दलीय कूद पड़े हैं। यादव वोट बैंक पर उनकी नजर है। इनके आने से राजद उम्मीदवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जहानाबाद से यादव और भूमिहार जाति के उम्मीदवार ही अधिकांश बार जीतते आए हैं।

अंतिम चरण के चुनाव में बिहार से सबसे अधिक पढ़े-लिखे ठोक रहे ताल

■ जोगेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली, 27 मई (देशबन्धु)। एक जून को होने वाले अंतिम चरण के चुनाव में बिहार की अंतिम 8 सीटों पर मतदान होना है। जिसमें पटना साहिब, पाटलिपुत्र, नालंदा, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट और जहानाबाद की लोकसभा सीटें शामिल है। इस फेज में खास बात ये है कि इन सीटों पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी हैं। इन प्रत्याशियों में कोई लंदन की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से है तो जेएनयू का डिग्री धारक है। कई उम्मीदवार इंजीनियर है तो कोई बड़ा वकील है। किसी ने मैनेजमेंट किया तो किसी के पास एमबीबीएस की डिग्री है। एडीआर के डाटा के मुताबिक पटना साहिब बीजेपी के टिकट पर दूसरी बार मैदान में डटे रविशंकर प्रसाद मोदी सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। उनके पास लॉ की डिग्री है और जाने-माने वकील हैं।

रविशंकर प्रसाद के खिलाफ चुनाव लड़ रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री मीरा कुमार के बेटे कांग्रेस के अंशुल अविजित ने लंदन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पीएचडी एमफिल हैं। नालंदा लोकसभा सीट सीपीआईएम के उम्मीदवार डॉ. संदीप सौरभ देश के नामी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय यानी जेएनयू से पीएचडी होल्डर हैं। फिलहाल वे पालीगंज से विधायक हैं। देश के बड़े नौकरशाह रहे केंद्रीय मंत्री आरके सिंह आरा से बीजेपी उम्मीदवार हैं। उन्होंने नीदरलैंड से मैनेजमेंट में डिप्लोमा किया है। वे दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफंस कॉलेज के स्टूडेंट रहे हैं।

आरके सिंह के विरोध में इंडिया गठबंधन की तरफ से सीपीआईएमएल के टिकट पर सुदामा प्रसाद को उतारा गया है। सुदामा प्रसाद भी पोस्ट ग्रेजूएट हैं। पाटलिपुत्र सीट राजद की प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रही लालू प्रसाद यादव की बड़ी बेटी डॉ मीसा भारती के पास डॉक्टर की प्रोफेशनल डिग्री है। मीसा भारती ने एमबीबीएस किया हैं। उन्हें टक्कर दे रहे बीजेपी प्रत्याशी रामकृपाल यादव भी स्नातक हैं। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक सासाराम संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी मनोज कुमार और भाजपा के शिवेश कुमार दोनों ही ग्रेजुएट हैं। बक्सर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश कुमार तिवारी के पास मगध विश्वविद्यालय की डिग्री है। जबकि उनके विरोधी महागठबंधन प्रत्याशी आरजेडी के सुधाकर सिंह के पास दिल्ली विश्वविद्यालय की स्नातक डिग्री है। काराकाट लोकसभा सीट पर एक तरफ उपेंद्र कुशवाहा हैं तो वहीं सीपीआईएमएल के टिकट पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राजाराम सिंह हैं। दोनों ही डिग्रीधारी हैं। उपेंद्र कुशवाहा ने पटना के साइंस कॉलेज से स्नातक किया। जहानाबाद लोकसभा सीट पर भी ठीक-ठाक डिग्री वाले प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। राजद की तरफ से प्रत्याशी सुरेंद्र यादव के पास बुद्धिस्ट स्टडी की डिग्री है। उन्होंने बुद्धिस्ट स्टडी में डिग्री मगध विश्वविद्यालय से हासिल की है। इनके पास स्नातकोत्तर की डिग्री है।

विदेशी डिग्री धारकों से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर और नामी वकील तक मैदान में

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने ईवीएम में जताई 'खराबी' की आशंका

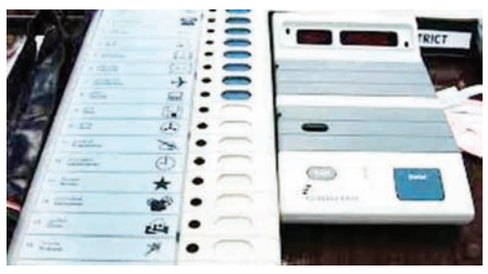

रायपुर, 27 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के छह चरणों के मतदान संपन्न होने के बाद अब कांग्रेस ने ईवीएम में खराबी का मुद्दा उठाकर जहां बीजेपी पर परोक्ष रूप से हमला किया है, वहीं चुनाव आयोग से इस मामले में यथाशीघ्र हस्तक्षेप की भी मांग की है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने सोमवार को इस संबंध में एक प्रेस कांफ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा से लेकर लोकसभा चुनाव तक ईवीएम में खराबी देखने को मिल रही है। यह हम नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता तक कह रहे हैं। हम ईवीएम में खराबी की आशंका व्यक्त करते हैं, तो आप कहते हैं कि यह राजनीति है, लेकिन जब इस पर सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अपनी बात रखने लग जाएं, तो आपको इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दाखिल हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि मतदान के 10-12 दिन बाद जिस तरह से वोटिंग प्रतिशत बढ़ रहा है, वो कहीं ना कहीं सभी राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय है। मत प्रतिशत के आंकड़े 24 घंटे के दरमियान जारी किए जाने चाहिए। लेकिन इसे 10-12 दिनों में जारी किया जा रहा है, तो यकीनन इस पर सवाल उठेंगे ही। इस पर चुनाव आयोग को यथाशीघ्र हस्तक्षेप करना चाहिए, ताकि पूरी वस्तुस्थिति स्पष्ट हो सके।

चुनाव आयोग से की हस्तक्षेप की मांग

दीपक बैज ने कहा कि बीते दिनों चुनाव आयोग इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के पास गया था और कहा था कि मशीन लाकर दिखाए, लेकिन अफसोस कोई कदम नहीं उठाया गया। अब ऐसे में आशंका तो गहराएगी ही। चुनाव आयोग को इस आशंका को दूर करना चाहिए। यह लोकतंत्र है, मगर इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसा नहीं किया जा रहा है, जो कि निंदनीय है। पूरे मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है, जिससे कहीं ना कहीं आशंका तो गहराती ही है। हालांकि, यह कोई पहली दफा नहीं है कि जब कांग्रेस या किसी अन्य विपक्षी दल ने चुनाव के बीच ईवीएम में खराबी की आशंका जताई है। इससे पहले भी कई राजनीतिक दल इस तरह की आशंका जताकर बीजेपी को आड़े हाथों ले चुके हैं। लेकिन बीजेपी का दो टूक कहना है कि जब कहीं कांग्रेस जीत जाती है, तो वहां ईवीएम ठीक रहता है और जहां हार जाती है, वहां सारा दोष ईवीएम पर मढ देती है। अब लोकसभा चुनाव के बीच भी इसे लेकर सियासी वार तेज हो चुका है।

चंबा में 1485 अब्सेंटी श्रेणी के 1485 मतदाताओं ने वोट डाले

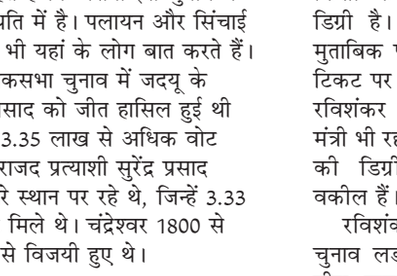

चंबा, 27 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए ज़िला चंबा में 26 मई तक 1485 अब्सेंटी श्रेणी के मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है जिनमें 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 1137 मतदाता, 334 दिव्यांग मतदाता तथा 14 आवश्यक सेवाओं से संबंधित मतदाता शामिल हैं। यह जानकारी उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने दी है।

उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग के दिशा निर्देशानुसार अब्सेंटी वोटर के लिए जिला चंबा में 21 मई 2024 से शुरू की गई इस सुविधा के तहत 26 मई 2024 तक विधानसभा क्षेत्र चुराह में 85 वर्ष व इससे से अधिक आयु के 202 तथा 39 दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान किया है।

विधानसभा क्षेत्र भरमौर में 85 वर्ष व इससे अधिक आयु के 221, दिव्यांग 53 तथा आवश्यक सेवाओं से संबंधित 5 अधिकारीयों व कर्मचारीयों ने मतदान किया है। विधानसभा क्षेत्र चंबा में 85 वर्ष व इससे अधिक आयु के 213 तथा 42 दिव्यांग मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। डलहौजी विधानसभा में 85 वर्ष व इससे अधिक आयु के 196 तथा 88 दिव्यांग मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। विधानसभा क्षेत्र भटियात में 85 वर्ष व इससे अधिक आयु के 305, आवश्यक सेवाओं से संबंधित नौ तथा 112 दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान किया है।

रेपसवाल ने बताया कि चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों अनुसार 85 वर्ष व इससे अधिक आयु, दिव्यांग, कोरोना पॉजिटिव तथा आवश्यक सेवाओं में तैनात सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अब्सेंटी वोटर की सूची में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि 85 वर्षों से अधिक आयु तथा दिव्यांग मतदाताओं को मोबाइल पोलिंग पार्टियों द्वारा उनके घर द्वार पर ही मतदान की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि 26 मई को अबसेंटी वोटर श्रेणी में तहत जिला में एक दिन में 47 मतदाताओं ने अपने घर द्वार पर ही मतदान किया है जिसमें 85 वर्ष व इससे अधिक आयु के 31, आवश्यक सेवाओं से संबंधित नौ तथा सात दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब्सेंटी श्रेणी के तहत 85 वर्ष व इससे अधिक आयु तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर द्वार पर दी जा रही मतदान सुविधा 28 मई तक जारी रहेगी।

विशेष पुलिस, खर्चा आब्जर्वर ने पोलिंग प्रबंधों का लिया जायजा

जालंधर, 27 मई (एजेंसियां)। पंजाब में जालंधर लोक सभा चुनाव के लिये चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त विशेष पुलिस आब्जर्वर श्री दीपक मिश्रा एंव विशेष खर्चा आब्जर्वर बी.आर. बालाकृष्णन ने अधिकारियों को अपनी 'राष्ट्रीय ड्यूटी' पूरी लगन से निभाने को कहा ताकि एक जून को होने वाले लोक सभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एंव पारदर्शी ढंग से करवाये जा सकें। पुलिस आब्जर्वर सतीश कुमार, जनरल आब्जर्वर जे. मेघनाथ रेडी, खर्चा आब्जर्वर माधव देशमुख, ज़िला चुनाव अधिकारी डॉ हिमांशु अग्रवाल, पुलिस आयुक्त् राहुल एस. और एस.एस.पी. अंकुर गुप्ता सहित सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों एंव सहायक खर्चा आब्ज़र्वरों के साथ विस्थारित बैठक दौरान उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण वोटिंग चुनाव आयोग की प्राथमिकता है, जिसको सख्ती के साथ लागू करना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही आब्जर्वरों ने स्पष्ट किया कि चुनाव अधिकारी धारा 144 के अंतर्गत पोलिंग बूथों के 100 मीटर के घेरे में किसी भी प्रकार की सभा न होने दें, ताकि प्रत्येक वोट सुरक्षित महसूस करे और वह बिना किसी डर के अपना वोट डाल सकें। मतदान से पहले आखिरी 3-4 दिनों को महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुये विशेष पुलिस आब्जर्वर ने आदर्श चुनाव संहिता को सख्ती से लागू करने, फ्लाइंग स्कवायड, स्टेटिक सर्विलांस टीमों और अंतर-ज़िला चेक पोस्टों के काम-काज की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि मतदान दौरान शराब और नकदी के प्रयोग को रोकने के लिये शराब के उत्पादन/ शराब के ठेके पर निगरानी रखने के साथ-साथ वाहनों की चेकिंग विशेष कर अंतर-ज़िला नाकों पर उचित स्टाफ को यकीनी बनाया जाए।

मिर्जापुर सीट पर कांटे की टक्कर

मिर्जापुर, 27 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मिर्जापुर लोकसभा सीट पर मुकाबला रोचक होता जा रहा है, यहां एनडीए प्रत्याशी के रूप में अपनादल सुप्रीमो अनुप्रिया पटेल मैदान में हैं तो इंडी गठबंधन से सपा के रमेश बिंद उन्हें चुनौती दे रहे हैं। बसपा उम्मीदवार मनीष तिवारी चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में लगे हैं।

असल में पूर्वांचल की अन्य सीटों से मिर्जापुर सीट भी अलग नहीं है, जातीय फैक्टर यहां भी हावी है। जीत हार के नतीजे इसी आधार पर लगाएं जा रहे हैं। कहने को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहित अन्य मुद्दों की चर्चा चट्टी चौराहे पर हो रही है लेकिन अंतिम बात किस बिरादरी का कितना वोट है जोड़ घटाना शुरू हो जाता है। राजनीतिक दल भी इसी जोड़ पर टिकट भी दिया है। कुर्मी बहुल इस सीट पर खुद मैदान में हैं तो सपा भी जिले कुर्मी के बाद पिछड़े वर्ग की सबसे बड़ी जाति बिंद को मैदान में उतार कर लड़ाई को बराबर का बना दिया है।

कुर्मी बहुल सीट जातीय फैक्टर हावी

अनुप्रिया केन्द्रीय मंत्री वह भी उद्योग मंत्री एवं वाणिज्य विभाग उनके पास रहा है। स्थानीय लोग विशेष आशा लगाए रहे। हालांकि उनके कार्यकाल में विकास कार्य बहुत हुए हैं। वह उन्हें बहुत सहारा दे रहा है। विकास कार्य गिना भी रही है,जिसका जबाब विपक्ष के पास नहीं है। इस अनुप्रिया हैट्रिक पर है।

दूसरी ओर भाजपा के भदोही सीट से मौजूदा सांसद रमेश बिंद अब मिर्जापुर सीट से सपा उम्मीदवार हैं। वे तीन बार यहां बसपा से विधायक रहे हैं। अपनी बिरादरी में अच्छी पैठ भी रखते हैं। पर बसपाई रहते सबर्ण जाति पर विशेष कर ब्राह्मणों पर उनकी टिप्पणी ने अब केवल पिछड़ों दलितों के बीच का छोड़ रखा है। वे बसपा नेता के रूप में एक तरफ जातीय यहां संघर्ष के रूप में ला खड़ा किया था। लोग अभी भूले नहीं हैं।

बसपा ने जिले में कुर्मी समाज के बाद सबसे अधिक मतदाता ब्राह्मण मनीष तिवारी को टिकट दिया है। यहां बसपा ब्राह्मण दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के गठजोड़ को ध्यान में रखा है। पर यहां सीधी लड़ाई अपनादल और सपा के बीच दिख रही है। बसपा उम्मीदवार को लोग नोटिस में नहीं ले रहे हैं।

यहां कुल 18,97,805 मतदाता हैं। जिनमें एक अनुमान के मुताबिक दलित 4,80,000 कुर्मी तीन लाख पचास हजार, ब्राह्मण लगभग दो लाख, बिंद 01, एक लाख 45 हजार यादव, 85 हजार मुस्लिम, 1 लाख 40 हजार शेष अन्य पिछड़ा वर्ग को माना जाता है। सपा का बेस वोट यादव और मुस्लिम यहां भारी संख्या में नहीं है, लिहाजा जातीय समीकरण उसके अनुकूल नहीं है। दूसरी तरफ भाजपा के बेस वोट के साथ कुर्मी वोट जातीय समीकरण में आगे कर दे रहा। यहां लगभग एक लाख वैश्य एवं छत्रिय वोट मोदी के लाभार्थियों का वोट जो दलित ज्यादा है अपनादल के पक्ष में है। राजा भैया प्रकरण से यहां सपा को विशेष लाभ नहीं मिल रहा है। बल्कि यह अनुप्रिया के पक्ष में कुर्मी मतदाताओं को लामबंद ही करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा से सुस्त पड़े भाजपाइयों में जोश भर गए है। वहीं सपा सुप्रीमो अखिलेश की सभा होनी है। कुल मिलाकर यहां अपनादल और सपा में ही टक्कर है। एक जून को जिस पक्ष के मतदाता घर से निकलेंगे बाजी उसी के हाथ में होगी। ताकत दोनों ओर लग रहा है।

राजमहल में विजय के मांथे में फिर सजेगा सेहरा या जेएमएम के बागी लोबिन की, किस पर चलेगी कैंची

■ राजमहल सीट अजजा के लिए सुरक्षित
■ 14 प्रत्याशी अपने भाग्य की आजमाइश करने मैदान में उतरे

दुमका, 27 मई (एजेंसियां)। झारखंड के संताल परगना प्रमंडल अंतर्गत राजमहल लोकसभा सीट अजजा के लिए सुरक्षित है। यह झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और भाजपा के प्राथमिकता में शामिल है। झारखंड सहित समूचे देश में सबसे कम नौ वोटों के अंतर से भाजपा को जीत दिलाने का इतिहास रचने वाला राजमहल लोकसभा क्षेत्र क्या एक बार कोई नया फिर रचेगा इतिहास? यह देखना दिलचस्प होगा। समूचे क्षेत्र में सिर्फ इसी की चर्चा है। 18 वीं लोकसभा के चुनाव में भाजपा के ताला मरांडी के माथे पर सजेगा जीत का सेहरा या झामुमो के विजय हांसदा अपने तीर कमान से भाजपा के मंसूबे पर पानी फेर देगा या हाल में झामुमो से बगावत कर निर्दलीय मैदान में उतरे बोरियो के विधायक लोबिन हेम्ब्रम की कैंची से किसे करेगा घायल। किसका समीकरण बिगाड़ेगा यह तो 4 जून को ही पता चल पायेगा ।

झारखंड में गंगा की निर्मल धारा यहीं संताल परगना प्रमंडल अंतर्गत राजमहल अजजा लोकसभा सुरक्षित सीट का चरण पखारती है। पिछले दो चुनावों से झामुमो के विजय हांसदा का इस सीट पर कब्जा है। इस बार झामुमो के विजय हांसदा के माथे पर फिर सजेगा जीत का सेहरा या बीजेपी के ताला मरांडी कमल खिलाने में सफल होंगे। या दोनों की जीत में झामुमो के बागी लोबिन हेम्ब्रम दोनों की जीत पर इस कैंची चला देंगे यह देखना दिलचस्प होगा। वर्ष 1998 में झारखंड का राजमहल लोकसभा क्षेत्र समूचे देश में अभी तक सबसे कम नौ वोटों के अंतर से भाजपा के सोम मरांडी को जीत दिलाने का इतिहास रच चुका है। ऐसे इस बार इस क्षेत्र से 14 प्रत्याशी अपने भाग्य की आजमाइश करने मैदान में उतरे हैं। लेकिन इस क्षेत्र में इस बार इन तीनों प्रत्याशियों के नाम की ही चर्चा अधिक हो रही है। झामुमो के विजय हांसदा हैट्रिक लगाने के लिए तीसरी बार मैदान में हैं। वहीं भाजपा ने इस लोकसभा क्षेत्र से जुड़े बोरियो विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक चुने गए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताला मरांडी को पहली बार मैदान में उतारा है। जबकि बोरियो से झामुमो के टिकट पर कई बार विधायक चुने जाते रहे लोबिन हेम्ब्रम ने पार्टी से बगावत कर बतौर निर्दलीय मैदान में उतार कर झामुमो की आसान राह को कठिन बना दिया है।राजमहल लोकसभा क्षेत्र में राजमहल,बरहेट बोरियो, पाकुड़, महेशपुर और लिट्टिपाड़ा सहित छह विधानसभा क्षेत्र शामिल है।

इसमें से बरहेट से कथित जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बोरियो से लोबिन हेम्ब्रम,लिट्टीपाड़ा से दिनेश विलियम मरांडी और महेशपुर से प्रोफेसर स्टीफन मरांडी सहित चार क्षेत्रों पर झामुमो का कब्जा है। वहीं पाकुड़ से कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित टेंडर घोटाला मामले में हाल में गिरफ्तार पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम विधायक हैं। जबकि एक मात्र राजमहल विधानसभा सीट पर दो बार से निर्वाचित बीजेपी के अनंत ओझा विधायक हैं। इस तरह इस सीट पर जेएमएम और बीजेपी के बीच मुख्य मुकाबला होने तय माना जा रहा है। लेकिन जेएमएम के बागी निर्दलीय लोबिन हेम्ब्रम मैदान में उतर कर मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में लगे हैं।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

इंडसइंड बैंक	1.65 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.11 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	0.81 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	0.75 प्रतिशत
एलटी	0.69 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

विप्रो	2.36 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.40 प्रतिशत
सन फार्मा	1.34 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.25 प्रतिशत
आईटीसी	1.05 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	74,220
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

गोल्डमैन सैक्स ने 2024 के लिए बढ़ाया जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में मुख्य मुद्रास्फीति नीचे आ सकती है और कैलेंडर वर्ष 24 की दूसरी छमाही में 4 - 4.5 प्रतिशत अंक तक बढ़ सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। गोल्डमैन सैक्स ने कैलेंडर वर्ष 2024(कैलेंडर वर्ष 24) के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अपने पूर्वानुमान को 10 आधार अंक बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही उम्मीद लगाई है कि भारतीय रिजर्व बैंक चालू कैलेंडर वर्ष की चौथी तिमाही या चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

अप्रैल 2024 तक जनवरी में भारत की मुख्य मुद्रास्फीति औसतन 3.4 प्रतिशत सालाना थी। गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में मुख्य मुद्रास्फीति नीचे आ सकती है और कैलेंडर वर्ष 24 की दूसरी छमाही में 4-4.5 प्रतिशत अंक तक बढ़ सकती है।

गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि एमपीसी ने भारत के कई हिस्सों में चल रहे गर्म मौसम की स्थिति के कारण आपूर्ति पक्ष में व्यवधान के कारण फूड इन्फ्लेशन पर सतर्क रुख अपनाया है।

विश्लेषकों का मानना है कि आरबीआई मौद्रिक नीति में ढील देने से पहले, कैलेंडर वर्ष 24 की दूसरी छमाही में खाद्य मुद्रास्फीति का आकलन करने के लिए मानसून की प्रगति और ग्रीष्मकालीन (खरीफ) फसल की बुआई देखना चाहता है।

घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद की ग्रोथ रेट घटकर चार तिमाही के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है। इक्रा का अनुमान है समूचे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहेगी।

■ **वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहेगी : इक्रा**

फिस्कल डेफिसिट में लगातार गिरावट भारत की रेटिंग के लिए पॉजिटिव : फिच

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने सोमवार को एक नोट में कहा कि राजकोषीय घाटे में लगातार कमी, खासकर अगर टिकाऊ राजस्व बढ़ाने वाले सुधारों द्वारा समर्थित हो तो मध्यम अवधि में भारत की रेटिंग बुनियादी बातों के लिए पॉजिटिव होगी। गौरतलब है कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने उम्मीद से कहीं ज्यादा सरप्लस अमाउंट केंद्र सरकार को सौंपने का फैसला किया। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि आरबीआई की तरफ से मिले लाभांश से जीडीपी का 5.1 फीसदी राजकोषीय घाटे का टारगेट हासिल करने में मदद मिलेगी। और साथ ही साथ आगे भी घाटे को कम करने में मदद मिलेगी। बता दें कि पिछले हफ्ते केंद्रीय बैंक ने भारत सरकार को 2.1 लाख करोड़ रुपए का डिविडेंड देने का फैसला किया था।

संप्रग सरकार ने घाटे को छुपाने की प्रथा अपनाई : सीतारमण

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मोदी सरकार ने अपनी बजट प्रथाओं और संख्याओं में पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है जबकि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने ऑफ-बजट उधार और 'तेल बांड' के माध्यम से घाटे को छुपाने की प्रथा अपनाई, जिसने कुछ हद तक राजकोषीय बोझ को भविष्य की पीढ़ियों पर स्थानांतरित कर दिया गया।

सीतारमण ने बजट के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार के नेतृत्व वाली सरकार ने ऑफ-बजट उधार और 'तेल बांड' जारी करने के माध्यम से घाटे को छुपाने की दोहराई प्रथा, जिसने कुछ हद तक राजकोषीय बोझ को भविष्य की पीढ़ियों पर स्थानांतरित कर दिया।

संप्रग के तहत, बजट संख्या को अनुकूल बनाने के लिए मानक राजकोषीय प्रथाओं को नियमित रूप से बदला गया था। पारदर्शी बजट वाले देशों को अक्सर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा अधिक अनुकूल रूप से देखा जाता है। इससे वैश्विक विश्वास में सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के पिछले दशक के कार्यकाल में पिछली बाधाओं और पुरानी प्रथाओं को पीछे छोड़ते हुए केंद्रीय बजट की पवित्रता और विश्वसनीयता में पर्याप्त सुधार होने का दावा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्देशित शासन में पारदर्शिता, दक्षता और प्रभावशीलता की दृष्टि से सरकार ने बजट को केवल व्यय के रिकॉर्ड से बदलकर समान विकास के रणनीतिक खाका में बदल दिया है। मोदी सरकार के पिछले दशक के कार्यकाल में पिछली बाधाओं और पुरानी प्रथाओं को पीछे छोड़ते हुए केंद्रीय बजट की पवित्रता और विश्वसनीयता में पर्याप्त सुधार हुआ है।

सीतारमण ने दी बजट के बारे में विस्तृत जानकारी

फोनपे के पिनकोड ने सिंपली नामधारी के साथ की साझेदारी

बेंगलुरु, 27 मई (एजेंसियां)। फोनपे के घरेलू स्टोर-फर्स्ट कॉमर्स ऐप पिनकोड ने सोमवार को घोषणा की कि उसने एक नया समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि ऑनलाइन ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए भारत के एकमात्र 100 प्रतिशत शाकाहारी ओमनी-चैनल रिटेलर सिंपली नामधारी के साथ हाथ मिलाया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके जरिए बेंगलुरु निवासियों को पिनकोड ऐप पर किराने का सामान, ताजे फल और सब्जियां और अन्य प्रमुख एफएमसीजी उत्पाद आसानी से प्राप्त हो सकेंगे।

पिनकोड के सीईओ विवेक लोहचेब ने कहा कि नामधारी भारत में ताजे फलों और सब्जियों के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक के रूप में जाना जाता है, और अब उनके उत्पाद पिनकोड पर भी उपलब्ध हैं। पिनकोड ई-कॉमर्स बूम के साथ-साथ स्थानीय व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए काम कर रहा है। लोहचेब ने कहा कि हमारे साथ साझेदारी करके, व्यापारी अपनी दुकानों को बिना किसी बाधा के डिजिटल कर सकते हैं, क्योंकि हम उन्हें ऑनलाइन मांग बढ़ाने के लिए हमारे व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाते हुए ऑनलाइन होने को सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करते हैं।

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस 12,500 करोड़ रुपए तक जुटाएगी धनराशि

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने सोमवार को कहा कि उसके बोर्ड ने लागू कानूनों के मुताबिक क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) या अन्य अनुमेय मोड के जरिए एक या अधिक किस्तों में 12,500 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि जुटाने की मंजूरी दे दी है।

कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि मंगलवार, 25 जून 2024 को होने वाली कंपनी की आगामी वार्षिक आम बैठक में धन उगाहना कंपनी के सदस्यों की मंजूरी सहित आवश्यक अनुमोदन की प्राप्ति के अधीन है और ऐसे अन्य विनियामक/वैधानिक अनुमोदन, जो आवश्यक हो सकते हैं।

बोर्ड ने कंपनी के 10 रुपए अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर या अन्य पात्र प्रतिभूतियों या उनके किसी भी संयोजन (प्रतिभूतियां) को जारी करके धन जुटाने की मंजूरी दे दी। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का स्टॉक सोमवार को लगभग स्थिर 1,104.70 रुपए पर बंद हुआ। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि उसने 1,900 करोड़ रुपए में एस्सार ट्रांसको लिमिटेड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। अधिग्रहण में पूरी तरह से चालू 400 केवी, 673 सीकेटी किमी (सर्किट किलोमीटर) अंतर-राज्य ट्रांसमिशन लाइन शामिल है, जो मध्य प्रदेश में महान को छत्तीसगढ़ में सिपत पूलिंग सबस्टेशन से जोड़ती है।

एईएसएल देश की सबसे बड़ी निजी ट्रांसमिशन कंपनी है, जिसकी मौजूदगी 17 राज्यों और 57,011 एमवीए परिवर्तन क्षमता में है।

■ **देश की सबसे बड़ी निजी ट्रांसमिशन कंपनी है एईएसएल**

सार संक्षेप

जिप इलेक्ट्रिक ने जुटाया 15 मिलियन का फंड

नई दिल्ली। ईवी टेक कंपनी जिप इलेक्ट्रिक ने सोमवार को कहा कि कंपनी ने 15 मिलियन डॉलर का निवेश जुटाया है। इसकी मदद से कंपनी अपनी फ्लीट को 21,000 से बढ़ाकर 2,00,000 करेगी। इसके साथ ही कंपनी अपने ऑपरेशन का विस्तार 2026 तक 15 शहरों में करेगी। कंपनी की ओर से ये फंडिंग बड़े जापानी निवेश एनियोस और कंपनी के मौजूदा निवेशक 9 यूनिकॉर्न्स, आईएएन फंड, वेंचर कैटालिस्ट और डब्ल्यूएफसी एवं अन्य से जुटाया गया है। जिप इलेक्ट्रिक के सीईओ और सह-संस्थापक, आकाश गुप्ता ने अपने बयान में कहा कि हमारा उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। इसके साथ हम अपने डिलीवरी पार्टनर की लाइफ को आसान बना रहे हैं और ग्राहक भी हमारे साथ मजबूती से बने हुए हैं। इस फंड के जरिए हम कंपनी की ग्रोथ पर फोकस करेंगे और ईबीआईटीडीए को मुनाफे में लाने की कोशिश करेंगे।

हुंडई मोबिस ईवी पार्ट्स, ऑटोमोटिव चिप्स में निवेश का विस्तार करेगी

सियोल। दक्षिण कोरिया की प्रमुख ऑटो पार्ट्स निर्माता हुंडई मोबिस ने कहा है कि वह इस साल इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पार्ट्स और ऑटोमोटिव चिप्स में अपने निवेश को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। हुंडई मोटर ग्रुप की ऑटो पार्ट्स शाखा ने सिलिकॉन वैली में मोबिस मोबिलिटी डे के दौरान अपनी योजना का अनावरण किया, जहां उसने व्यापार भागीदारों के साथ अपनी तकनीकी प्रगति और दृष्टिकोण साझा किए। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र में स्थापित कंपनी के केंद्र मोबिस वेंचर्स सिलिकॉन वैली के एक अधिकारी मिशेल युन ने कहा कि कंपनी 2024 में ईवी पार्ट्स में अपने निवेश का विस्तार करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाएं उसके कुल निवेश का लगभग 70 प्रतिशत होंगी, जो मौजूदा 50 प्रतिशत से तेजी से बढ़ रही हैं।

'सुकृति' अब 20 राज्यों व 2 केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध

गुड़गांव। क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने अपने प्रमुख फसल बीमा उत्पाद सुकृति के साथ-साथ प्रकृति को भारत के 20 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध कराने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि अब किसान अपनी फसलों का बीमा करवा सकते हैं क्योंकि मानसून के आगमन के साथ ही खरीफ की बुवाई का महत्वपूर्ण समय आरंभ होता है। क्षेमा सुकृति की विस्तृत पहुंच किसानों और उनके परिवार के उन सदस्यों के लिए एक वरदान है, जिनकी बीमा योग्य आय होती है। वे मुफ्त में पंजीकरण कर सकते हैं और केवल 499 रुपये प्रति एकड़ की दर से अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं। किसान क्षेमा ऐप पर लॉग-इन करके सुकृति को कुछ आसान स्टेप्स में खरीद सकते हैं, जो भारत का पहला और एकमात्र स्वनिर्धारित फसल बीमा उत्पाद है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी

■ **सेंसेक्स 19.89 अंक फिसलकर 75,390.50 पर रहा** ■ **निफ्टी 24.55 अंक टूटकर 22,932.55 पर बंद**

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, ऊर्जा, तेल एवं गैस और पावर समेत दस समूहों में हुई बिकवाली से सोमवार को शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 19.89 अंक फिसलकर 75,390.50 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 24.55 अंक टूटकर 22,932.55 अंक रह गया। वहीं, बीएसई का मिडकैप 0.63 प्रतिशत उछलकर 43,793.64 अंक पर पहुंच गया जबकि स्मॉलकैप 0.09 प्रतिशत उतरकर 47,954.90 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान बीएसई में कुल 4105 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2256 में बिकवाली जबकि 1706 में लिवाली हुई वहीं 143 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 29 कंपनियों में गिरावट जबकि 21 में तेजी रही। बीएसई के 10 समूहों में बिकवाली का दबाव रहा। इससे कमोडिटीज 0.61, सीडी 0.15, ऊर्जा 0.66, एफएमसीजी 0.35, दूरसंचार 0.34, यूटिलिटीज 0.37, ऑटो 0.06, धातु 0.39, तेल एवं गैस 0.71 और पावर समूह के शेयर 0.49 प्रतिशत गिर गए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 0.10, जापान का निक्केई 0.66, हांगकांग का हैंगसेंग 1.17 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 1.14 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं, ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.26 प्रतिशत उतर गया।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 245 अंक की तेजी के साथ 75,655.46 अंक पर खुला और लिवाली के दम पर दोपहर तक सार्वकालिक उच्चतम स्तर 76,009.68 अंक पर पहुंच गया। लेकिन अचानक हुई बिकवाली के दबाव में कारोबार के अंतिम चरण में 75,175.27 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 75,410.39 अंक के मुक़ाबले 0.03 प्रतिशत उतरकर 75,390.50 अंक रह गया।

इसी तरह निफ्टी 82 अंक चढ़कर 23,038.95 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 23,110.80 के उच्चतम जबकि 22,871.20 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,957.10 अंक की तुलना में 0.11 प्रतिशत फिसलकर 22,932.45 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान में रही कंपनियों में विप्रो 2.36, एनटीपीसी 1.40, सन फार्मा 1.34, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.25, आईटीसी 1.05, रिलायंस 0.92, मारुति 0.75, भारती एयरटेल 0.35, टाटा मोटर्स 0.29, पावरग्रिड 0.17, टीसीएस 0.11, आईसीआईआई बैंक 0.10 और अल्ट्रासिमको 0.01 प्रतिशत शामिल हैं।

वहीं, इंडसइंड बैंक 1.65, एक्सिस बैंक 1.11, बजाज फाइनेंस 0.81, एचडीएफसी बैंक 0.75, एलटी 0.69, एसबीआई 0.66, एचसीएल टेक 0.65, टेक महिंद्रा 0.59, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.58, कोटक बैंक 0.47, इंफ़ोसिस 0.45 टाटा स्टील के शेयर 0.40 प्रतिशत मजबूत रहे।

एनएसई 250 रुपए से कम दाम वाले शेयरों के लिए लाएगा एक पैसे का टिकट साइज

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की ओर से 250 रुपये से कम वाले शेयरों का टिकट साइज एक पैसा करने का फैसला किया गया है। हाल ही में एनएसई द्वारा जारी किए गए सर्कुलर में ये जानकारी दी गई है।

बता दें, मौजूदा समय में शेयर में कम से कम 5 पैसे का टिकट साइज है। टिकट साइज कम होने का सीधा फायदा निवेशकों को मिलेगा। ये बदलाव 10 जून से लागू होगा। टिकट साइज एक अंतर होता है जो कि शेयर बिक्री करने वाले और शेयर खरीदने वाले के दाम के बीच होता है। ऐसे में टिकट साइज घटने से प्राइस की बेहतर डिस्कवरी हो पाएगी और खरीदारी एवं बिक्री करने वाले दोनों को सही कीमत मिलेगी। उदाहरण के लिए अगर कोई व्यक्ति 199.98 रुपए पर शेयर बेचना चाहता है तो आज ही स्थिति में 199.98 पर नहीं, बल्कि 199.95 या 200 रुपए पर सौदा हो पाएगा।

ऐसे में टिकट साइज घटने से सौदा 199.98 पर ही हो सकेगा। सर्कुलर में दी गई जानकारी के मुताबिक, टिकट साइज 5 पैसे से घटाकर एक पैसा किया जा रहा है। ये टी प्लस 1 सेटलमेंट के साथ टी प्लस 0 सेटलमेंट में भी लागू होगा।

एक्सचेंज की ओर से बताया गया कि टिकट साइज को आखिरी कारोबार सत्र में शेयर की कीमत के मुताबिक मासिक आधार पर रिव्यू और एडजस्ट किया जाएगा। सर्कुलर में आगे कहा गया कि 8 जुलाई से स्टॉक फ्यूचर्स में भी समान टिकट साइज सिस्टम लागू हो जाएगा। इसमें बदलाव एक्सपायरी के समय किया जाएगा।

■ **टिकट साइज घटने से सौदा 199.98 पर ही हो सकेगा**

पाम ऑयल और वनस्पति तेल महंगा

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकालने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में पाम ऑयल

और वनस्पति तेल महंगा हो गया वहीं **अन्य जिंसों में टिकाव रहा।**

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 13 रिंगिट फिसलकर 3859 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.26 सेंट की गिरावट लेकर 44.93 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में पाम ऑयल 67 रुपए और वनस्पति तेल में 33 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और सोया रिफाइंड के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मूसर दाल, मूंग दाल उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही। **अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

पोषण पर अब ज्यादा ध्यान दे रहे शहरी लोग

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। स्वास्थ्य के प्रति लोगों में बढ़ती जागरूकता के कारण अब अधिकांश शहरी भारतीय खाने पीने के चीजों में स्वाद के बजाय पोषण पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। वर्ल्ड न्यूट्रीशन डे पर पिस्ता क्षेत्र की कंपनी पिस्ताचियोस और भारत में कैलिफोर्निया पिस्ताचियोस की वितरक ने 'मटेरियल' के साथ मिलकर एक अध्ययन के परिणाम पेश किए हैं। यह परिणाम स्नैकिंग के मामले में शहरी भारतीयों की आदतों पर रोशनी डालते हैं। इसमें 10 देशों के 12,400 से ज्यादा लोगों से पता चला कि स्नैकिंग के मामले में शहरी भारत के उपभोक्ता स्वाद से अधिक पोषण को महत्व देते हैं। यह एक नए तरीके का व्यवहार है और सेहतमंद स्नैकिंग को लेकर बढ़ती पसंद से संपूर्ण सेहत के लिए अच्छे पोषण के महत्व पर जोर देने का पता चलता है।

खासकर भारत के बाजार में यह अध्ययन छह भारतीय शहरों के 2415 खरीदारों की स्नैकिंग की आदतों पर किया गया। यह लोग लगभग 3.59 करोड़ उपभोक्ताओं की आबादी का नमूना थे। ज्यादातर शहरी भारतीयों (58 प्रतिशत) ने बताया कि वे खाने-पीने की चीजों की खरीदारी में स्वाद के बजाए पोषण पर ध्यान देते हैं। जबकि दुनिया में ऐसे लोगों का औसत 52 प्रतिशत है। इसमें दिल्ली और अहमदाबाद सबसे आगे रहे, जहां 60 प्रतिशत से अधिक शहरी खरीदारों ने अपने भोजन में पोषण को प्राथमिकता दी। भारत में मिलेनियल्स और जनरेशन जेड के बच्चे खरीदारी में सेहत का ध्यान रखने में सबसे आगे हैं। इन आयु समूहों के 83 प्रतिशत से ज्यादा उपभोक्ता खरीदारी से पहले न्यूट्रीशनल लेबल्स पढ़ते हैं।

पौष्टिक स्नैक्स खरीदते वक्त भारतीय उपभोक्ता चार महत्वपूर्ण कारकों को प्राथमिकता देते हैं : प्राकृतिक, दिल की सेहत के लिए अच्छा, प्रोटीन से भरपूर और ऊर्जा देने वाला। 10 में से 9 शहरी खरीदार सचेत होकर प्रोटीन से भरपूर खाद्य विकल्प मांगते हैं, जबकि इसका वैश्विक औसत 10 में से 7 का है। पोषण पर ध्यान दिए जाने से नट्स को पसंदीदा स्नैक के तौर पर पसंद किया जा रहा है और यह रोजाना के खान-पान में शामिल हो गए हैं।

■ **स्नैकिंग के मामले में शहरी भारत के उपभोक्ता स्वाद से अधिक पोषण को महत्व देते है : रिपोर्ट**
■ **दुनिया में सेहत पर ध्यान देने वाले लोगों का औसत 52 प्रतिशत**
■ **भारत में मिलेनियल्स व जनरेशन जेड के बच्चे खरीदारी में सेहत का ध्यान रखने में सबसे आगे**
■ **भारत में 10 में से 9 शहरी खरीदार मांगते हैं प्रोटीन से भरपूर खाद्य विकल्प**

खेल जगत

हम पूरे सीजन 'अजेय टीम' की तरह खेले : श्रेयस अय्यर

चेन्नई, 27 मई (एजेंसियां)। एक दशक के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए कोलकाता ने आईपीएल 2024 की ट्रॉफी अपने नाम की। टीम के इस प्रदर्शन की सराहना करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि पूरे सीजन में कोलकाता एक चैंपियन की तरह खेली। फाइनल मैच के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा, 'मेरे लिए अभी अपने एहसास और भावनाओं को बता पाना काफी मुश्किल है। खुश होने के लिए हमारे पास अभी काफी कुछ है। हमने खिलाड़ियों से जैसी उम्मीद की, उन्होंने वैसा ही प्रदर्शन किया। इंतजार बहुत लंबा था। हम पूरे सीजन में चैंपियन की तरह खेले।' आंद्रे रसेल (19 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन और वेंकटेश अय्यर (नाबाद 52) के शानदार अर्द्धशतक से कोलकाता नाईट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल फाइनल में रविवार को 8 विकेट से रौंद कर 57 गेंद शेष रहते तीसरी बार आईपीएल खिताब जीत लिया।

एफआईएच प्रो हॉकी लीग

कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक से भारत की अर्जेंटीना पर 5-4 से रोमांचक जीत

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 27 मई (देशबन्धु)। कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की शानदार हैट्रिक की बदौलत आखिर तक हार न मानने का जज्बा दिखाते हुए भारत ने एंटवर्प में एफआईएच प्रो हॉकी लीग 2023-24 के यूरोपीय चरण में अपने चौथे रोमांचक मैच में अर्जेंटीना पर रविवार रात 5-4 से रोमांचक जीत दर्ज दी। भारत के लिए अरिजित सिंह हुंदल और गुरजंट सिंह ने भी एक-एक गोल किया। पराजित अर्जेंटीना के लिए फ्रेडरिको मोंजा, निकोलस कीनन, टैडेव मारूच्ची व लुकास मार्टिनेस ने एक एक गोल किया। भारत ने बढ़िया आगाज किया और गुरजंट और अरिजित हुंदल पहले क्वॉर्टर में बराबर गेंद को आपस में लेते देते अर्जेंटीना की डी में पहुंच बराबर दबाव बनाया। फेडरिको मोंजा ने डी में पहुंच तीसरे मिनट में जोरदार वॉली लगा गोल कर अर्जेंटीना का खोता खोला। अरिजित हुंदल ने तीन मिनट बाद गजब का मैदानी गोल कर भारत को एक-एक की बराबरी दिला दी। गुरजंट सिंह के दूसरे क्वॉर्टर के तीसरे मिनट में बढ़िया मैदानी गोल कर भारत की बढ़त 2-1 कर दी। भारत इसके बाद बराबर गेंद पर कब्जा गंवाया और अर्जेंटीना ने इसका लाभ उठाकर जोरदार जवाबी हमले बोले। निकोलस कीनन अकेले ही गेंद को ले मैच के तीसरे मिनट में भारत की डी में पहुंचे और जोरदार गोल कर अर्जेंटीना को दो-दो गोल की बराबरी दिला दी। कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने दूसरा क्वॉर्टर खत्म होने से एक मिनट पहले पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक पर मैच का अपना पहला गोल कर भारत को हाफ टाइम तक 3-2 से आगे कर दिया।

अर्जेंटीना ने तीसरे क्वॉर्टर में पूरी ताकत बराबरी पाने में झोंक दी और इसमें खासा रोमांचक खेल देखने को मिला। भारत को मिले एक और पेनल्टी पर अर्जेंटीना के गोलरक्षक ने रोक का बेकार किया। भारत ने चौथे क्वॉर्टर में पूरी ताकत हमले में झोंक दी। चौथे क्वॉर्टर के पांचवें मिनट मे भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन अंपायर ने तुरंत इसे बदल कर पेनल्टी स्ट्रोक दे दिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने इस पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल मैच का अपना दूसरा गोल कर भारत की बढ़त 4-2 कर दी । दो मिनट भारत को एक और पेनल्टी स्ट्रोक मिला और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने इसे भी गोल में बदल कर मैच का अपना तीसरा गोल अपनी हैट्रिक पूरी कर अपनी टीम की बढ़त 5-2 कर दी। अर्जेंटीना के मैच के आखिरी छह मिनट में पहले टैडेव मारूच्ची ने फिर तीन मिनट बाद लुकास मार्टिनेज ने गोल कर स्कोर 4-5 कर दिया। बावजूद इसके भारत ने मैच जीत पूरे अंक पाए।

टी20 विश्व कप का मंच तैयार भारत पाकिस्तान को मिलेगी कड़ी टक्कर

■ टूर्नामेंट में खिताब की तलाश में 20 टीमें एक साथ आएंगी
■ अमेरिका और कनाडा के साथ-साथ आयरलैंड से भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मलेगी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां) आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 शुरू होने के लिए तैयार है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब की तलाश में 20 टीमें एक साथ आएंगी। ग्रुप ए,में एशियाई ताकतवर भारत और पाकिस्तान शामिल हैं, जिन्हे सह-मेजबान अमेरिका और कनाडा के साथ-साथ आयरलैंड से भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारत का लक्ष्य हाल की विश्व प्रतियोगिताओं में लगातार हार का सिलसिला तोड़ना है। यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और संजू सैमसन समेत स्टार-स्टडेड लाइनअप के साथ, भारत की बल्लेबाजी की गहराई जबरदस्त है। हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल और शिवम दुबे बहुमुखी प्रतिभा जोड़ते हैं, जबकि जसप्रित बुमरा के नेतृत्व में गेंदबाजी आक्रमण हावी होने के लिए तैयार है। चोट से वापसी करते हुए, बुमराह भारत के अभियान के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिन्होंने हाल के मैचों में असाधारण फॉर्म दिखाया है। बाबर आज़म के नेतृत्व में, पाकिस्तान हालिया करीबी कॉल के बाद आईसीसी ट्रॉफी सुरक्षित करने के मिशन के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश कर रहा है। टीम की बल्लेबाजी बाबर, मोहम्मद रिजवान और फखर जमान पर निर्भर है, जबकि गेंदबाजी का नेतृत्व शाहीन अफरीदी करेंगे। आजम की बल्लेबाजी में निरंतरता पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण होगी, खासकर टीम का नेतृत्व करने के दबाव में। पॉल स्टर्लिंग आयरलैंड की कप्तानी कर रहे हैं। वे प्रभाव छोड़ना चाहते हैं। हैरी टेक्टर, मार्क अडायर और जोश लिटिल जैसे खिलाड़ियों वाली संतुलित टीम के साथ, आयरलैंड का लक्ष्य पहली बार ग्रुप चरण से आगे बढ़ना है।

टूर्नामेंट में आयरलैंड की महत्वाकांक्षाओं के लिए पॉल स्टर्लिंग का नेतृत्व और बल्लेबाजी कौशल महत्वपूर्ण है। टी20 विश्व कप में पदार्पण करते हुए, अमेरिका का नेतृत्व मोनांक पटेल कर रहे हैं, जिसमें कोरी एंडरसन और अली खान जैसे प्रमुख खिलाड़ी टीम को मजबूत कर रहे हैं। टीम 2004 के बाद अपने पहले बड़े आईसीसी आयोजन में एक मजबूत छाप छोड़ना चाहती है। अली खान की गति और अनुभव के यूएसए के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। कप्तान साद बिन जफर अपने पहले टी20 विश्व कप में कनाडा का नेतृत्व कर रहे हैं। टीम में अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें कंवरपाल ताथगुर जैसे कुछ नए चेहरों के साथ नई प्रतिभाएं शामिल हैं।

टी20 विश्वकप के लिए मिच मार्श ने खुद को बताया फिट

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप अभियान के लिये खुद को फिट घोषित किया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती चरण के दौरान अप्रैल में ऑलराउंडर की हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी और इसके बाद उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। टी20 विश्व कप शुरू होने में अब जब एक सप्ताह से भी कम समय बचा है, रविवार को त्रिनिदाद में प्रशिक्षण के दौरान मार्श अच्छी लय में दिखे । पांच जून को बारबाडोस में टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में ओमान से मुकाबला करने के लिए वह मैदान में उतरने के लिये तैयार हैं। मार्श ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बताया, एक बार जब मैं आईपीएल से बाहर हो गया था, तो हमने निश्चित रूप से सही होने में अपना समय लिया और मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे खुद को तरोताजा होने के लिये थोड़ा अतिरिक्त समय मिला।' मार्श के मंगलवार को नामीबिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के अभ्यास मैच में भाग लेने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पूरी तरह से एक बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे और अभी कुछ समय तक गेंदबाजी में वापसी नहीं करेंगे। मार्श ने कहा, अभी मैं बल्लेबाजी पर पूरा ध्यान दूंगा और उम्मीद है कि मैं जल्द ही गेंदबाजी करना शुरू कर दूंगा।' उन्होने कहा, 'हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास गेंद के साथ इतने सारे विकल्प और इतनी प्रतिभा है। स्टोइन (मार्कस स्टोइनिस) और ग्रीनी (कैमरून ग्रीन) के तौर पर हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं। इसके बावजूद जब मुझे गेंदबाजी करने की जरूरत होगी तब मैं गेंदबाजी करूंगा।' मंगलवार को त्रिनिदाद में नामीबिया के खिलाफ अभ्यास मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकादश में मार्श के साथ कौन शामिल होता है, यह देखना अभी बाकी है, क्योंकि कंगारु टीम के कई खिलाड़ी वेस्ट इंडीज नहीं पहुंचे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और तेज गेंदबाज पैट कमिंस और मिच स्टार्क सभी उस आईपीएल खिताब के निर्णायक मैच में शामिल हुए थे और अपने साथियों के साथ जुड़ने से पहले कुछ आराम के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे। कैरेबियन द्वीप समूह की यात्रा के लिये रिजर्व जेक फ्रेजर-मैकगर्क और मैट शॉर्ट का भी आना अभी बाकी है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, ट्रैवलिंग रिजर्व : जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट शॉर्ट।

ऑरेंज कप जीतने पर कोहली ने कहा, मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं

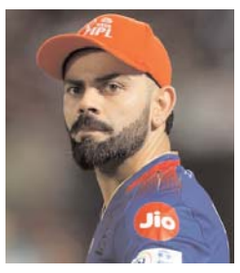

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली टॉप पर रहे। उन्होंने 15 मैचों में 61.75 की एवरेज और 154.69 की स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाए। विराट ने इस सीजन में एक शतक और पांच अर्द्धशतक भी जड़े। उन्होंने कप्तान फाफ डू प्लेसिस के साथ बतौर ओपनर 61.75 की औसत और 154.69 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। विराट कोहली ने फाइनल के बाद एक रिकॉर्ड किए गए संदेश में कहा, 'ऑरेंज कैप जीतना सम्मान की बात है। इस सीजन का सफर हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। लेकिन मैंने जिस तरह अपनी टीम के लिए योगदान दिया, उससे काफी खुश हूं। 'खासकर, इस सीजन के दूसरे हाफ में... पहले हाफ में हमारी टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। लेकिन हमने दूसरे हाफ में शानदार खेल का नजारा पेश किया। आप सब लोगों के समर्थन के लिए शुक्रिया।' विराट ने कहा कि वह अमेरिका और वेस्टइंडीज में भारत के लिए आगामी टी20 विश्व कप में अपने फॉर्म को दोहराने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैं आईपीएल के 2025 सीजन में भी इसे दोहराऊंगा। आपके समर्थन के लिए आप सभी को धन्यवाद।' 35 वर्षीय खिलाड़ी आईपीएल इतिहास में दो बार ऑरेंज कैप जीतने वाले पहले भारतीय बने। हर्षल ने कहा, 'पर्पल कैप दिए जाने पर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह एक बहुत ही शानदार यात्रा रही है। मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जो मेरी यात्रा का हिस्सा थे। मेरे टीम के साथी, मेरे कोच और विशेष रूप से मेरा परिवार। उनके समर्थन के बिना, यह संभव नहीं होता। मैं 2025 सीजन का इंतज़ार कर रहा हूं।'

फ्रेंचाइजी क्रिकेट के लिए वनडे फॉर्मेट छोड़ सकते हैं स्टार्क

आईपीएल में लंबे समय के बाद मिचेल स्टार्क की वापसी शानदार रही

'पिछले 9 साल मैंने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट को दिए हैं। जब क्रिकेट से समय मिलता था, तब मैं वह समय अपनी पत्नी और परिवार को देता था। लेकिन अब मैं अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हूं और फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना चाहता हूं। वनडे विश्व कप अभी बहुत दूर है, तो मैं एक फॉर्मेट को छोड़ भी सकता हूं : मिचेल स्टार्क

चेन्नई, 27 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स की खिताबी जीत में अहम योगदान निभाने वाले तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खतरनाक तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने संकेत दिए हैं कि वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के कारण यह फैसला ले सकते हैं। आईपीएल में लंबे समय के बाद मिचेल स्टार्क की वापसी शानदार रही, जिसका समापन कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ खिताबी जीत के साथ हुआ। वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने के बाद स्टार्क का इस कैश-रिच लीग में फिर से शामिल होने का निर्णय सफल रहा और अब वह अपनी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं को बदलने पर विचार कर रहे हैं। स्टार्क ने कहा, 'पिछले 9 साल मैंने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट को दिए हैं। जब क्रिकेट से समय मिलता था, तब मैं वह समय अपनी पत्नी और परिवार को देता था। लेकिन अब मैं अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हूं और फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना चाहता हूं। वनडे विश्व कप अभी बहुत दूर है, तो मैं एक फॉर्मेट को छोड़ भी सकता हूं।'

मिचेल स्टार्क ने इससे पहले सिर्फ दो बार 2014 और 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल खेला था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए खुद को तरोताजा रखने के लिए वह आईपीएल नहीं खेल रहे थे। 2009 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद स्टार्क ने अभी तक सिर्फ 137 टी20 खेले हैं। स्टार्क ने आगे कहा, 'मैंने इस आईपीएल सीजन का पूरा लुत्फ़ उठाया। इसके बाद हमें विश्व कप खेलना है, जिसका अपना लाभ है। इस लीग में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ और खिलाफ खेलने के बाद आप विश्व कप के लिए भी तैयार होते हैं। 'इस तरह यह विश्व कप की तैयारियों का भी एक हिस्सा है। मुझे नहीं पता कि अगले साल का क्या शेड्यूल है, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि मैं फिर से कोलकाता के लिए टूर्नामेंट खेलता नज़र आऊंगा।' स्टार्क को इस साल कोलकाता ने 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था और वह आईपीएल नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। प्लेऑफ में स्टार्क का प्रदर्शन महत्वपूर्ण था।

सार संक्षेप

आईपीएल में ट्रैविस हेड चमके, वार्नर ने किया निराश

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए दिलचस्पी दिखाने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का प्रदर्शन रविवार को संपन्न हुये सत्र में मिला जुला रहा है। आईपीएल में ऑस्ट्रेलियाई टी20 विश्व कप टीम के कई नियमित खिलाड़ी शामिल हुए। ट्रैविस हेड जैसे खिलाड़ियों ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से टूर्नामेंट में आग लगा दी, वहीं डेविड वार्नर और मिशेल मार्श जैसे अन्य खिलाड़ियों का टूर्नामेंट के अधिकांश समय में प्रदर्शन उदासीन रहा, जबकि मिशेल स्टार्क ने शुरुआत में निरंतरता के लिए संघर्ष किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम के लंबे समय तक सदस्य रहे डेविड वार्नर का प्रदर्शन भूलने लायक था। उन्होंने पोंटिंग की दिल्ली कैपिटल्स के लिए चोटों से भरे सीज़न में 21 की औसत से केवल 168 रन बनाए। अपनी हालिया वापसी के बावजूद, पोंटिंग ने वार्नर को टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने का समर्थन किया। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पोंटिंग इस बात से निराश थे कि वार्नर ने अच्छी शुरुआत के बाद अपना फॉर्म खो दिया। पोंटिंग ने कहा 'उन्होंने वास्तव में टूर्नामेंट की बहुत अच्छी शुरुआत की। उनका रन औसत वास्तव में अच्छा था। मिशेल मार्श के साथ वह हमारे लिए बल्लेबाजी की शुरुआत कर रहे थे और यह संयोजन वास्तव में अच्छा काम कर रहा था।' हालाँकि, यह साझेदारी तब टूट गई जब मार्श को चोट के कारण स्वदेश लौटना पड़ा और वार्नर ने अपना लय खो दिया, जबकि बाद में उनके हाथ में भी चोट लग गई।

अतिका मीर ने बनाया नया लैप रिकार्ड

संयुक्त अरब अमीरात। यूरोपीय ट्रैक में प्रतिस्पर्धा करने के बाद, अतिक़ा मीर ने संयुक्त अरब अमीरात में आरएके ट्रैक पर आयोजित आईएएमई समर सीरीज़ कप राउंड 1 में मिनी श्रेणी में समग्र रूप से तीसरा और मिनी आर श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया। कश्मीर की नौ साल की कार्टिंग सनसनी अतिक़ा मीर ने शानदार क्वालीफाइंग सत्र के बाद, कुल मिलाकर दूसरा स्थान हासिल किया, अतिक़ा को एक चुनौतीपूर्ण प्री-फ़ाइनल दौड़ का सामना करना पड़ा, जहां वह छठे स्थान पर रहीं। हालाँकि, उसने फ़ाइनल रेस में उल्लेखनीय वापसी की और तेज़ी से मैदान में आगे बढ़ी। 39 डिग्री की भीषण गर्मी के बावजूद, अतीक़ा ने तेज़ गति से आगे बढ़ीं, और रेस का समापन एक रोमांचक अंत में हुआ, जहां शीर्ष तीन कारों ने केवल 0.20 सेकंड के अंतर पर लाइन पार किया। रेस के दौरान, उसने इवेंट का सबसे तेज़ लैप समय और आरएके ट्रैक एल ऑप्शन लेआउट के लिए एक नया लैप रिकॉर्ड भी बनाया। अतिका ने कहा, 'मेरे पास जीतने की गति थी, इसलिए मैं थोड़ा निराश हूं, लेकिन यह एक अच्छी रेस थी और मैंने इसका भरपूर आनंद लिया।

मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर: अंकुशिता बोरो जीती, अभिमन्यू की हार

बैंकॉक, 27 मई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के लिए बॉक्सिंग वर्ल्ड क्वालीफायर में पूर्व विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो ने सोमवार को 60 किग्रा वर्ग में मंगोलिया की नामुन मोनखोर पर जीत हासिल की, जबकि 80 किग्रा भार वर्ग में अभिमन्यु लौरा आयरलैंड के केलिन कैसिडी से हार गये। बोरो ने अपने युवा मंगोलियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मजबूत शुरुआत की। उसने तीन मैचों के बाद 4-1 से जीत हासिल करने के लिए रणनीतिक रूप से गियर बदलकर मोनखोर की तेज चाल को प्रभावी ढंग से कुंद कर दिया। हालांकि, लौरा के लिए यह सफर निराशाजनक रहा। बुल्गारिया के दस बार के राष्ट्रीय चैंपियन क्रिस्टियान निकोलोव को एक रोमांचक मुकाबले में हराने के बाद आत्मविश्वास से भरे राष्ट्रीय चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लौरा दो बार के आयरिश चैंपियन कैसिडी के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले में उतरे। लेकिन कैसिडी के खिलाफ उन्हे 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को सचिन सिवाच (57 किग्रा), अभिनाश जामवाल (63.5 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ओलंपिक कोटा हासिल करने के लिये रिंग में उतरेंगे।

सचिन का सामना डेनमार्क के फ्रेडरिक जेन्सेन से होगा, जम्वाल का कोलंबिया के जोस मैनुअल वियाफारा फोरी से और निशांत देव का मुकाबला मंगोलिया के ओटगोनबटार बयाम्बा-एर्डेन से होगा। भारत ने पहले ही पेरिस खेलों के लिए तीन कोटा हासिल कर लिए हैं, जिसमें निकहत ज़रीन (महिला 50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा) और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने 2022 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत ने सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाजों को मैदान में उतारा है।

आईपीएल के रियल हीरो के लिए बीसीसीआई ने किया इनाम का ऐलान

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने सोमवार को आईपीएल 2024 के 13 वेन्यू के सभी ग्राउंड स्टाफ और पिच क्यूरेटर के लिए इनाम का ऐलान किया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 का खिताब जीत लिया है। चेपॉक स्टेडियम से शाहरुख खान, गौतम गंभीर, रिंकू सिंह से लेकर कप्तान श्रेयस अय्यर तक के जश्न मनाने के अतरंगी तरीके और तस्वीरें यकीनन आपका दिल जीत लेंगी। वहीं, इस बीच बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भी कुछ ऐसा ऐलान किया है, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। दरअसल, बीसीसीआई ने ग्राउंड्समैन और पिच क्यूरेटर्स के लिए लाखों रुपए के इनाम का ऐलान किया है। जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने इस पोस्ट के जरिए ग्राउंड स्टाफ और क्यूरेटर्स के लिए यह ऐलान किया। जय शाह ने एक्स पर लिखा, 'हमारे सफल आईपीएल 2024 सीजन के पीछे अनसंग हीरोज ग्राउंड स्टाफ का अहम योगदान है। इन्होंने खराब मौसम की स्थिति में भी अच्छी पिच तैयार करके दी। 10 नियमित आईपीएल मैदानों के ग्राउंड्समैन और क्यूरेटर को 25-25 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं 3 एक्स्ट्रा मैदानों के स्टाफ को 10-10 लाख रुपए मिलेंगे।

भारत के हेड कोच बन सकते हैं गंभीर, क्या शाहरुख उन्हें जाने देंगे?

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में कोलकाता को चैंपियन बनाने वाले गौतम गंभीर खिताबी जीत के बाद बेहद भावुक नजर आए। इस दौरान बॉलीवुड किंग शाहरुख खान ने गंभीर के माथे को खुशी से चूम लिया। कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार रात आईपीएल 2024 के खिताबी मुकाबले में एकतरफा अंदाज में सनराइजर्स हैदराबाद को हराते हुए तीसरी बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत में पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर की मेंटरशिप का अहम योगदान रहा। अपनी कप्तानी में पहले ही कोलकाता के लिए दो ट्रॉफी जीत चुके गौतम गंभीर ने एक बार फिर बतौर मेंटर अपनी टीम को एक दशक बाद ट्रॉफी दिलाई। इस जीत के बाद गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बनेंगे, ऐसी खबरें और तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि गंभीर इस दौर में सबसे आगे हैं। हालांकि, सवाल यह उठता है कि क्या इस सीजन में मेंटर के तौर पर कोलकाता में वापसी करने वाले गंभीर भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के लिए फ्रेंचाइजी छोड़ देंगे? कोलकाता को तीन बार आईपीएल ट्रॉफी जीताने और लखनऊ को दो बार प्लेऑफ में पहुंचाने के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, गंभीर की नेतृत्व क्षमता ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। 2012 और 2014 में कोलकाता को दो आईपीएल खिताब दिलाने वाले गंभीर ने बड़े मौकों पर टीम को जीत दिलाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। पहले उनके नेतृत्व और अब मार्गदर्शन में कोलकाता तीसरी आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल रही। कोलकाता के साथ गंभीर का रिश्ता काफी भावनात्मक है। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिन पर कोलकाता के प्रशंसक भरोसा करते हैं और उन्होंने उनसे फ्रेंचाइजी न छोड़ने का आग्रह भी किया है। हालिया घटनाक्रम में कई रिपोर्ट सामने आई हैं, जहां कथित तौर पर गंभीर को कोलकाता के सह-मालिक शाहरुख खान द्वारा अगले दशक तक कोलकाता टीम के लिए अपनी सेवाएं सुरक्षित करने के लिए 'ब्लैंक चेक' की पेशकश की गई थी।

सुनील नारायण ने अच्छे प्रदर्शन के लिए गौतम गंभीर को दिया क्रेडिट

चेन्नई। आईपीएल के पिछले कुछ सीजन सुनील नारायण के लिए ज्यादा खास नहीं रहे। लेकिन साल 2024 में एक बार फिर से वह अपने पुराने अंदाज में नजर आए, जिसका श्रेय इस धाकड़ ऑलराउंडर ने गौतम गंभीर को दिया है। सुनील नारायण ने कोलकाता की तीसरी आईपीएल खिताब जीत की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईपीएल 2024 में उन्होंने 180.74 की स्ट्राइक रेट से 488 रन बनाए और 17 विकेट लिए, जिससे उन्हें रिकॉर्ड तीसरी बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का पुरस्कार मिला। नारायण ने मैच के बाद कहा, 'गंभीर ने मुझसे वहां जाकर खुद को अभिव्यक्त करना, टीम को बेहतर स्थिति में लाने की कोशिश करना बताया। मैं आपसे पूरे सीजन के लिए नहीं, बल्कि केवल कुछ मैच जीतने के लिए कह रहा हूं। यह बहुत अच्छी सलाह थी।' नारायण के लिए, तीसरा आईपीएल खिताब एक आदर्श जन्मदिन का उपहार था, क्योंकि केकेआर ने उनके 36वें जन्मदिन पर ट्रॉफी जीती। इससे पहले केकेआर 2012 और 2014 में जीत हासिल करने में सफल रही थी और दोनों बार नारायण टीम का हिस्सा थे।